दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 127 रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 राज्यपाल रमेन डेका से ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

'रतार' अब दशहरा वीकेंड ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

विश्व पर्यटन नगरी खजुराहो से गूंजा योग का संदेश

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का 25 दिवसीय काउंटडाउन शुरू

एजेंसी, छतरपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का 25 दिवसीय काउंटडाउन शुरू हो गया है। इसके लिए बुधवार को मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं सांस्कृतिक नगरी खजुराहो में आयोजित भव्य काउंटडाउन महोत्सव में योग का संदेश दिया गया। कार्यक्रम से प्रदेशभर की आयुष संस्थाएं वर्चुअली जुड़ीं।

कोलकाता में होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का मुख्य समारोह

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 का मुख्य समारोह 21 जून को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने खजुराहो में इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम ‘स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग’ रखी गई है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली में योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। जाधव ने कहा कि भारत की पारंपरिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना से समृद्ध कोलकाता आईडीवाई 2026 के मुख्य आयोजन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का प्रतीक है और निवारक स्वास्थ्य सेवा एवं संतुलित जीवनशैली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

खजुराहो को वैश्विक योग एवं वेलनेस केंद्र बनाने की संभावना

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री जाधव ने कहा कि खजुराहो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के कारण भारत की प्राचीन परंपराओं और वेलनेस संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है तथा इसमें वैश्विक योग एवं वेलनेस केंद्र बनने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप आयुष मंत्रालय योग को गांव–गांव, घर–घर, विद्यालयों, कार्यालयों और समुदायों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

‘योग संगम पोर्टल’ और ‘योग पार्क पोर्टल’ का शुभारंभ

इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री ने आईडीवाई 2026 में जनभागीदारी बढ़ाने और ऑनलाइन पंजीकरण को सुगम बनाने हेतु ‘योग संगम पोर्टल’ का पुन: शुभारंभ किया तथा राज्यों और संस्थानों में समर्पित योग स्थलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए ‘योग पार्क पोर्टल’ लॉन्च किया। उन्होंने योग, स्वास्थ्य और वेलनेस का संदेश देने वाली नई योग टी–शर्ट का भी अनावरण किया तथा बताया कि ‘योग 365 अभियान’ के अंतर्गत आयोजित 100 दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में दो लाख से अधिक लोगों ने भाग लेकर ‘योग मित्र’ प्रमाणन प्राप्त किया है।

पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त से अधिक भंडार उपलब्ध सरकार की अपील- अफवाहों पर न दें ध्यान

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार का कहना है कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त से अधिक भंडार है और घरेलू और औद्योगिक दोनों जरूरतों को पूरा करने में कोई समस्या नहीं है। देश की 22 चालू रिफाइनरियों की कुल स्थापित क्षमता 2581 लाख टन प्रतिवर्ष है। नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों, राज्य सरकारों और उद्योग निकायों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, फिक्की तथा सीआईआई के साथ स्थिति की समीक्षा की है। समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ कि किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की वास्तविक कमी नहीं है।

मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी उथल–पुथल के बीच उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि का पूरा बोझ खुदरा ग्राहकों पर नहीं डाला। इसके कारण कंपनियां पेट्रोल, डीज़ल और घरेलू एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन लगभग 550 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। मंत्रालय का कहना है कि कुछ औद्योगिक उपभोक्ता थोक खरीद के बजाय खुदरा पंपों से ईंधन खरीद रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर मांग बढ़ रही है और कमी का भ्रम पैदा हो रहा है। निजी कंपनियों की डीज़ल बिक्री में इस महीने लगभग 38 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा आउटलेट्स पर मांग बढ़ी है। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से विशेष दस्ते गठित कर जमाखोरी, कालाबाजारी और अनधिकृत भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025–26 में देश की घरेलू पेट्रोलियम खपत 2432 लाख टन रही। इसी अवधि में 615 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया गया। इससे भारत दुनिया के प्रमुख रिफाइंड उत्पाद निर्यातकों में शामिल बना हुआ है।

ईरान-अमेरिका समझौते के मसौदे पर बड़ा दावा, समुद्री आवाजाही बहाल करने की तैयारी

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच जारी बातचीत को लेकर ईरान की सरकारी मीडिया ने बड़ा दावा किया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच तैयार किए जा रहे समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे में अमेरिका द्वारा ईरान के आसपास से सैन्य बलों की वापसी और ईरानी बंदरगाहों पर लगे प्रतिबंध हटाने का प्रस्ताव शामिल हो सकता है। हालांकि इस संबंध में अमेरिकी पक्ष की ओर से अभी तक कोई

आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ईरानी सरकारी प्रसारण माध्यम की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान भी बदले में एक महीने के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर तक बहाल करने के लिए सहमत हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि समुद्री यातायात के संचालन और मार्ग निर्धारण का काम ईरान और ओमान के सहयोग से किया जा सकता है। हालांकि सैन्य जहाजों को इस व्यवस्था से बाहर रखने की बात कही गई है। सूत्रों के मुताबिक, समझौते की रूपरेखा अभी अंतिम रूप में नहीं पहुंची है और तेहरान ने स्पष्ट किया है कि किसी भी कदम से पहले ठोस सत्यापन आवश्यक होगा।

सिक्किम भी देश का पूर्ण साक्षर राज्य बना, राष्ट्रपति ने दी बधाई

एजेंसी, गंगटोक। सिक्किम भी देश का पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को राजधानी गंगटोक में आयोजित सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में इस उपलब्धि की घोषणा की। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उल्लास–नए भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पूर्ण साक्षरता का दर्जा प्राप्त करने के लिए सिक्किम की जनता और सरकार को बधाई दी, जो 2027 के लिए निर्धारित राष्ट्रीय लक्ष्य से काफी पहले है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सिक्किम की सरकार और लोगों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है। उन्होंने शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी पर खुशी व्यक्त करते हुए साक्षरता को सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति का एक प्रमुख साधन बताया।

मुख्यमंत्री तमांग ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सिक्किम यात्रा के दौरान उल्लास–नए भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सिक्किम को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित करने पर सिक्किम के लोगों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह उपलब्धि हमारे राज्य की शैक्षिक और सामाजिक प्रगति में एक निर्णायक मील का पत्थर है। यह हमारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि ज्ञान, गरिमा, सशक्तिकरण और समावेशी विकास की इस यात्रा में कोई भी वयस्क नागरिक पीछे न रह जाए। दूरदराज के गाँवों से लेकर हर ब्लॉक और ग्राम पंचायत तक यह अभियान समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ सिक्किम के हर नुक्कड़ और कोने तक पहुँच गया है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस चीज ने इस उपलब्धि को वास्तव में प्रेरणादायक बनाया, वह था शिक्षार्थियों का साहस, दृढ़ संकल्प और उत्साह, जिनमें से कई ने अपने जीवन में पहली बार पढ़ना और लिखना सीखा था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज और कल गुजरात दौरे पर

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 और 29 मई को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ संगठनात्मक और समीक्षा बैठकें करेंगे।

कार्यक्रम के तहत अमित शाह 28 मई को गांधीनगर के वडसर में आनंदम परिवार के सीएसआर फंड से निर्मित जेडवा तालाब का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा वडसर, जलुंद और सरढव में टोयोटो किर्लोस्कर मोटर के सीएसआर फंड से बने नए वाचनालयों का उद्घाटन करेंगे। खटरज में तालाब सौंदर्यीकरण परियोजना का शिलान्यास तथा नवनिर्मित ग्राम पंचायत कार्यालय का उद्घाटन भी किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री मोटी भोयण में पे सेंटर प्राथमिक विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। सोनीपुर में ग्राम तालाब तथा कलोल और गांधीनगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी शामिल है।

पराली से निकलने वाला धुआं उत्तर भारत के लोगों में बढ़ा रहा उच्च रक्तचाप का खतरा: एम्स

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर भारत में रहने वाले लोगों के लिए पराली का धुआं न सिर्फ फेफड़े बल्कि रक्त चाप (बीपी) को भी बढ़ा सकता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के शोधकर्ताओं के एक नए अध्ययन से पता चला कि फसल अवशेष(पराली) जलाने से निकलने वाला धुआं उत्तर भारत में रहने वाले लोगों में उच्च रक्तचाप का खतरा काफी बढ़ा सकता है। बुधवार को पत्रकार वार्ता में एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अंबुज रॉय ने बताया कि पराली के धुएं से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में अपेक्षाकृत स्वच्छ क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में उच्च रक्तचाप विकसित होने की संभावना लगभग 15 प्रतिशत अधिक पाई गई है। डॉ. अंबुज रॉय ने बताया कि भारत में उच्च रक्तचाप से होने वाली मौतों की संख्या ने देशभर में होने वाली

सभी संक्रामक बीमारियों से होने वाली कुल मौतों को भी पीछे छोड़ दिया है।

अकेले हाइपरटेंशन से भारत में हर साल करीब 16 लाख लोगों की मौत हो रही है। डॉ. रॉय ने कहा कि भारत में करीब 30 करोड़ लोग हाइपरटेंशन से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि यह एक गंभीर पब्लिक हेल्थ समस्या बन चुकी है। डॉ. अंबुज रॉय के मुताबिक हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण ज्यादातर मामलों में दिखाई नहीं देते, इसलिए समय पर जांच बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और किडनी फेलियर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में करीब 25 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 33 फीसदी वयस्क हाइपरटेंशन से प्रभावित हैं। यही वजह है कि देशभर में बड़े स्तर पर स्क्रीनिंग अभियान चलाने की जरूरत है।

भीषण गर्मी के बीच प्रधानमंत्री ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति के बीच नागरिकों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है। उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने और जरूरतमंदों को पानी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अत्यधिक गर्मी सभी के लिए चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने लोगों को हीट एग्जॉशन के लक्षणों जैसे चक्कर

आना, मतली और अत्यधिक थकान को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को कमजोरी, सिरदर्द या अस्वस्थता महसूस हो तो उसे तुरंत ठंडी और छायादार जगह पर ले जाकर पानी और ओआरएस उपलब्ध कराना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चे, बुजुर्ग और बाहर काम करने वाले लोग अत्यधिक गर्मी में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि लक्षणों की अनदेखी करने पर स्थिति गंभीर होकर हीटस्ट्रोक का रूप ले सकती है। मोदी ने लोगों से अपने माता–पिता, दादा–दादी और अन्य बुजुर्ग परिजनों का विशेष ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नियमित रूप से फोन कर हालचाल लें और पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने तथा पर्याप्त आराम करने की सलाह दें।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चुनाव आयोग पर कई सवाल खड़े हुए: कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर की संवैधानिक वैधता को स्वीकार किया है, लेकिन फैसले में कई ऐसे बिंदु हैं जो चुनाव आयोग की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं। सिंघवी ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता तय करने का अंतिम

अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। नागरिकता अधिनियम के तहत यह अधिकार सक्षम प्राधिकारी– जैसे गृह मंत्रालय के पास है। इसके बावजूद करोड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए और उनका मताधिकार प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले के पैरा 97 से 101 तक पढ़ने से स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया में गंभीर खामियां थीं। बिहार में 65 लाख मतदाताओं के निष्कासन और बाद में उनके नाम दोबारा प्रकाशित किए जाने पर सिंघवी ने कहा कि यह सुधार राजनीतिक दलों और गैर सरकारी संगठनों की अदालत में दायर याचिकाओं के कारण संभव हो पाया। सिंघवी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने जल्दबाजी में खामियों के साथ एसआईआर कार्यक्रम लागू किया। यदि राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों और सिविल सोसायटी ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो प्रक्रिया में मौजूद खामियां बनी रहतीं।

भारतीय कोस्ट गार्ड व गुजरात एटीएस ने कच्छ में पकड़ी 100 किलो कोकीन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने मुंद्रा तट के पास चलाए गए संयुक्त समुद्री तस्करी–रोधी अभियान में 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 1150 करोड़ रुपये बताया गया है। जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है। आईसीजी, गुजरात एटीएस और अन्य संबंधित एजेंसियां संयुक्त रूप से इस मामले की जांच कर रही हैं। समुद्री मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ आईसीजी पांच वर्षों से अभियान चला रहा है। गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त रूप से चलाया गया यह पंद्रहवां नशीले पदार्थ विरोधी ऑपरेशन है, जो समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इसी क्रम में आईसीजी ने गुजरात एटीएस के समन्वय से 25–26 मई की रात के समय मुंद्रा तट के पास संयुक्त खुफिया आधारित तस्करी रोधी अभियान चलाया। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने

बताया कि इंटरसेप्टर नावों पर एटीएस के जवान भी सवार थे। अभियान के दौरान मुंद्रा से लगभग पांच नॉटिकल मील की दूरी पर लंगर डाले हुए कंटेनर जहाज 'एमवी यूरोप' पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। इस जहाज से कुछ थैलियों को समुद्र में फेंकते हुए देखा गया। तेज परिचालन प्रतिक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए आईसीजी और गुजरात एटीएस की संयुक्त टीम तुरंत उस स्थान पर पहुंची और रात के समय बेहद कम दृश्यता की अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद समुद्र से पांच थैलियां बरामद कीं।

उन्होंने बताया कि जांच करने पर इस थैलियों में एक सफेद पाउडर जैसे पदार्थ के पैकेट मिले, जिनकी जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। इस ऑपरेशन के दौरान कुल 115 पैकेट जब्त किए गए, हर पैकेट का वजन लगभग एक किलोग्राम था। कुल मिलाकर जब्त किए गए नशीले पदार्थों का वजन लगभग 115 किलोग्राम था। इन नशीले पदार्थों की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1150 करोड़ रुपये है। इसके बाद जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है। आईसीजी, गुजरात एटीएस और अन्य संबंधित एजेंसियों की संयुक्त जांच अभी जारी है।

पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े 4 आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और एसटीएफ की सयुंक्त टीमों ने बुधवार को पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये अभियुक्त के सोशल मीडिया एवं वीडियो कॉलिंग के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच में यह भी पता चला है कि ये लोग संवेदनशील स्थलों की रेकी, युवाओं को जोड़ने और आतंकी–विध्वंसक गतिविधियों की साजिश में शामिल होने के तथ्य सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था (एडीजी) अमिताभ यश ने बताया कि लगतार सूचनाएं मिल रही थी कि भारतीय युवाओं को भ्रमित कर एवं आर्थिक लाभ का प्रलोभन देकर एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत देश में सामाजिक सौहार्द, एकता, अखंडता, संप्रभुता एवं सुरक्षा को क्षति पहुंचाने के

उद्देश्य से विभिन्न राज्यों में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर पाकिस्तानी गैंगेस्टर शहजाद भट्टी एवं आबिद जट्ट के आतंकी नेटवर्क द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्लीपर सेल बनाने व आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाने का कार्य किया जा रहा है। इस मामले को संज्ञान में लेने के बाद एटीएस एवं एसटीएफ टीम को सक्रिया किया और प्रदेश में लगभग 200 संदिग्धों को खंगाला गया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण तथ्य मिले हैं। इसके आधार पर एटीएस ने चार अभियुक्त सहारनपुर जिले का रहन वाला महकाब, शाहरुख, मुजफ्फरनगर का रहने वाला गगनदीप उर्फ गुरी सिंह और उत्तराखंड निवासी मुशर्रफ को सहारनपुर से गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने पर महकाब और गगनदीप उर्फ गुरी ने बताया कि इंस्टाग्राम के माध्यम से पाकिस्तानी गैंगेस्टर शहज़ाद भट्टी एवं आबिद जट्ट से जुड़े थे। आबिद जट्ट ने लोगों को अन्य राज्य की एक राजनैतिक पार्टी के कार्यालय, अस्पताल व एक आदमी, जिसके कई स्कूल है, को निशाना बनाकर उड़ाने के लिए, रेकी करने के लिये कहा था।

समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

जून-जुलाई में देश की इन शानदार और अद्भुत जगहों को आप भी बनाएं डेस्टिनेशन

जून और जुलाई साल के ऐसे महीने होते हैं, जब देश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ती है, तो कुछ हिस्सों में बारिश का मौसम रहता है। जून में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए कई लोग हिमाचल या उत्तराखंड की हसीन वादियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। वहीं जुलाई में होने बारिश के मौसम में कई लोग पहाड़ों में जाने से बचाते हैं। हालांकि, इन दोनों ही महीनों में घूमने का एक अलग ही मजा होता है। अगर आप भी जून और जुलाई के महीने में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो हम आपको देश की कुछ शानदार और अद्भुत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप परिवार, दोस्त या पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

तीर्थन घाटी

हिमाचल प्रदेश में घूमने की बात होती है, तो कई लोग सबसे पहले शिमला, कुल्लू-मनाली, धर्मशाला या डलहौजी जैसी जगहों पर ही घूमने का प्लान बनाते हैं। यह सच है कि इन जगहों की खूबसूरती हर दिन हजारों लोगों को आकर्षित करती हैं, लेकिन जून के महीने में तीर्थन घाटी घूमने का एक अलग ही मजा है। हिमाचल की हसीन वादियों में मौजूद तीर्थान वैली प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरे-भरे घास के मैदान, देवदार के पड़े-बड़े पेड़ और झील-झरने इस घाटी की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर तीर्थन घाटी की शांत वातावरण में आप सुकून का पल बिता सकते हैं।

लोनावला

लोनावला महाराष्ट्र का एक खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन है। यह हिल स्टेशन मानसून में घूमने के लिए सबसे परफेक्ट डेस्टिनेशन माना जाता है। इसलिए यहां कई लोग जुलाई के महीने में परिवार, दोस्त या पार्टनर के साथ घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। लोनावला, शांत वातावरण और अद्भुत नजारों के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है। यहां की हरियाली भी सैलानियों को खूब आकर्षित करती है। यहां स्थित झील-झरने और वॉटरफॉल को देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे। लोनावला में आप टाइगर्स लीप, भाजा गुफाएं, कार्ला गुफाएं, बुशी डैम और राजमाची पॉइंट जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कोडैकनाल

अगर आप जून और जुलाई के महीने में दक्षिण भारत की किसी शानदार जगह को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको कोडैकनाल की हसीन वादियों में पहुंच जाना चाहिए। कोडैकनाल तमिलनाडु की खूबसूरत और सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन्स में से एक है। समुद्र तल से करीब 7 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद कोडैकनाल को दक्षिण भारत में हिल स्टेशनों का राजकुमार के नाम से भी जाना जाता है। यह हिल स्टेशन हनीमून डेस्टिनेशन के रूप से भी फेमस माना जाता है। जून-जुलाई में कोडैकनाल की खूबसूरती चरम पर होती है।

धारचूला

उत्तराखंड की हसीन वादियों में मौजूद धारचूला एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। इस जगह के बारे में अधिकतर लोग नहीं जानते, इसलिए यहां हर समय शांत माहौल रहता है। धारचूला को उत्तराखंड का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल, देवदार के बड़े-बड़े पेड़ और झील-झरने धारचूला की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। जून में यहां का मौसम एकदम सुहावना होता है, तो वहीं जुलाई में होने वाली बारिश के चलते इसकी खूबसूरती चरम पर होती है। धारचूला में आप ओम पर्वत, अस्कोट अभयारण्य, जौलजीबी और काली नदी जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

इन जगहों पर ही पहुंचें

जून-जुलाई में महीने में भारत की अन्य कई शानदार और बहुत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। जी हां, आप मैक्लोडगंज, शिलांग, महाबलेश्वर, नैनीताल, कूर्ग और कुन्नूर ऐसी शानदार जगहों को भी जून-जुलाई में डेस्टिनेशन पॉइंट बना सकते हैं।

आखिर क्यों दुनिया की सबसे मशहूर मस्जिद है हागिया सोफिया?

इस्तांबुल में स्थित हागिया सोफिया यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है। यह छठवीं सदी में बनाई गई इमारत है जो 532एडी से 537एडी में बनकर तैयार हुई थी। जिस जगह पर इसे बनाया गया है वहां 325एडी में एक चर्च बनाया गया था। उसी चर्च के ढांचे को 404एडी में दंगों में निस्तोनाबूत कर दिया गया और फिर इसे बनाया गया जिसे एक बार फिर 532एडी में तोड़ दिया गया। उसके बाद जो ढांचा बना वह आज हागिया सोफिया के नाम से जाना जाता है। 1500 सालों में इसमें कई बदलाव आए। बाइजेंटाइन पीरियड के दौरान इसमें कई कलाकृतियां और मोसैक बनाए गए। तब से लेकर आज तक हागिया सोफिया में अलग-अलग तरह के बदलाव हुए हैं, लेकिन ईसाई और इस्लाम दोनों ही धर्मों की आस्था का केंद्र यह इमारत रही है। जब ओटोमन साम्राज्य ने तुर्की पर कब्जा किया तब इस इमारत को चर्च से बदलकर मस्जिद बना दिया गया। उस दौरान तुर्की के कई चर्च के साथ ऐसा किया गया था। यही कारण है कि आज के समय में हागिया सोफिया में इस्लामिक आर्किटेक्चर की झलक मिलती है। सन 1453 में जब सुल्तान मेहमद ने कॉन्स्टेंटिनोपल (वर्तमान समय में तुर्की) पर कब्जा किया तब इस इमारत में और बदलाव किए गए और यह पूरी तरह से मस्जिद बन गई। यह 1930 तक मस्जिद ही थी उसके बाद इसे म्यूजियम में तब्दील कर दिया गया। बीच में कुछ समय के लिए इसे बंद किया गया था, लेकिन इसे फिर से टूरिस्ट्स के लिए खोल दिया गया। हालांकि, टूरिस्ट्स के लिए यहां कई नियम और कायदे हैं।

कैसे मिला हागिया सोफिया को उसका नाम?

हागिया सोफिया नाम से इसे पूरी दुनिया जानती है और तुर्की के लोग इसे आया सोफ्या कहते हैं, लेकिन इस इमारत के अलग-अलग नाम थे। हागिया सोफिया नाम सन 430 तक आया ही नहीं था। उससे पहले यह यहां जो चर्च था उसका नाम था मेगाले इक्लेसिया जो लैटिन शब्द था जिसका अर्थ था महान चर्च। लैटिन भाषा में इस इमारत को अभी भी सैंक्टा सोफिया कहा जाता है। हागिया सोफिया नाम ही पहली इमारत के गिरने के बाद आया। कई लोगों को लगता है कि यह इस्लामिक शब्द हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। ये दोनों ही ग्रीक शब्द हैं जिनका मतलब है दिव्य ज्ञान या पवित्र ज्ञान। जिस वक्त यह बिल्डिंग बनकर तैयार हुई उस वक्त भाषा को लेकर भी विकास हो रहा था और तुर्की में यूरोपीय कला आ रही थी। यही कारण है कि इस इमारत का नाम ग्रीक शब्दों पर रखा गया।

16वीं सदी तक दुनिया का सबसे बड़ा चर्च

अपने बनने से लेकर आगे 1000 सालों तक हागिया सोफिया इमारत दुनिया का सबसे बड़ा चर्च रही है। 16वीं सदी में सेविल केथेड्रल बनने के बाद ही यह दूसरे स्थान पर रही है। इसके इतना लोकप्रिय होने के पीछे यह कारण भी है।

हागिया सोफिया के बेहद आलीशान इंटीरियर

अगर आपने हागिया सोफिया को नहीं देखा, तो मैं आपको बता दूं कि इस इमारत में आपको शुरुआत से लेकर अभी तक के कई निशान मिल जाएंगे। जैसे हागिया सोफिया में आपको उस समय के मोजैक मिल जाएंगे जब यह चर्च हुआ करता था। मदर मैरी और बेबी जीसस की कलाकृति, जीजस और उनके अनुयायियों की कलाकृतियां सब कुछ मौजूद हैं जिन्हें किसी तरह से ढक दिया गया था। हागिया सोफिया का इतिहास जितना पुराना है उतना ही खूबसूरत इसका आर्किटेक्चर है। अंदर बहुत ही बड़े झूमर लगे हुए हैं, नीचे प्रार्थना का हॉल इतना बड़ा है कि आपको इसे ठीक से देखने में ही 30 मिनट के ऊपर का समय लग सकता है। इस पूरी इमारत को घूमने में 4-5 घंटे आराम से लग सकते हैं।

टूरिस्ट्स से लिए हैं कई नियम

- टूरिस्ट्स को फुल कपड़े पहन कर जाना होता है। छोटे कपड़े वहां नहीं पहने जा सकते।
- महिलाओं को वहां जाने से पहले अपना सिर ढकना होता है।
- टूरिस्ट्स सिर्फ ऊपर की बालकनी से ही हागिया सोफिया का प्रेयर हॉल देख सकते हैं। हालांकि, मुस्लिम टूरिस्ट्स को नीचे जाने की इजाजत है, लेकिन वहां भी प्रार्थना करने के लिए तुर्की होना बहुत जरूरी है। गैर-मुस्लिम धर्म के लोग नीचे नहीं जा सकते हैं।
- यह प्रार्थना के समय बंद रहता है। अगर आप इसे विजिट करने जा रहे हैं, तो शुक्रवार को ना जाएं क्योंकि उस दौरान प्रार्थना करने वालों की भीड़ भी बहुत ज्यादा होती है।

गर्मियों की छुट्टियां में परिवार के साथ उत्तर प्रदेश की इन जगहों पर जाएं घूमने

गर्मियों की छुट्टियां आमतौर पर यात्रियों के लिए पीक सीजन होता है। गर्मी की छुट्टियों के कारण देश में सस्ते और छोटे पैकेज की मांग बढ़ गई है। कई लोग शहर की गर्मी से बचने के लिए पहाड़ों पर जाना पसंद करते हैं, तो कई लोग समुद्र तट के किनारे दिन बिताना ट्रिप के लिए एक अच्छी जगह मानते हैं। लेकिन कई लोग है, जो गर्मियों की छुट्टियां किसी ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहां उन्हें संस्कृति और खान-पान का एक खास अहसास हो।

उत्तर प्रदेश में घूमने के लिए अच्छी जगह

अगर आप गर्मियों की छुट्टियां उत्तर प्रदेश में बनाना चाहते हैं, तो अयोध्या, वाराणसी, आगरा और मथुरा-वृंदावन जैसी जगहों पर घूमने जा सकते हैं। ये जगहें ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों से भरी हुई है। साथ ही, कम बजट में घूमने गए लोगों के लिए उत्तर प्रदेश एक स्वर्ग के समान है।

उत्तर प्रदेश में 3 दिन का ट्रिप प्लान कैसे बनाएं?

अगर आपको शनिवार और रविवार को ऑफिस में छुट्टी मिलती है, तो आप सोमवार के लिए एक दिन की छुट्टी और ले लें।

आपको यात्रा की शुरुआत शुक्रवार की रात को करना है। आप ऑफिस से निकलने के बाद शुक्रवार की रात ही ट्रेन ले लें। इससे आपकी रात ट्रेन में गुजरेगी और आपका एक दिन भी बर्बाद नहीं होगा।

आप शनिवार की सुबह उत्तर प्रदेश पहुंच जाएंगे। इसके बाद आप होटल जाएं, फ्रेश होकर और थोड़ा आराम करके अपने ट्रिप की शुरुआत करें। आप भारत के किसी भी हिस्से उत्तर प्रदेश जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए ट्रेन सबसे अच्छा साधन है। यह सस्ता होने के साथ-साथ आपके ट्रिप को भी मजेदार बनाएगा। उत्तर प्रदेशी की किसी भी फेमस जगहों तक पहुंचने के लिए आप ट्रेन के स्लीपर कोच में सफर कर सकते हैं। इसके लिए आपको मात्र 500 से 700 रुपये देने होंगे। ट्रेन टिकट बुक करने के बाद दूसरा सबसे बड़ा काम होटल बुक करना है। अगर आप कहीं दूर से सफर करके आ रहे हैं, तो थकान दूर करने के लिए आपको आराम करने की जरूरत होगी। आराम करने के बाद ही आप शहर घूम पाएंगे। इसलिए आप ऑनलाइन ही होटल बुक कर लें। कम बजट में होटल ढूंढना इस तरह आसान है। उत्तर प्रदेश में कम बजट वाले होटल आसानी से मिल जाएंगे।

उत्तर प्रदेश कैसे घूमें?

अगर आप अपने पूरे परिवार के साथ उत्तर प्रदेश घूमने जा रहे हैं, तो आप बस या रिक्शा से घूमने का प्लान बना सकते हैं। यह आपको कैब के मुकाबले अधिक सस्ता पड़ेगा।

महाराष्ट्र में इन शानदार और ऐतिहासिक म्यूजियम को एक्सप्लोर करना आप भी न भूलें

महाराष्ट्र देश का एक प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। इस राज्य की अहमियत इस कदर है कि इसे गेटवे ऑफ द हार्ट ऑफ इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। महाराष्ट्र हर महीने अपने असीमित आकर्षणों की वजह से लाखों पर्यटकों को आमंत्रित करता है। इस खूबसूरत राज्य में स्थित प्राचीन महल, फोर्ट, पैलेस, मंदिरों, गुफाओं और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की वजह से यहां घूमने का एक अलग ही मजा होता है। महाराष्ट्र जिस तरह प्राचीन महल और फोर्ट की वजह से प्रसिद्ध है, ठीक उसी तरह यहां स्थित म्यूजियम भी इस राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूजियम

महाराष्ट्र में स्थित सबसे लोकप्रिय म्यूजियम का नाम कोई लेता है, तो उस लिस्ट में डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूजियम का नाम से सबसे ऊपर जरूर शामिल रहता है। यह म्यूजियम महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित है। इसे साल 1857 में जनता के लिए खोला गया था। डॉ. भाऊ दाजी लाड के बारे में कहा जाता है कि वो एक भारतीय चिकित्सक, संस्कृत विद्वान और पुरातत्ववेत्ता थे। इस म्यूजियम में ब्रिटिश काल की कई वस्तुओं को करीब से देखा जा सकता है। भाऊ दाजी लाड म्यूजियम में मिट्टी के मॉडल, डियोरामा, मानचित्र, लिथोग्राफ, तस्वीरें, दुर्लभ किताबें और लघु चित्र जैसी कई अन्य दुर्लभ चीजें मौजूद हैं।

घूमने का समय : 10 बजे से 5 बजे तक।
नोट : बुधवार को बंद रहता है।

नागपुर सेंट्रल म्यूजियम

महाराष्ट्र का नागपुर एक खूबसूरत शहर है। नागपुर अंबाझरी झील, जापानी गुलाब उद्यान, ड्रैगन पैलेस और रमन विज्ञान केंद्र जैसी शानदार जगहों की मेजबानी करता है। इसी क्रम में यहां स्थित सेंट्रल म्यूजियम भी हर दिन हजारों लोगों की मेजबानी करता है। नागपुर सेंट्रल म्यूजियम को साल 1863 में स्थापित किया गया था। इसे भारत और महाराष्ट्र के सबसे पुराने संग्रहालयों में एक माना जाता है। इस म्यूजियम के बारे में कहा जाता है कि यहां प्रागैतिहासिक से लेकर आधुनिक समय तक डायनासोर के जीवाश्म संरक्षित है। इसके अलावा, इस म्यूजियम में आप प्राचीन वस्तुओं, सिक्कों, शिलालेखों और चित्रों को करीब से देख सकते हैं।

समय : 10 बजे से 5 बजे तक।
टिकट : बड़ों के लिए 10 रुपये और बच्चों के लिए 5 रुपये।

थिबा पैलेस

थिबा पैलेस जिसे कई लोग थिबा पैलेस म्यूजियम के नाम से भी जानते हैं। यह चर्चित म्यूजियम महाराष्ट्र के रत्नागिरी में स्थित है। रत्नागिरी में मौजूद परशुराम मंदिर, सिंभू गणपति मंदिर, जयगढ़ किला और कनकादित्य मंदिर की तरह थिबा पैलेस को एक्सप्लोर करने हर महीने हजारों पर्यटक पहुंचते हैं। थिबा पैलेस का निर्माण 19वीं शताब्दी में किया गया था। यह खूबसूरत पैलेस करीब 20 एकड़ में फैला हुआ है। कहा जाता है कि इस पैलेस में म्यांमार के राजा और रानी भी रह चुके हैं। इस पैलेस की वास्तुकला भी सैलानियों को खूब आकर्षित करती हैं।

समय : 10 बजे से 5 बजे तक।

दीक्षित वाडा म्यूजियम

दीक्षित वाडा के लोकप्रिय म्यूजियम होने के साथ-साथ एक प्रमुख धार्मिक स्थल भी माना जाता है। जी हां, इस म्यूजियम के बारे में कहा जाता है कि यह महान संत साईं बाबा का निवास स्थान से सम्बंधित है। इसलिए यहां हर महीने हजारों साईं बाबा के भक्त घूमने के लिए पहुंचते हैं। दीक्षित वाडा म्यूजियम एक कॉम्पैक्ट म्यूजियम है। कहा जाता है कि इस म्यूजियम में साईं बाबा के जीवन से संबंधित विभिन्न प्रकार वस्तुएं रखी गई हैं। यहां साईं बाबा की श्वेत-श्याम की तस्वीरों का दुर्लभ संग्रह भी मौजूद है। इसके अलावा, यहां उनकी पादुकाएं, पानी के गिलास और खाना पकाने के बर्तन जैसी चीजें भी मौजूद हैं।

समय : 10 बजे से 6 बजे तक।
टिकट : यहां घूमने के लिए कोई टिकट नहीं लगता है।

राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में दिल्ली के युवाओं ने किया संवाद

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में दिल्ली के विभिन्न शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने संवाद किया। ये विद्यार्थी भारत सरकार के ''एक भारत–श्रेष्ठ भारत'' अभियान के ''युवा संगम'' कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर यह अनूठा कार्यक्रम पूरे भारत में लागू किया गया है। जिसमें सभी प्रदेशों के युवा अन्य प्रदेशों में जाकर वहां की संस्कृति को समझते हैं,

खान–पान का जायका लेते है और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हैं। इस कड़ी में दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत युवा छात्र–छात्राओं को छत्तीसगढ़ का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दूसरे दिन ये विद्यार्थी लोकभवन पहुंचे थे। राज्यपाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि डिग्री लेकर निकलने के पश्चात हमें देश व समाज के बारे में सोचना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक आज की सबसे बड़ी चुनौती हैं इससे निपटने के लिए युवाओं को सहयोग करना होगा।

डेका ने कहा कि हमारे जीवनशैली को आधुनिक बनाने में साइंस का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका उपयोग मानवहित में होना चाहिए। आईआईटी जैसे संस्थान देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे शिक्षा संस्थानों पर हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को सहेजने की जिम्मेदारी है। इस तरह के मेल–जोल के कार्यक्रम से व्यक्तित्व का विकास होता है। डेका ने सभी विद्यार्थियों के छत्तीसगढ़ आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि आप दिल्ली की हलचल भरी सड़कों से निकलकर छत्तीसगढ़ की हरी–भरी, वन–संपदा से समृद्ध, आदिवासी परंपराओं और लोक संस्कृति से सराबोर भूमि पर पधारे हैं। यह केवल एक भौगोलिक यात्रा नहीं है। यह भारत की आत्मा को समझने की यात्रा है। यह एक भारत के संकल्प को श्रेष्ठ भारत के स्वप्न में रूपांतरित करने की यात्रा है। हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि यहां एक ही धरती पर सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं। दर्जनों पर्व मनाए जाते हैं, असंख्य परंपराओं के बाद भी हम सब एक हैं। यही विविधता में एकता हमारे गणतंत्र की सच्ची पहचान है।

कार्यक्रम में राज्यपाल डेका से दिल्ली के विद्यार्थियों का वैचारिक आदान–प्रदान हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र विवेक शुक्ला ने सफल राजनेता में क्या गुण होना चाहिए, इस पर प्रश्न किया। डेका ने कहा कि सफल राजनेता में नेतृत्व क्षमता का होना जरूरी है। कुमारी रितिका ने कौशल पर आधारित प्रश्न किया। डेका ने कहा कि आज हर क्षेत्र में अच्छे कौशल की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गया है। उन्होंने एक छात्रा के प्रश्न पर कहा कि सफलता के लिए शॉर्टकट नहीं होता तथा धैर्य नहीं खोना चाहिए। प्रत्येक स्तर पर मानसिक शांति के साथ निर्णय लें।

सीएम साय से केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन स्थित उनके कार्यालय में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा, खनिज क्षेत्र के विस्तार तथा आधारभूत संरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत और सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ में कोयला उत्पादन बढ़ाने, खनन क्षेत्रों में बुनियादी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने, रेल एवं लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी के विस्तार तथा औद्योगिक गतिविधियों को और गति देने के विषय पर विचार–विमर्श किया गया। इसके साथ ही स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन, कोयला गैसीकरण, सौर ऊर्जा विकास तथा खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के माध्यम से निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर भी विशेष चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से के सहयोग से ऊर्जा, खनन एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में राज्य नई संभावनाओं की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करते हुए युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के प्रबंध संचालक रजत बंसल, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्श्वष्टरु) के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक हरीश दुहन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शक्कर कारखानों में मल्टीफील्ड इथेनॉल संयंत्र के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य की सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक खाद, बीज, दवा, बैंकिंग और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं सुलभता से पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य के कृषकों को सशक्त बनाने के लिए सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सहकारी समिति का संचालन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही प्राथमिक कृषि साख समितियों को बहुआयामी स्वरूप प्रदान करने के लिए उन्हें दुग्ध, मत्स्य पालन और लघु वनोपज के कार्यों से सीधे जोड़ा जाए।

मंत्रालय में आयोजित राज्य सहकारी विकास समिति की इस महत्वपूर्ण बैठक में समितियों के गठन, उद्देश्यों और आगामी गई। सहकारी क्षेत्र के अंतर्गत पैक्स सर्विस सेंटर जैसी आवश्यक सुविधाएं ग्रामीण अंचलों में विस्तारित करने पर जोर दिया गया।

उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व के जल स्रोतों में ऊदबिलाव की मौजूदगी

छत्तीसगढ़ में जैव विविधता संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

विश्व ऊदबिलाव दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। गरियाबंद जिले के उदंती– सीतानदी टाइगर रिजर्व के जल स्रोतों में ऊदबिलाव (ओटर) की प्रमाणिक उपस्थिति दर्ज की गई है। यह सफलता प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन तथा वन विभाग एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के संयुक्त शोध प्रयासों से संभव हुई है।

गरियाबंद वनमंडल के डीएफओ वरुण जैन के सहयोग से लगाए गए कैमरा ट्रैप में ऊदबिलाव के स्पष्ट चित्र प्राप्त हुए हैं। इससे यह प्रमाणित हुआ है कि उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व का जलीय पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ है और यह दुर्लभ वन्यजीवों के लिए सुरक्षित आवास बना हुआ है।

स्वस्थ जल स्रोतों के जैव संकेतक हैं ऊदबिलाव

ऊदबिलाव स्वच्छ और सुरक्षित जल स्रोतों में निवास करने वाला संवेदनशील वन्यजीव है। यह नदियों, तालाबों और अन्य मीठे जल स्रोतों की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण जैव संकेतक माना जाता है। इसकी उपस्थिति किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता की समृद्धि को दर्शाती है।

विश्वभर में ऊदबिलाव की 13 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से भारत में तीन यूरेशियन ऊदबिलाव, स्मूद–कोटेड ऊदबिलाव और एशियाई स्मॉल–क्लॉड ऊदबिलाव प्रजातियां पाई जाती हैं। विशेष बात यह है कि छत्तीसगढ़ में इन तीनों प्रजातियों की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है, जो राज्य की समृद्ध जैव विविधता का प्रमाण है।

विश्व ऊदबिलाव दिवस का उद्देश्य

हर वर्ष 27 मई को विश्व ऊदबिलाव दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य ऊदबिलाव प्रजातियों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और उनके सामने मौजूद खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करना है। प्राकृतिक आवास का नुकसान, जल स्रोतों का प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध शिकार एवं तस्करी और मानव–वन्यजीव संघर्ष आदि ऊदबिलाव के लिए प्रमुख खतरे हैं।

छत्तीसगढ़ में संरक्षण के लिए लगातार हो रहा शोध

छत्तीसगढ़ में ऊदबिलाव संरक्षण की दिशा में वर्ष 2021 से निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसके बाद राज्य शासन के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा को ऊदबिलाव पर शोध और संरक्षण अध्ययन का दायित्व सौंपा गया। छत्तीसगढ़ जैव विविधता बोर्ड के नेतृत्व में कोरबा, कांकेर, गरियाबंद और बस्तर संभाग में कैमरा ट्रैप एवं मैदानी अध्ययन के माध्यम से ऊदबिलाव की उपस्थिति, व्यवहार, आवास और प्रजनन संबंधी जानकारी संकलित की जा रही है। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की शोधकर्ता श्रीमती निधि सिंह के नेतृत्व में तैयार अध्ययन रिपोर्ट वन विभाग को सौंपी गई है। अध्ययन से राज्य के विभिन्न जिलों में ऊदबिलाव की उपस्थिति के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

जनजागरूकता से बढ़ी संरक्षण की उम्मीद

वन विभाग और विज्ञान सभा द्वारा स्कूलों, कॉलेजों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव यह है कि अब स्थानीय मछुआरे और ग्रामीण ऊदबिलाव के संरक्षण के प्रति अधिक संवेदनशील हुए हैं तथा कई क्षेत्रों से इनके रेस्क्यू की सूचना स्वयं लोगों द्वारा दी जा रही है। वन विभाग और छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा ने आमजन से अपील की है प्राकृतिक स्थलों पर प्लास्टिक, कांच तथा अन्य अपशिष्ट न फैलाएं। जंगलों में आग लगने की स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना दें। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊदबिलाव का संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं।

कलेक्टर गौरव सिंह ने ली समय-सीमा बैठक

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज आयोजित समय–सीमा बैठक में सुशासन तिहार के लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने जनपद पंचायतों से सिलसिलेवार लंबित प्रकरणों के कारण पूछे तथा त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिन विभागों में निराकरण की गति धीमी है, उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी तीन दिनों में 90 प्रतिशत निराकरण की दिशा में कार्य करने को कहा। बैठक में लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत समय–सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने इस माह सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की पेंशन प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही डेफ अकाउंट्स क्लियर करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से आयुष्मान योजना की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में धान खरीदी की समीक्षा करते हुए उन्होंने पूछा कि कितनी सोसायटियों का धान खरीदी कार्य पूर्ण हो चुका है और कितना शेष है। उन्होंने शेष कार्य कल शाम तक पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में जनगणना से संबंधित कुछ स्थानों की जानकारी दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कलेक्टर डॉ सिंह ने लोक निर्माण विभाग से प्राथमिकता वाली सड़कों की सूची की जानकारी भी ली। इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा एवं दूसरे कार्यालयों के अधिकारीगण वर्चुअल रूप से तथा जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन सहित कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित शासकीय कार्यालयों के जिला स्तरीय अधिकारी भौतिक रूप से शामिल हुए।

रायपुर नगर पालिक निगम

विधायक पुरंदर मिश्रा एवं महापौर मीनल चौबे ने नाला सहित 3 पुलिया शीघ्र बनाने भूमिपूजन कर दी शानदार सौगात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन कमांक 3 अंतर्गत शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड क्रमांक 33 के क्षेत्र अंतर्गत कविता नगर और गीतांजलि नगर में नगर निगम द्वारा लगभग 605 मीटर क्षेत्र में लगभग 7 से 9 फीट चौडा पक्का नाला और साथ में 3 पुलिया का निर्माण कार्य शीघ्र बाढ़ आपदा राहत मद अंतर्गत लगभग 1 करोड 70 लाख की लागत से बनाया जायेगा एवं बारिश में जलभराव की पुरानी समस्या वाले क्षेत्र को शीघ्र जल भराव की समस्या से राहत प्राप्त हो सकेगी।

गीतांजलि नगर पहुंचकर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड कमांक 33 के पार्षद प्रदीप वर्मा, शंकरनगर वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद राजेश गुप्ता सहित नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश साहू एवं

वार्ड 33 क्षेत्र अंतर्गत कविता नगर और गीतांजलि नगर क्षेत्र के रहवासी गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं वरिष्ठ नागरिको नवयुवको, आमजनों की उपस्थिति में श्रीफल फोडकर एवं कुदाल चलाकर लगभग 1 करोड 70 लाख रू. की स्वीकृत लागत से गीतांजलि नगर में बारिश में जल भराव की पुरानी समस्या दूर करने नया चौड़ा नाला और 3 नवीन पुलिया के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन कर रहवासी नागरिको को शानदार सौगात दी । यहां यह उल्लेखनीय है कि गीतांजलि नगर क्षेत्र के लगभग 605 मीटर क्षेत्र में जलभराव की समस्या दूर करने लगभग 7 से 9 फीट चौडा नाला सहित 3 नवीन पुलिया का निर्माण शीघ्र कराया जायेगा। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कार्य का भूमिपूजन कर नाला निर्माण योजना अंतर्गत स्वीकृति अनुसार नाला और 3 पुलिया का तत्काल निर्माण किया जाना प्रारंभ करवाकर सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समय सीमा के भीतर रहवासियों को बारिश में जलभराव की समस्या का निदान करने प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने जोन 3 जोन कमिश्नर कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता को निर्देशित किया। इस अवसर पर कविता नगर और गीतांजलि नगर के प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड पार्षद प्रदीप वर्मा ने कविता नगर और गीतांजलि नगर क्षेत्र के रहवासियों की ओर से वार्ड 33 में बाढ़ आपदा राहत मद से नया चौडा नाला निर्माण करना प्रारंभ करने हेतु रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे को हार्दिक धन्यवाद दिया।

शासकीय संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास, आयुक्त संबित मिश्रा ने स्थल निरीक्षण कर नाराजगी व्यक्त की

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा ने नगर निगम जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क्रमांक 35 अंतर्गत कल्लू गैरेज मौदहापारा के समीप नाला क्षेत्र में शासकीय संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किये जाने की जानकारी पर स्थल निरीक्षण कर गहन नाराजगी व्यक्त की एवं शासन के अधिनियम के अनुसार नियमानुसार प्रक्रिया के तहत संबंधित व्यक्ति पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय को दिये। जोन कमिश्नर ने बताया कि आयुक्त के निर्देश पर प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त सबित मिश्रा ने जोन 7 क्षेत्र अतर्गत तेलघानी नाका नाला क्षेत्र में जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं बारिश पूर्व सघन सफाई करवाकर नाले के क्षेत्र में गंदे पानी का सुगम निकास प्रबंधन करवाने जोन 7 के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आयुक्त ने नगर निगम जोन 10 अंतर्गत

गोदडीवाला नगर नाला महात्मा गांधी वार्ड नाला क्षेत्र में वर्षा पूर्व नाले में तले तक अच्छी तरह सघन सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा को दिये ताकि बारिश पूर्व नाला सफाई की प्रगति का प्रत्यक्ष आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय सहित जोन 2 कार्यपालन अभियता पीडी घृतलहरे, जोन 10 कार्यपालन अभियंता गजाराम कवर, जोन 2 जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया, जोन 10 जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एव अन्य सबंधित जोन 2, जोन 10 के कर्मचारीगणों की स्थल पर उपस्थिति रही।

आठवां जनसमस्या निवारण शिविर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में लगाया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साथ के मार्गदर्शन में नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के विभिन्न 10 स्थानों पर सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों में सुशासन विहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन की प्रशासनिक कार्यवाही प्रगति पर है।

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रायपुर नगर पालिक निगम जोन 7 अंतर्गत वार्ड कमांक 22, 23, 24, 25, 36, 37 एवं 38 क्षेत्र हेतु दिनांक 28 मई 2026 गुरूवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में लगाया जायेगा. इस क्रम में रायपुर ग्रामीण, रायपुर उत्तर एवं धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 9 के वार्ड क्रमांक 7, 8, 9, 10, 11, 32 एवं 51 हेतु 29 मई को गारमेंट फैक्टरी पॉम बेलाजियो के सामने और रायपुर ग्रामीण एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम 50, 52, 53, 54, 55 एवं शिविर का सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का रायपुर नगर पालिकङ्कनिगम क्षेत्र में जोनवार क्रमानुसार आयोजन रखा गया है।

सार्वजनिक नाली में जोडने और कचरा और प्लास्टिक बाहर नाली में पाये जाने सीलबंद करने की कड़ी कार्यवाही की

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

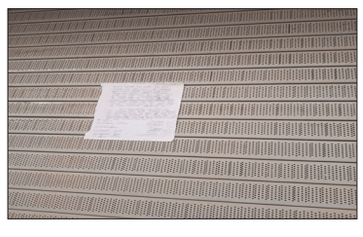

आज टीम प्रहरी अभियान अतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही एवं जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा, निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग स्वच्छता निरीक्षक गिरीजेश तिवारी, स्वच्छता

निरीक्षक यशवंत बेरिहा एवं अन्य संबंधित जोन 10 स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता टीम के कर्मचारियो की उपस्थिति में जोन 10 क्षेत्र अतर्गत पचपेडी नाका में स्थित केएफसी को औचक निरीक्षण जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने किये जाने पर गदगी पाये जाने किचन का पाईप सीधे सार्वजनिक नाली मे जोडा जाना पाये जाने और केएफसी का कचरा और प्लास्टिक बाहर सार्वजनिक नाली में पाये जाने साथ 10 स्वास्थ्य विभाग एवं निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उडनदस्ता की टीम द्वारा कड़ी कार्यवाही कर केएफसी को एसटीपी की व्यवस्था ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अनुसार नही पाये जाने पर तत्काल सीलबंद कर दिया।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए।

पर्यावरण चिंतन : बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत....

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है।

योगेश कुमार गोयल।

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्राय: दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है। आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्राय: देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा।

इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पवितर्न नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

ग्रामीण भारत में जल शासन : "सहभागी जल बजटिंग के जरिए समुदायों का सशक्तीकरण"

भारत में जल संकट केवल संसाधनों की कमी का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास से जुड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ती जनसंख्या, असमान वर्षा वितरण, भूजल दोहन और जलवायु परिवर्तन ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे समय में 'जल बजटिंग' एक प्रभावी और सहभागी समाधान के रूप में उभरकर सामने आई है, जो समुदायों को जल संसाधनों के वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग के लिए सक्षम बना रही है। जल शक्ति मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा संचालित पहलें यह दर्शाती हैं कि यदि स्थानीय समुदायों को जल प्रबंधन में सहभागी बनाया जाए तो जल संकट का दीर्घकालिक समाधान संभव है। अटल भूजल योजना, राष्ट्रीय जल मिशन, जलयुक्त शिवर अभियान और राजस्थान का मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान इसके सफल उदाहरण हैं।

जल संसाधनों पर बढ़ता दबाव : केंद्रीय जल आयोग के अध्ययन के अनुसार भारत में औसतन प्रतिवर्ष लगभग 3880 अरब घन मीटर वर्षा होती है। प्राकृतिक क्षति और वाष्पीकरण के बाद देश में औसत वार्षिक जल उपलब्धता लगभग 1999 अरब घन मीटर आंकी गई है। हालांकि, बढ़ती आबादी के कारण प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है। विश्व की लगभग 17.5 प्रतिशत आबादी और 11.6 प्रतिशत पशुधन भारत में है, जबकि जल संसाधन सीमित हैं। ग्रामीण भारत में उपलब्ध जल का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा कृषि में उपयोग होता है। ऐसे में भूजल स्तर में गिरावट और जल संकट की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है।

क्या है जल बजटिंग : जल बजटिंग का अर्थ किसी गांव, ब्लॉक, जलग्रहण क्षेत्र या जिले में उपलब्ध जल और

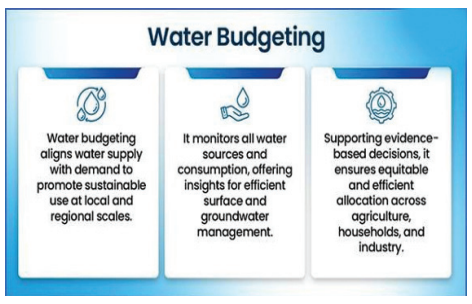

उसकी मांग का वैज्ञानिक आकलन करना है। इसमें वर्षा, भूजल पुनर्भरण, सतही जल, बहाव, वाष्पीकरण और विभिन्न उपयोगों की जल मांग को शामिल किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल गणना तक सीमित नहीं है, बल्कि जल के स्रोतों, मौसमी बदलावों और मानव गतिविधियों के प्रभाव को समझने का माध्यम भी है। इसके आधार पर कृषि, घरेलू उपयोग, पशुपालन और अन्य गतिविधियों के लिए संतुलित जल आवंटन संभव हो पाता है।

कृषि और पशुपालन में सहायक : राष्ट्रीय एकीकृत जल संसाधन विकास आयोग के अनुसार वर्ष 2050 तक सिंचाई के लिए पानी की मांग 807 बिलियन क्यूबिक मीटर तक पहुंच सकती है। ऐसे में जल बजटिंग किसानों को स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप फसल चयन और सिंचाई पद्धति अपनाने में मदद करती है। नाबार्ड समर्थित पहलों से यह स्पष्ट हुआ है कि जल उपलब्धता के अनुसार फसल योजना बनाने से जोखिम कम होता है और उत्पादकता बढ़ती है। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, मल्चिंग और फसल विविधीकरण जैसी तकनीकों को बढ़ावा देकर जल उपयोग दक्षता में सुधार लाया जा रहा है। भारत में पशुधन की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2019 की पशुधन गणना के अनुसार पशुओं की संख्या बढ़कर लगभग 53.6 करोड़ हो गई। इससे पशुओं के लिए पानी और चारे की मांग भी बढ़ी है। जल बजटिंग इन आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखकर समग्र जल प्रबंधन सुनिश्चित करती है।

अटल भूजल योजना से बदली तस्वीर : वर्ष 2019 में शुरू की गई अटल भूजल योजना भूजल संकट वाले सात राज्यों के 229 ब्लॉकों में लागू की गई। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर जल बजट तैयार किए जा रहे हैं और स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण गतिविधियों से जोड़ा गया है। मार्च 2026 तक लगभग 81,700 जल संरक्षण और पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण या जीर्णोद्धार किया जा चुका है। योजना के तहत 8,203 जल बजट तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही 1.25 लाख से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 229 में से 180 ब्लॉकों में भूजल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि सहभागी जल प्रबंधन किस प्रकार सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

हिवरे बाजार बना प्रेरणा मॉडल : हिवरे बाज़ार गांव आज देश में सामुदायिक जल प्रबंधन का सफल उदाहरण बन चुका है। कभी सूखे और जल संकट से जूझने वाला यह गांव अब जल आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गया है। ग्राम सभा स्तर पर वार्षिक जल बजट तैयार कर किसानों को उपलब्ध पानी के अनुसार फसल चयन के लिए प्रेरित किया गया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए गहरे बोरवेल पर प्रतिबंध लगाया गया। वर्षा जल संचयन और जलग्रहण विकास जैसे उपायों ने गांव की तस्वीर बदल दी। इस मॉडल से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने अपनी सूखा-रोधी रणनीति में जल बजटिंग को शामिल किया है और हर वर्ष हजारों गांवों को जल सुरक्षित बनाने का लक्ष्य रखा है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी : राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'नारी शक्ति से जल शक्ति' अभियान महिलाओं को जल संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका दे रहा है। स्वयं सहायता समूहों और ग्राम जल समितियों के माध्यम से महिलाएं जल शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले में जल जीवन मिशन के तहत 1,600 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। महिला नेतृत्व वाली समितियां गांवों में जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान चला रही हैं।

राजस्थान का सामुदायिक मॉडल : राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत 'फोर वाटर्स कॉन्सेप्ट' आधारित जल संरक्षण मॉडल लागू किया गया। इसमें वर्षा जल, भूजल, मिट्टी की नमी और सतही जल के संरक्षण पर जोर दिया गया। ग्राम सभा स्तर पर जल बजटिंग को संस्थागत रूप देने से समुदाय स्वयं जल उपलब्धता का आकलन कर विभिन्न जरूरतों के लिए जल आवंटन तय कर रहे हैं। इस पहल से भूजल स्तर में वृद्धि, मिट्टी की उर्वरता में सुधार और लाखों लोगों तथा पशुओं के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

तकनीक से आसान हुआ जल प्रबंधन : 'वरुणी वेब एप्लीकेशन' जैसी डिजिटल तकनीकें जल बजटिंग को और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बना रही हैं। यह प्लेटफॉर्म वर्षा, फसल पैटर्न, भूमि उपयोग और जनसंख्या से संबंधित सरकारी डेटा का उपयोग कर ब्लॉक स्तर पर जल बजट तैयार करता है। इस तकनीक की सहायता से स्थानीय प्रशासन जल की कमी या अधिकता का सटीक आकलन कर सकता है और आवश्यक कदम उठा सकता है। इससे जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा मिल रहा है।

जलयुक्त शिवर अभियान की सफलता

महाराष्ट्र सरकार का 'जलयुक्त शिवर अभियान' ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्ष 2014 में शुरू किए गए इस अभियान के तहत जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्राम स्तर पर जल बजटिंग को बढ़ावा दिया गया। अभियान के परिणामस्वरूप 11 हजार से अधिक गांवों को सूखा मुक्त घोषित किया गया है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर में 1.5 से 2 मीटर तक वृद्धि दर्ज की गई और कृषि उत्पादकता में 30 से 50 प्रतिशत तक सुधार हुआ है।

सामुदायिक भागीदारी से मजबूत होगा जल भविष्य

जल संकट से निपटने के लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए समुदाय आधारित, डेटा-आधारित और सहभागी दृष्टिकोण आवश्यक है। जल बजटिंग गांवों को अपनी जल आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के बीच संतुलन स्थापित करने की क्षमता प्रदान करती है। हिवरे बाजार जैसे मॉडल और अटल भूजल योजना जैसी पहलकदमियां यह सिद्ध करती हैं कि स्थानीय भागीदारी, नीति समर्थन और तकनीक के समन्वय से जल संकट वाले क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। दीर्घकालिक जल सुरक्षा, कृषि संवहनीयता और ग्रामीण विकास सुनिश्चित करने के लिए जल बजटिंग को ग्राम स्तर से लेकर राष्ट्रीय योजना निर्माण तक संस्थागत रूप देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन : हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी का नया अध्याय

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं। 19 मई 2026 को नॉर्वे की राजधानी ह्यद्यश्र में आयोजित तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने इस साझेदारी को हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास के व्यापक आयामों तक विस्तार देने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह सम्मेलन केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जलवायु परिवर्तन, आर्कटिक नीति, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, रक्षा उत्पादन और प्रतिभा गतिशीलता जैसे भविष्य-निर्धारक विषयों पर भी केंद्रित रहा। भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग की शुरुआत वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से हुई थी। तब से यह संबंध पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। नॉर्डिक देशों की उन्नत तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विशाल बाजार क्षमता, युवा प्रतिभा तथा विनिर्माण शक्ति ने इस सहयोग को नई दिशा दी है।

भारत की आर्कटिक नीति भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारतीय मानसून, कृषि, जल सुरक्षा और समुद्री तटीय क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी कारण भारत ने अपनी आर्कटिक नीति 'भारत और आर्कटिक: सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण' के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरण

संरक्षण, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता दी है। नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ता सहयोग इस नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है।

व्यापार और निवेश में लगातार विस्तार : नॉर्डिक देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। Denmark के साथ भारत का वस्तु व्यापार 2025 में 2 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया, जबकि सेवाओं का व्यापार 4.25 अरब डॉलर तक पहुंचा। डेनमार्क की लगभग 200 कंपनियां भारत में नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरी विकास और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वहीं भारतीय कंपनियां भी आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही हैं। Finland के साथ तकनीकी और नवाचार आधारित सहयोग तेजी से बढ़ा है। फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय निवेश भी लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक, 6जी अनुसंधान और स्टार्ट-अप सहयोग इस संबंध का प्रमुख आधार बन रहे हैं। Iceland के साथ भारत ने भूतापीय ऊर्जा, मत्स्य पालन और आर्कटिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। वहीं Norway के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और आर्कटिक सहयोग को नई गति मिली है। नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल द्वारा भारतीय पूंजी बाजार में लगभग 28 अरब डॉलर का निवेश इस बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। Sweden के साथ भारत का व्यापार लगभग 7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। स्वीडन की 280 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी वहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। रक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल तकनीक दोनों देशों के सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

सॉफ्ट पावर बना संबंधों की मजबूती का आधार : भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, संगीत, नृत्य और भारतीय त्योहारों ने नॉर्डिक समाज में विशेष स्थान बनाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे के शहरों में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। 'नमस्ते स्टॉकहोम' जैसे सांस्कृतिक आयोजन हजारों लोगों को आकर्षित करते हैं। इन देशों में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत सांस्कृतिक पुल का कार्य किया है। स्वीडन में लगभग 88 हजार, फिनलैंड में 33 हजार और नॉर्वे में 30 हजार भारतीय समुदाय आर्थिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी : तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम 'भारत-नॉर्डिक हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी' के रूप में सामने आया। इस पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, डिजिटल अवसंरचना, सतत विनिर्माण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। यह साझेदारी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, हरित रोजगार सृजित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अतिरिक्त जल प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण में नॉर्डिक विशेषज्ञता भारत के शहरी और औद्योगिक विकास को टिकाऊ बनाने में सहायक होगी।

नई वैश्विक साझेदारी का उभरता मॉडल : भारत और नॉर्डिक देशों के बीच विकसित हो रही यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर सतत विकास, हरित अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग का एक नया मॉडल बनकर उभर रही है। भारत की विशाल क्षमता और नॉर्डिक देशों की नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था मिलकर भविष्य की ऐसी साझेदारी का निर्माण कर रही हैं, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में यह संबंध व्यापारिक सहयोग से आगे बढ़कर वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित होगा। हरित प्रौद्योगिकी, डिजिटल नवाचार और मानव-केंद्रित विकास के क्षेत्र में यह गठबंधन आने वाले समय में विश्व व्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

अनुसंधान, शिक्षा और तकनीकी सहयोग

एसटीईएम शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार हैं। भारत और नॉर्डिक देशों ने अगली पीढ़ी की संचार तकनीकों, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य-तकनीक और ध्रुवीय अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। इससे भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं को वैश्विक अनुसंधान वातावरण में अधिक अवसर मिलेंगे। 6जी तकनीक और डिजिटल अवसंरचना पर संयुक्त अनुसंधान भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होगा। साथ ही, यह तकनीकी हस्तांतरण और नवाचार आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगा।

समुद्री और रक्षा सहयोग को नई दिशा

सामुद्रिक अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा भी भारत-नॉर्डिक सहयोग का उभरता हुआ क्षेत्र है। समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग, समुद्री संपर्क और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति ने नॉर्डिक देशों के साथ रक्षा उत्पादन और तकनीकी सहयोग के नए अवसर खोले हैं। इससे घरेलू रक्षा उत्पादन, अनुसंधान और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में अनुपयोगी सरकारी जमीनों का होगा कायाकल्प- तैयार होगी रिडेव्हलपमेंट कार्ययोजना

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में शासकीय विभागों, निगम–मंडलों, कंपनियों और बोर्डों के स्वामित्व वाली अनुपयोगी व खाली जमीनों के व्यवस्थित विकास और सदुपयोग के लिए एक व्यापक रिडेव्हलपमेंट कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर आज मंत्रालय (महानदी भवन) में मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और जिला कलेक्टरों से चिन्हित की गई भूमियों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कहा कि वर्तमान में अनुपयोगी पड़ी सरकारी जमीनों से न तो शासन को कोई आय हो रही है और न ही जनता को इसका लाभ मिल रहा है। इस रिडेव्हलपमेंट योजना से जहां शहरों को एक नियोजित विकास मिलेगा, वहीं शासकीय परिसंपत्तियों का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाएगा।

विभागों, निगम-मंडलों और बोर्ड की खाली जमीनों का होगा व्यवस्थित विकास, बनेगा डिजिटल लैंड बैंक

डिजिटल लैंड बैंक और जीआईएस मैपिंग से होगी निगरानी

बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्षों से खाली पड़ी या अतिक्रमण की आशंका वाली सरकारी जमीनों को चिन्हित कर उनका व्यावसायिक व जनहित में बेहतर उपयोग किया जाएगा। शासकीय विभागों के अंतर्गत आने वाली सभी खाली जमीनों का एक केंद्रीय डिजिटल लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। मैपिंग के जरिए हर प्लॉट की सटीक लोकेशन, रकबा (क्षेत्रफल) और वर्तमान स्थिति का डेटा जीआईएस (त्वद्धस्) मैपिंग ऑनलाइन दर्ज होगा। शहरों में प्राइम लोकेशन पर स्थित खाली जमीनों पर आवासीय योजनाएं, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, पार्किंग और नए सरकारी कार्यालय बनाए जाएंगे। बड़ी जमीनों के विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अपनाया जाएगा, जिससे शासन को राजस्व भी मिलेगा। बड़ी जमीनों के विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अपनाया जाएगा, जिससे शासन को राजस्व भी मिलेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों का विकास

ग्रामीण इलाकों की जमीनों पर कृषि, उद्यानिकी, आधुनिक वेयरहाउस या कौशल विकास केंद्र (Skill Development Centers) प्रस्तावित किए जाएंगे। बड़ी जमीनों के सुनियोजित विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अपनाया जाएगा, जिससे शासन को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी।

भीषण गर्मी में सतर्कता और संवेदनशीलता बरतें, जरूरतमंदों का सहारा बनें - सीएम साय

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सहित देश के अनेक हिस्सों में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रदेशवासियों से सतर्कता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ इस चुनौतीपूर्ण समय का सामना करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि अत्यधिक गर्मी के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के साथ–साथ अपने आसपास के लोगों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से पर्याप्त पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने तथा अनावश्यक रूप से तेज धूप में जाने से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि छोटी–सी सावधानी स्वयं और परिवार को सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि संभव हो तो घर, दुकान, कार्यालय अथवा सार्वजनिक स्थानों के आसपास राहगीरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था अवश्य की जाए, क्योंकि संवेदना का यह छोटा प्रयास किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए राहत और संबल बन सकता है।

तेन्दूपत्ता संग्रहण में छत्तीसगढ़ ने बनाया नया रिकॉर्ड, 13 लाख मानक बोरा संग्रहित

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ ने तेन्दूपत्ता संग्रहण (वनोपज) में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए तेरह लाख से अधिक आदिवासी और वनवासी परिवारों की आय में भारी वृद्धि की है। राज्य सरकार द्वारा संग्रहण दर 5500 प्रति मानक बोरा से संग्राहकों के खातों में करोड़ों रुपये का सीधा भुगतान सुनिश्चित किया गया है। वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता संग्रहण अभियान में 24 मई 2026 तक राज्य के छहों वृतों में कुल 13 लाख 52 हजार 248.343 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है। जंगलों में श्हरा सोना कहे जाने वाले इस पत्ते को बीनकर आजीविका चलाने वाली महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की वनोपज आधारित योजनाओं का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। यह उपलब्धि वनांचल के संग्राहकों की मेहनत और राज्य सरकार की प्रभावी वनोपज प्रबंधन नीति का परिणाम है। तेन्दूपत्ता संग्रहण से हजारों वन आश्रित परिवारों को रोजगार और आय का महत्वपूर्ण साधन प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य, समय पर भुगतान और बोनस जैसी सुविधाओं के माध्यम से संग्राहकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

'बिलासपुर वृत रहा सबसे आगे'

संग्रहण के आंकड़ों के अनुसार बिलासपुर वृत ने सर्वाधिक 3 लाख 03 हजार 191.770 मानक बोरा संग्रहण दर्ज किया है। इसके अंतर्गत रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और मरवाही क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

'सरगुजा वृत दूसरे स्थान पर'

सरगुजा वृत में कुल 2 लाख 98 हजार 200.456 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित किया गया। बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, सरगुजा और जशपुर क्षेत्र में संग्रहण कार्य उल्लेखनीय रहा।

'कांकेर और रायपुर वृत का उत्कृष्ट प्रदर्शन'

कांकेर वृत में 2 लाख 24 हजार 817.540 मानक बोरा तथा रायपुर वृत में एक लाख 92 हजार 088.675 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित किया गया। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र और रायपुर वृत के गरियाबंद तथा महासमुंद क्षेत्रों का विशेष योगदान रहा।

'जगदलपुर वृत में वनांचल का मजबूत योगदान'

जगदलपुर वृत में कुल एक लाख 74 हजार 392.028 मानक बोरा संग्रहण दर्ज किया गया। इसमें सुकमा और बीजापुर जिलों का प्रमुख योगदान रहा, जो बस्तर संभाग की मजबूत वनोपज क्षमता को दर्शाता है।

'दुर्ग वृत में भी अच्छा संग्रहण'

दुर्ग वृत में एक लाख 59 हजार 557.874 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित हुआ। राजनांदगांव, कवर्धा, खैरागढ़ और बालोद क्षेत्रों में संग्रहण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

'वनोपज आधारित आजीविका को मिल रही मजबूती'

राज्य के 900 से अधिक प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से 13 लाख से ज्यादा संग्राहक सीधे इस आर्थिक चक्र से जुड़े हैं। राज्य सरकार की शासकीय योजनाओं के तहत तेन्दूपत्ता संग्रहण को ग्रामीण और वनाश्रित परिवारों की आजीविका सशक्त करने के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। इससे न केवल स्थानीय रोजगार बढ़ा है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, संग्रहण कार्य को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि संग्राहकों को समय पर भुगतान और अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

खरीफ सीजन से पहले प्रशासन का बड़ा एक्शन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

खरीफ सीजन की तैयारी के बीच छत्तीसगढ़ में उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर कार्रवाई करते हुए बलरामपुर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई में 1150 बोरी अवैध यूरिया जब्त कर गोदाम सील कर दिया है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिलेभर में उर्वरकों के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने विकासखंड बलरामपुर के ग्राम जरहाडीह स्थित आदर्श सेवा कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान गोदाम में लगभग 1150 बोरी यूरिया अवैध रूप से भंडारित पाई गई। संबंधित संचालक से उर्वरक भंडारण संबंधी वैध दस्तावेज, अनुमति एवं लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन संतोषजनक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके। प्राथमिक जांच में अनियमितता पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोदाम को सील कर दिया।

जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को किसानों के हितों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि खरीफ सीजन में किसानों को खाद–बीज की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा और जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

झुग्गी की तंग गलियों से शोध के सपनों तक : श्रवण बाधित सुश्री पूजा साहू को मिला नई जिंदगी का सहारा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सपनों की कोई आवाज नहीं होती, लेकिन उन्हें पूरा करने का हौसला हर मुश्किल से बड़ा होता है।गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही जिला के वार्ड क्रमांक 1 सिंचाई कॉलोनी सारबहरा स्मृति वाटिका गौरेला की झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाली 75 प्रतिशत श्रवण बाधित सुश्री पूजा साहू ने अपने संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, दृढ़ इच्छाशक्ति इंसान को मंजिल तक पहुंचा ही देती है। आर्थिक अभाव, सुनने में कठिनाई और सीमित संसाधनों के बीच भी सुश्री पूजा ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार पढ़ाई जारी रखी और नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने भीतर उच्च शिक्षा हासिल करने का सपना जीवित रखा। उनका लक्ष्य पीएचडी कर शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाना है। लेकिन श्रवण संबंधी समस्या और आर्थिक कठिनाइयां उनके रास्ते की बड़ी बाधा थीं।

अपने सपनों को नई ताकत देने की उम्मीद लेकर सुश्री पूजा समाज कल्याण विभाग पहुंचीं। उनकी स्थिति और संघर्ष को समझते हुए जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग, गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही द्वारा 26 मई 2026 को उन्हें 2 नग डिजिटल श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। श्रवण यंत्र मिलते ही सुश्री पूजा के चेहरे पर आत्मविश्वास और खुशी की चमक साफ दिखाई दी। अब वे अपनी पढ़ाई, संवाद और शोध कार्य को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकेंगी। समाज कल्याण विभाग ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सुश्री पूजा को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी अहम पहल की। उन्हें अशासकीय समाजसेवी संस्था 'प्रगति सेवा संस्था' में सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर नियुक्त किया गया है, जहां उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपये मानदेय प्राप्त होगा। यह रोजगार उनके लिए आर्थिक संबल के साथ–साथ आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बनेगा।

भावुक होकर सुश्री पूजा साहू ने समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए किसी नए जीवन से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि अब वे अपने सपनों को पूरा करने के साथ समाज के अन्य दिव्यांगजनों के लिए भी प्रेरणा बनना चाहती हैं।

सुश्री पूजा की यह कहानी केवल एक दिव्यांग बेटी की सफलता नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशील योजनाओं और मानवीय पहल का जीवंत उदाहरण है, जो जरूरतमंदों के जीवन में नई उम्मीद और नया विश्वास जगा रही हैं।

नि:शुल्क योग एवं बाल संस्कार शिविर का सफल शुभारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय योग संस्थान दिल्ली की रायपुर शाखा भैरव सोसाइटी योग परिवार में आयोजित पाँच दिवसीय नि:शुल्क योग एवं बाल संस्कार शिविर का आज उत्साहपूर्ण वातावरण में सफल शुभारंभ हुआ। शिविर के प्रथम दिवस में बड़ी संख्या में बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने सहभागिता कर योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति अपनी रुचि दिखाई।

विशेष रूप से बच्चों के लिए आयोजित इस शिविर मे बच्चों को जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास कैसे हो?

के साथ ही यह बताया गया कि किस प्रकार योग, प्राणायाम एवं ध्यान के माध्यम से विद्यार्थी अपने जीवन को सफल, स्वस्थ एवं ऊर्जावान बना सकते हैं।

शिविर में बच्चों को सरल एवं उपयोगी योगासन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ध्यान एवं मनोरंजक योग गतिविधियों का अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षकों ने बच्चों को मोबाइल एवं अत्यधिक स्क्रीन टाइम से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें खेल, योग, संगीत, ध्यान एवं सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित किया। पूरे दो घंटे तक बच्चे उत्साह एवं आनंद के साथ शिविर से जुड़े रहे।

इस अवसर पर बच्चों एवं अभिभावकों को संतुलित आहार, पौष्टिक भोजन एवं सही दिनचर्या के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। बच्चों को जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक एवं अत्यधिक पैकेट फूड से बचने तथा फल, सलाद, अंकुरित आहार, दूध एवं पौष्टिक भोजन अपनाने की प्रेरणा दी गई।

शिविर में भारतीय योग संस्थान के प्रांत प्रधान मुकेश सोनी सहित राजेश डागा, राजेश अग्रवाल, के.आर. साहू, श्रीमती कांति लुनिया, सुदेशना मेने, अंजू जैन, संदीप सूर्यवंशी ,सुषमा साहू, आंचल जैन गुंजन पांडे, प्रिया लूनिया आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समूह से मिले सहयोग से स्वरोजगार से मिली आत्मनिर्भरता-उमा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मछली पालन और छोटे व्यवसायों ने ग्रामीण भारत, विशेषकर छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों की महिलाओं को स्वरोजगार और शानदार सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इस क्षेत्र में सही जानकारी, प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं के जरिए महिलाएं और युवा आर्थिक रूप से मजबूत होकर दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं।

कलेक्टर बलरामपुर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है।

जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम महाराजगंज की निवासी एवं गुलाब महिला स्व–सहायता समूह की सदस्य उमा सिंह आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। समूह से जुड़ने के बाद उमा ने चक्रीय निधि, सामुदायिक निवेश कोष तथा बैंक लिंकेज के माध्यम से कुल 85 हजार रुपये का ऋण लिया। इस राशि का उपयोग उन्होंने खेती, मत्स्य पालन और छोटे व्यवसाय को विकसित करने में किया।

लखपति दीदी के रूप में पहचान

उमा ने 2.5 एकड़ भूमि में धान एवं 1.5 एकड़ में मक्का की खेती की। साथ ही अपनी डबरी में मछली बीज डालकर मत्स्य पालन शुरू किया। कृषि कार्यों के अलावा वे प्रतिदिन शाम को महाराजगंज चौक में चना–चाट की दुकान भी संचालित करती हैं, जिससे उन्हें नियमित अतिरिक्त आय प्राप्त होती है और इस वर्ष उन्होंने धान बिक्री से 1 लाख 42 हजार रुपये, मक्का से 16 हजार रुपये तथा मत्स्य पालन से 20 हजार रुपये की आय अर्जित की। विविध आजीविका गतिविधियों के जरिए वे अब गांव में लखपति दीदी के रूप में पहचान बना रही हैं। उमा सिंह की सफलता से प्रेरित होकर आसपास के गांवों की अन्य महिलाएं भी स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर उन्नत खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं सूक्ष्म व्यवसाय अपनाने के लिए आगे आ रही हैं। इस पहल से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के साथ–साथ गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

11 जून से आमरण अनशन करेंगे आप नेता उत्तम जायसवाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में डी.एड. अभ्यर्थियों की नियुक्ति का मुद्दा अब और गंभीर रूप लेता जा रहा है। नियुक्ति की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों के समर्थन में आम आदमी पार्टी ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है। पार्टी नेता उत्तम जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर कहा है कि यदि 10 जून तक पात्र डी.एड. अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी गई, तो वे 11 जून से आमरण अनशन शुरू करेंगे।

153 दिनों से जारी है आंदोलन

पत्र में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में डी.एड. महिला और पुरुष अभ्यर्थियों के लगभग 2300 सहायक शिक्षक पद रिक्त हैं। इनमें से करीब 1600 पद आदिवासी महिला और पुरुष अभ्यर्थियों से जुड़े बताए गए हैं। अभ्यर्थी पिछले 153 दिनों से रायपुर के तूता धरना स्थल पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि वे अपने अधिकार और न्याय की मांग कर रहे हैं। लंबे समय से नियुक्ति नहीं मिलने के कारण वे मानसिक, आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहे हैं।

कोर्ट के आदेशों के बावजूद नियुक्ति नहीं: जायसवाल

उत्तम जायसवाल ने अपने पत्र में दावा किया है कि माननीय उच्च न्यायालय और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद राज्य सरकार ने अब तक डी.एड. अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी है। उन्होंने इसे अभ्यर्थियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय बताया। उन्होंने कहा कि सरकार को न्यायालयों के आदेशों का सम्मान करते हुए जल्द से जल्द पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देनी चाहिए।

गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने का भी आरोप

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि आंदोलनरत अभ्यर्थियों की आवाज को दबाने के लिए उन्हें कई बार गिरफ्तार किया गया। उन्हें तीन बार जेल भेजा गया और चार दिनों तक हिरासत में रखा गया। इसके बावजूद अभ्यर्थियों ने अपना संघर्ष नहीं छोड़ा और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखा। जायसवाल ने कहा कि अभ्यर्थियों को अब भी उम्मीद है कि सरकार उनके भविष्य को लेकर सकारात्मक निर्णय लेगी।

की मानसिक स्थिति को लेकर कारण कई अभ्यर्थी निराशा में हैं। कुछ अभ्यर्थी आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठाने की स्थिति तक पहुंच रहे हैं।

पाली में चमगादड़ों की मृत्यु का कारण बीमारी नहीं, अत्यधिक गर्मी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कोरबा जिले के नगर पंचायत पाली क्षेत्र स्थित नौकोनिया तालाब के समीप प्रवासी चमगादड़ों की मृत्यु को लेकर सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों पर प्रसारित हो रही भ्रामक व चिंताजनक खबरों का जिला प्रशासन और पशुधन विकास विभाग ने कड़ा खंडन किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की महामारी या संक्रामक बीमारी फैलने की अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं।

जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट हीट स्ट्रोक है मुख्य कारण

पशुधन विकास विभाग द्वारा जारी आधिकारिक प्रतिवेदन के अनुसार विगत तीन दिनों के दौरान क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण लगभग 200 चमगादड़ों की मृत्यु हुई है। मृत चमगादड़ों के किए गए प्रारंभिक शव परीक्षण में प्रथम दृष्टया अत्यधिक तापमान को ही मृत्यु का मुख्य कारण माना गया है। किसी भी अज्ञात वायरस या संक्रमण के लक्षण नहीं पाए गए हैं।

सुरक्षात्मक कदम और एसओपी का पालन

विभागीय अधिकारियों ने वस्तुस्थिति स्पष्ट की है कि घटना की सूचना मिलते ही पशुधन विकास विभाग और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर मोर्चा संभाल लिया था। सभी मृत चमगादड़ों को सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विधिवत दफनाया जा चुका है, जिससे संक्रमण का कोई खतरा नहीं है। विस्तृत और वैज्ञानिक पुष्टि के लिए आवश्यक नमूने एकत्र कर वन विभाग के माध्यम से फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं। वर्तमान में चमगादड़ों की मृत्यु दर में भारी कमी आई है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। वन अमला और पशु चिकित्सा दल लगातार क्षेत्र में मुस्तैद हैं।

जिला प्रशासन की अपील– अफवाहों पर ध्यान न दें

नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस घटना को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों या अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें साझा कर डर का माहौल पैदा करें।

स्थिति पूरी तरह सामान्य है। जिला प्रशासन ने स्थानीय जनता से अपील की है कि यदि क्षेत्र में किसी भी वन्यजीव की असामान्य गतिविधि या मृत्यु दिखाई देती है, तो उसकी सूचना तुरंत सीधे नियंत्रण कक्ष या संबंधित विभाग को दें, ताकि त्वरित वैज्ञानिक कार्रवाई की जा सके।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

खेल, कला और संस्कृति में बीजापुर के नौनिहालों ने बिखेरा हुनर

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बीजापुर, 26 मई। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक शिविर का समापन रंगारंग प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। समापन समारोह में बच्चों की अद्भुत प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता ने सभी अतिथियों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि बीजापुर जिले के बच्चों में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान बच्चों ने जिस लगन और उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा समापन अवसर पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, वह अत्यंत प्रेरणादायक और सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास और मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही उन्होंने शिक्षा विभाग, ट्राइबल विभाग और खेल विभाग की टीमों द्वारा किए गए समर्पित प्रयासों की भी प्रशंसा की। 11 से 25 मई तक आयोजित इस ग्रीष्मकालीन शिविर में खेल गतिविधियों के अंतर्गत फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, सॉफ्टबॉल, तीरंदाजी, स्वीमिंग और एथलेटिक्स का आवासीय प्रशिक्षण बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के प्रशिक्षकों द्वारा लगभग 300 बच्चों को प्रदान किया गया। वहीं सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के अंतर्गत म्यूजिक, डांस, आर्ट, क्राफ्ट और पेंटिंग का प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में स्थानीय प्रशिक्षकों के माध्यम से 300 बच्चों को दिया गया। समापन समारोह में प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स, सॉफ्ट टॉयज, मांडला आर्ट एवं अन्य कलाकृतियों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे अतिथियों और दर्शकों ने खूब सराहा। इसके साथ ही म्यूजिक, डांस और खेल प्रतिभागियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान, एसडीएम जागेश्वर कौशल, डिप्टी कलेक्टर उत्तम पंचारी, डीईओ लखन लाल धनेलिया, सहायक आयुक्त देवेंद्र सिंह पाटले सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं दर्शक उपस्थित रहे।

जमीन बिक्री की राशि हड़पने बुजुर्ग की हत्या, सरपंच सहित 4 बंदी

कांकेर, (प्रतिदिन राजधानी)

कांकेर जिले के नरहरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौकी हलबा पुलिस ने जमीन बिक्री की रकम हड़पने और धोखाधड़ी को छुपाने के लिए एक बुजुर्ग की जहर देकर हत्या करने के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस आपराधिक षडयंत्र में शामिल ग्राम डूमरपानी के सरपंच सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला जमीन के सौदे में हुई धोखाधड़ी से जुड़ा है। मृतक मिलन पटेल (75 वर्ष, निवासी डुमरपानी) ने अप्रैल 2025 में अपनी जमीन 16 लाख 50 हजार रुपये में बेची थी। इस सौदे में ग्राम सरपंच कंशराम नेताम, सोनाराम सिन्हा और बिहारी लाल शोरी गवाह व सहयोगी के रूप में शामिल थे।

आरोपियों ने जमीन की वास्तविक कीमत मृतक और उसके परिजनों से छुपाकर राशि में हेरफेर किया और खरीदार द्वारा दिया गया चेक भी सरपंच ने अपने पास रख लिया था। बाद में शिकायत होने पर चेक मृतक की बेटी को सौंपा गया।

जब मृतक की बेटी को इस हेरफेर की भनक लगी और उसने गांव में बैठक बुलाने का निर्णय लिया, तो सरपंच कंशराम नेताम को अपना कृत्य उजागर होने का डर सताने लगा। इसके बाद उसने मिलन पटेल की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि 27 जुलाई 2025 को सरपंच कंशराम नेताम ने अपने साथी बिहारी लाल और सोनाराम की उपस्थिति में गांव के ही वतन पटेल को 10,000 रुपये नगद, दो पौवा शराब और जहर की डिब्बी देकर मिलन पटेल को जान से मारने का काम सौंपा।

योजना के मुताबिक, वतन पटेल ने मिलन पटेल के घर जाकर शराब में जहर मिलाकर उन्हें पिला दिया।

सीपीआई का प्रदर्शन, राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम सौंपा

कोण्डागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) जिला परिषद कोण्डागांव द्वारा क्षेत्र की विभिन्न स्थानीय व राष्ट्रीय समस्याओं को लेकर अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) कोण्डागांव के माध्यम से राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम 6 मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, जिले के मजदूर, किसान, बेरोजगार और ग्रामीण जनप्रतिनिधि कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और इसकी उपलब्धता में कमी के कारण कृषि लागत बढ़ रही है, जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रसोई गैस, ईंधन और दैनिक उपभोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने से गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट बिगड़ गया है। वहीं शिक्षित युवाओं को रोजगार न मिलने से मानसिक व आर्थिक संकट गहरा गया है। शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध न कराए जाने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य रुके पड़े हैं। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यदि इन मांगों को गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लेकर जल्द पूरा नहीं किया गया, तो सीपीआई उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान सीपीआई बस्तर संभाग संयोजक एवं राज्य सचिव मंडल सदस्य तिलक पाण्डे, जिला सचिव शैलेष, सह-सचिव दिनेश व जयप्रकाश, बिसम्बर, दुबेश, रामचंद्र, मानसिंह और सोमनाथ सहित कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन 550 बच्चों ने विभिन्न खेल व रचनात्मक

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 1 मई से 25 मई तक आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को चौपाटी स्थित आदिवासी विश्रामगृह में समापन हुआ। 25 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के 537 बच्चों ने विभिन्न खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में सीनियर एवं जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों को फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, जूडो, कराते, तीरंदाजी, स्वीमिंग, कैरम एवं शतरंज सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण अनुभवी खेल प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया गया। इसके साथ ही बच्चों को उनकी रुचि के अनुरूप रचनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा गया। समापन कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने कबाड़ से जुगाड़ की अवधारणा पर आधारित नवाचारों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों द्वारा डीसी मोटर की कार्य प्रणाली, होलोग्राम, पेरिस्कोप, चित्रकला, मेहंदी, टेराकोटा उत्पाद निर्माण, गीत-संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने कहा कि ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर बच्चों की प्रतिभा को निखारने का एक उत्कृष्ट मंच है। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता को विकसित नहीं करते।

जिला अस्पताल में बनेंगे दिव्यांग प्रमाण पत्र - यूडीआईडी कार्ड

दंतेवाड़ा, (प्रतिदिन राजधानी)

26 मई। जिले में दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण, यूडीआईडी कार्ड निर्माण एवं नवीनीकरण का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। यह कार्य प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जिला अस्पताल दंतेवाड़ा के रूम नंबर 77, जेडीएस शाखा, मेडिकल बोर्ड, प्रथम तल में प्रात: 10 से दोपहर 01 बजे तक किया जाएगा।

समाज कल्याण विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि ऐसे दिव्यांगजन जिनका अभी तक दिव्यांगता प्रमाण पत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड नहीं बना है, या जिनके पास पुराने दिव्यांगता प्रमाण पत्र हैं और वे उसका नवीनीकरण कराना चाहते हैं, वे निर्धारित दिवस पर उपस्थित होकर सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

इस दौरान जिले के सभी दिव्यांगजनों का प्रमाणीकरण एवं पूर्व में जारी प्रमाण पत्रों का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके लिए दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड निर्माण, नवीनीकरण हेतु आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, पुराना दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि उपलब्ध हो), आधार से लिंक मोबाइल नंबर जिसमें ओटीपी प्राप्त होता हो तथा दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला फोटोग्राफ साथ लाना अनिवार्य होगा। यदि आधार से लिंक मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है, तो संबंधित हितग्राही को पूर्व में आधार केंद्र जाकर मोबाइल नंबर अपडेट कराने की सलाह दी गई है।

देवेंद्र यादव ने नीट की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से मिलकर जानी पीड़ा

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

नीट एग्जामिनेशन में पेपर लीक, में जो धांधली हो रही है। उसे लेकर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सरकार के खिलाफ बड़ा सवाल उठाया उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग भी की है।

विधायक ने बताया कि वे सोमवार को एक संस्थान में गए थे। जहां नीट की तैयारी कराई जाती है। वहां के छात्र-छात्राओं से मिले। उनका हालचाल जाना। छात्रों ने भी बारी-बारी से अपनी पीड़ा बताई। जिसे विधायक देवेंद यादव ने वीडियो बनाकर शेयर किया है। उन्हों ने बताया कि एक छात्र ने उनसे कहा कि भइया उसे पूरा आत्मविश्वासन था कि वह नीट एग्जाम बहुत अच्छे से पास कर लेगा। लेकिन जैसे ही उसे पता चला पेपर लीक का मामला रि-एग्जामिनेशन का मामला तो उनके साथ बड़ी ट्रेजडी हो गई। मैंने जब पूछा अभी क्या कर रहे हो तो उसने कहा कि वो मोमेंटम टूट गया। परिवार ने कहा कि कोई बात नहीं फिर से तैयारी कर लो। तो उसने बताया कि मन ही नहीं लग रहा है। पहले वे 15 से 18 घंटे पढ़ता था। जमकर मेहनत कर रहा था, लेकिन अब वैसा मन ही नहीं लग रहा है।

एक छात्र ने बताया कि उसके माता पिता ने जमीन बेचकर उसके कोचिंग की फीस भरी थी। भिलाई जैसे शहर में पढ़ने के लिए भेजा था, ताकि उसका कॅरियर बने। लेकिन अब

केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

पेपर ही लीक हो गया। अब न तो उसका कोचिंग का फीस वापस होगा और न ही अब उसके पास फिर से परीक्षा देने और तैयारी करके लिए पैसे नहीं बचे। जो थे, वह पूरा खर्च हो गया। अब उसके पास कोई सुविधा संसाधन नहीं है। वह छात्र पूरी तरह से निशार और उम्मीद आत्मविश्वास खो चुका है।

उन्होंने कहा कि मैं देश की सरकार से अपील करता हूं साफ शब्दों में कहता हूं कि युवा उन्हे देख रही है। जिनके माध्यम से पेपर लीक हुआ है। उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाया जा रहा है। सिर्फ एक दो लोगों को पकड़ कर खानापूर्ति कर रहे हैं। इससे युवाओं में आक्रोश है। वे डरे हुए कि वे फिर 18-18 घंटे पढ़ेंगे मेहनत करेंगे और फिर पेपर लीक हो जाएगा। इसलिए केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए और सभी जिम्मेदारी अधिकारी-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए।

आयुक्त ने आकाशगंगा, दक्षिण गंगोत्री व प्रियदर्शिनी परिसर का किया निरीक्षण

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सोमवार को जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत साफ-सफाई, अवैध निर्माण, सड़क बाधा, पानी निकासी, आश्रय स्थल एवं खेल परिसर का बारिकी से निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने निर्देशित किये हैं।

निगम आयुक्त, जोन आयुक्त के साथ सुपेला घड़ी चौक से निरीक्षण प्रारंभ किये। निगम आयुक्त नाराजगी व्यक्त करते हुए सुपेला चौक पर लेफ्ट फी के कार्य को प्रगति लाने कहा है, जिससे नागरिकों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस कार्य से वायु प्रदूषण मुक्ति के साथ ईंधन बचत एवं आर्थिक बचत होगी । आकाशगंगा सब्जी मण्डी का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने निर्देशित किये हैं। आकाशगंगा के दुकानों का टैक्स जमा हो रहा है कि नहीं उसका पता लगाकर टैक्स जमा नहीं करने वाले दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने कहा गया है। साथ ही दुकान के सामने अवैध अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई एवं सामान रखकर सड़क बाधा करने वालों पर चालानी कार्रवाई करने निर्देशित किये हैं।

दक्षिण गंगोत्री में रेल्वे के किनारे स्थित पत्रकार कॉलोनी के समीप बांस टाल के निवासियों द्वारा सामान सड़क किनारे रखे है, जिससे आवागमन बाधित होती है, कार्यवाही करते हुए अवैध कब्जा हटाने कहा गया है। साथ ही आस-पास की साफ-सफाई व्यवस्था को बनाये रखने कहा गया है। प्रियदर्शिनी परिसर में आश्रय स्थल के सुविधाओं का जायजा लिये और कमियां दूर करने कहा गया है। वहां निवासरत वृद्वो से मुलाकात कर समस्या से अवगत हुए।

प्रियदर्शिनी परिसर में निर्माणाधीन खेल परिसर को निरीक्षण किये और गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बारिकी से कार्य कराने कहा गया है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया, फत्तेलाल साहू, पुरूषोत्तम सिन्हा, अंकित सक्सेना, कमलेश द्विवेदी स्वच्छता निरीक्षक, क्रिस्टोफर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवा अधिवक्ता को धमकी, कार्रवाई नहीं होने पर रोष

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

साजा तहसील परिसर स्थित व्यवहार न्यायालय में युवा अधिवक्ता गुलशन मनहरे के साथ हुई अभद्रता और जान से मारने की धमकी के मामले ने अब गंभीर रूप ले लिया है।

जानकारी के अनुसार अधिवक्ता गुलशन मनहरे के चेंबर में जबरदस्ती घुसकर गाली-गलौज की गई तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना के बाद से अधिवक्ताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है। सप्ताह भर बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपी को न तो पूछताछ के लिए बुलाया गया है और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई की गई है, जिससे अधिवक्ता समुदाय में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

घटना के विरोध में अब अधिवक्ता संघ आगे की रणनीति तैयार करने में जुट गया है। अधिवक्ता संघ के सहसचिव मनोज वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अति शीघ्र अधिवक्ता संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पूरे मामले पर विस्तार से चर्चा कर आगामी कदम तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा और न्यायालय परिसर की गरिमा से जुड़े इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता है तो आंदोलनात्मक निर्णय भी लिया जा सकता है।

इस घटना की निंदा केवल साजा तक सीमित नहीं रही, बल्कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर और बेमेतरा सहित विभिन्न जिलों के अधिवक्ता संघों ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विभिन्न अधिवक्ता संगठनों ने युवा अधिवक्ता गुलशन मनहरे के समर्थन में खड़े होने की बात कही है तथा दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता संघ बेमेतरा ने भी इस घटना की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के साथ इस प्रकार की घटना बेहद चिंताजनक है। इस घटना की निंदा केवल साजा तक सीमित नहीं रही, बल्कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर और बेमेतरा सहित विभिन्न जिलों के अधिवक्ता संघों ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विभिन्न अधिवक्ता संगठनों ने युवा अधिवक्ता गुलशन मनहरे के समर्थन में खड़े होने की बात कही है तथा दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता संघ बेमेतरा ने भी इस घटना की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के साथ इस प्रकार की घटना बेहद चिंताजनक है।

बताया जा रहा है कि यदि पुलिस प्रशासन द्वारा जल्द उचित कार्रवाई नहीं की गई तो साजा के अधिवक्ता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर सकते हैं। अधिवक्ताओं का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रशासन की है, लेकिन इतने गंभीर मामले में भी अब तक कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

साई मंदिर समिति के धनेंद्र अध्यक्ष और धीरेंद्र सचिव

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति सिविल लाइन कसारीडीह के सत्र 2026-30 के चुनाव में अध्यक्ष धनेंद्रकांत चंदेल और सचिव धीरेंद्र शर्मा निर्वाचित घोषित किए गए हैं।

रविवार को मतदान के जरिए हुए चुनाव में श्री चंदेल ने श्रीकांत समर्थ को 28 वोटो से पराजित कर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। चुनाव में नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल को 88 वोट मिले, जबकि श्रीकांत समर्थ ने 60 वोट प्राप्त किया। इसी प्रकार सचिव पद पर धीरेंद्र शर्मा ने शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने सुधीर वाघ को 40 मतों से शिकायत दी। नवनिर्वाचित सचिव धीरेंद्र शर्मा ने चुनाव में 95 वोट हासिल किया, वहीं सुधीर वाघ को 55 वोटो से ही संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के 5 और सचिव पद के 3 वोट निरस्त किए गए। चुनाव में कुल 176 मतदाता सदस्यों में से 153 मतदाताओं ने उत्साह साथ हिस्सा लिया और अपना नया अध्यक्ष और नया सचिव चुनने में निर्णायक भूमिका निभाई।

श्री साई मंदिर समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल इसके पहले लगातार 4 बार सचिव पद को सुशोभित कर चुके हैं। उन्होंने इस चुनाव में दो बार के अध्यक्ष रहे श्रीकांत समर्थ को हराया। नवनिर्वाचित सचिव धीरेंद्र शर्मा इसके पूर्व समिति के उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं। यह चुनावी प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश दीक्षित के मार्गदर्शन और सहायक चुनाव अधिकारी संतोष यदु, जयंत खिरोड़कर, नारायण दत्त तिवारी घोषणा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंदेल और सचिव धीरेंद्र शर्मा पैनल के समर्थकों ने जीत पर ढोल बाजा की धुन में नाच गाकर एवं आतिशबाजी कर जमकर अपनी खुशियां मनाई।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

रजत पाटीदार ने धोनी और रोहित की बराबरी की

बेंगलुरु को लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचाया, सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय भी बने

धर्मशाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरे सीजन आईपीएल फाइनल में जगह बना ली है। छठी बार कोई डिफेंडिंग चैंपियन फाइनल में पहुंची है। बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इस जीत के साथ एमएस धोनी और रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। वह लगातार दो आईपीएल फाइनल में टीम को पहुंचाने वाले पांचवें कप्तान बने। पाटीदार ने बल्लेबाजी में भी कमाल किया और सबसे तेज 200 सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। पाटीदार की 33 बाल पर नाबाद 93 रन की पारी की बदौलत बेंगलुरु ने आईपीएल प्लेऑफ इतिहास में 254 रन का सबसे बड़ा स्कोर भी खड़ा किया। पाटीदार ने 282 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जो लीग के इतिहास में 90 रन से ज्यादा की सबसे तेज पारी है।

बेंगलुरु सबसे ज्यादा बार आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम : बेंगलुरु ने आईपीएल फाइनल में 5वीं बार जगह बनाई। टीम 2009, 2011, 2016, 2025 और 2026 में फाइनल में पहुंची। वह सबसे ज्यादा बार आईपीएल फाइनल खेलने वाली तीसरी टीम है। चेन्नई रिकॉर्ड 10 फाइनल के साथ नंबर एक पर है। वहीं मुंबई 6 फाइनल के साथ दूसरे पायदान पर है।

बेंगलुरु ने आईपीएल प्लेऑफ की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की : बेंगलुरु ने गुजरात के खिलाफ धर्मशाला में 92 रन से जीत दर्ज की। यह आईपीएल प्लेऑफ में रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत है। राजस्थान पहले नंबर पर है, जिन्होंने 2008 में दिल्ली के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 105 रन से जीत हासिल की थी।

पाटीदार ने वॉर्नर की बराबरी की : पाटीदार ने कप्तान के तौर पर नाबाद 93 रन की पारी खेलकर डेविड वॉर्नर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। प्लेऑफ में बतौर कप्तान सबसे बड़ा स्कोर बनाने के मामले में अब दोनों संयुक्त रूप से टॉप पर हैं।

पाटीदार आईपीएल प्लेऑफ में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले चौथे बल्लेबाज : पाटीदार ने गुजरात के खिलाफ 93 रन की पारी में 9 छक्के लगाए। इसके साथ ही उनके आईपीएल प्लेऑफ में 24 छक्के हो गए हैं। वे प्लेऑफ मैचों में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में सुरेश रैना 40 छक्कों के साथ पहले नंबर पर हैं। वहीं धोनी 28 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल का अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया : बेंगलुरु ने गुजरात के खिलाफ 5 विकेट खोकर 254 रन बनाए। ये आईपीएल में बेंगलुरु का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम ने 2013 में पुणे वारियर्स इंडिया के खिलाफ लीग का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। उन्होंने बेंगलुरु के मैदान पर 263/5 स्कोर किए थे।

आईपीएल प्लेऑफ का दूसरा सबसे मंहगा ओवर : कुलवंत खेजरोलिया ने बेंगलुरु की पारी के 15वें ओवर में 28 रन दिए। ये आईपीएल प्लेऑफ में दूसरा सबसे महंगा ओवर है। इस लिस्ट में पंजाब किंग्स के परविंदर अवाना पहले नंबर पर हैं। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 2014 के क्वालीफायर में पंजाब की ओर से खेलते हुए वानखेड़े स्टेडियम में 33 रन दिए थे।

भुवनेश्वर एक सीजन में बेंगलुरु के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट की बराबरी की : भुवनेश्वर कुमार ने क्वालीफायर-1 में 2 विकेट चटकाए। उन्होंने आईपीएल 2026 में 26 विकेट लिए। इसके साथ वे आईपीएल के एक सीजन में बेंगलुरु के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। हर्षल पटेल पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 2021 में रिकॉर्ड 32 विकेट लिए थे। वानिंदु हसरंगा ने भी 2022 में 26 विकेट लिए थे।

होल्डर ने एक ही ओवर में कोहली, पडीक्कल को पवेलियन भेजा : बेंगलुरू की पारी के 9वें ओवर जेसन होल्डर ने दो विकेट झटके। ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने विराट कोहली (43) को इनसाइड एज के जरिए बोल्ड किया। फिर चौथी गेंद (8.4 ओवर) पर देवदत्त पडिक्कल (30) को विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच आउट करा दिया।

कोहली के आउट होने अनुष्का ने अपना चेहरा ढंका : जेसन होल्डर की गेंद पर विराट कोहली का विकेट गिरते ही स्टैंड्स में बैठीं उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा पूरी तरह शॉक रह गई। उन्होंने मायूसी में दोनों हाथों से अपना मुंह ढक लिया।

पाटीदार का कैच गुजरात को 73 रन महंगा पड़ा : बेंगलुरु की पारी के 14वें ओवर में रजत पाटीदार के दो कैच छूटे। प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर की पहली गेंद पर पाटीदार के बल्ले का ऊपरी किनारा लगा। थर्ड मैन पर विकेटकीपर जोस बटलर और कुलवंत खेजरोलिया के बीच गेंद गिर गई। तीसरी गेंद पर पाटीदार के पुल शॉट पर कगिसो रबाडा ने डीप मिडविकेट उनका आसान कैच छोड़ दिया। तब पाटीदार 20 रन पर खेल रहे थे।

सुदर्शन हिटविकेट आउट हुए

गुजरात की पारी के तीसरे ओवर में गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन अजीबो-गरीब तरीके से आउट हुए। गेंदबाज जैकब डफी ने ओवर की तीसरी गेंद ऑफ-स्टंप के बाहर शॉर्ट लेंथ डाली। सुदर्शन ने बैकफुट पर जाकर कट शॉट खेला और चौका हो गया। लेकिन शॉट पूरा करते समय बैट उनके हाथ से छूटकर सीधे स्टंप्स से जा टकराया। वे आईपीएल प्लेऑफ में हिट आउट होने वाले कुसल मेंडिस के बाद दूसरे बल्लेबाज बने।

पाटीदार लगातार दो आईपीएल फाइनल खेलने वाले 5वें कप्तान

रजत पाटीदार की कप्तानी में बेंगलुरु ने फाइनल में जगह बनाई। बतौर कप्तान पाटीदार लगातार दो या उससे ज्यादा बार आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले 5वें कप्तान बन गए। धोनी ने चेन्नई की कप्तानी करते हुए 2010, 2011, 2012, 2013 में लगातार 4 साल तक फाइनल खेले थे। इसके बाद उन्होंने 2018 और 2019 में भी लगातार चेन्नई को फाइनल में पहुंचाया। वहीं, रोहित शर्मा ने 2019 और 2020 में मुंबई को फाइनल में पहुंचाया था।

पाटीदार सबसे तेज 200 टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीय

पाटीदार ने टी-20 क्रिकेट में सिर्फ 105 पारियों में 200 छक्के पूरे कर लिए। वे यह मुकाम सबसे तेजी से हासिल करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। अभिषेक ने 125 पारियों में 200 सिक्स लगाए थे।

फ्रेंच ओपन में सिनर का जलवा, पिछले साल की हार भुलाकर पहले दौर में हासिल की शानदार जीत

पेरिस। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर मंगलवार को पिछले साल की निराशा वाली जगह पर एक शानदार प्रदर्शन के साथ लौटे और फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में धमाकेदार एंट्री की। कोर्ट फिलिप-चैट्रियर पर रोशनी के नीचे खेलते हुए, इस इटैलियन खिलाड़ी ने अपने पहले राउंड के मुकाबले में फ्रेंच वाइल्ड कार्ड क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर एक जबरदस्त प्रदर्शन किया। लाल बजरी पर सिनर की इस पहली जीत ने उन्हें इस सदी में लगातार 30 या उससे ज्यादा मैच जीतने वाले पुरुषों की एक छोटी सी लिस्ट में शामिल कर दिया है, जिसमें रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच भी शामिल हैं। सिनर के लिए, फ्रेंच ओपन में वापसी सिर्फ़ एक आम पहले राउंड के मुकाबले से कहीं ज्यादा मायने रखती थी। 12 महीने पहले, इसी कोर्ट पर उन्हें अपने करियर की सबसे दर्दनाक हार में से एक का सामना करना पड़ा था, जब फाइनल में कार्लोस अल्काराज के खिलाफ उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट गंवा दिए थे। लेकिन अगर उस हार के कोई जख्म बाकी भी थे, तो टैबुर के खिलाफ उनके शांत और सधे हुए प्रदर्शन में उनका कोई निशान नहीं दिखा। सिनर ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में कहा, 'मैं यहां वापस आकर बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है और यहां मेरी बहुत अच्छी यादें जुड़ी हैं। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, लेकिन रात के सेशन में टूर्नामेंट की शुरुआत करना और भी खास होता है, इसलिए आप सभी का यहां रुकने के लिए शुक्रिया।' इस 24 साल के खिलाड़ी ने पूरी शाम बेसलाइन से खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, और लगातार गहराई वाले शॉट्स के साथ-साथ जोरदार शॉट्स का भी शानदार तालमेल बिठाया। उन्होंने तीन सेट में कुल 40 'विनर्स' लगाए और उन्हें एक भी 'ब्रेक पॉइंट' का सामना नहीं करना पड़ा, जिससे यह साबित होता है कि उन्होंने कितने जोरदार तरीके से खेल को अपने काबू में रखा। तीसरे सेट के बीच में एक बहुत ही शानदार पल आया, जब सिनर ने बेहद आसानी से अपनी रक्षात्मक खेल को आक्रामक खेल में बदल दिया; पहले उन्होंने बेसलाइन के काफी पीछे से एक 'फोरहैंड स्क्वैश शॉट' लगाया, और उसके कुछ ही पलों बाद फिसलते हुए एक शानदार 'बैकहैंड विनर' लगा दिया। इस शानदार खेल को देखकर पेरिस के दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं, और यह एक बार फिर इस बात का सबूत था कि अब सिनर के पास कोर्ट के हर हिस्से में खेलने की पूरी काबिलियत मौजूद है। सिनर की यह ताजा जीत उनके उस ऐतिहासिक सीजन में एक और मील का पत्थर साबित हुई है, जो पहले से ही इतिहास रच रहा है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने 2026 में सभी पांच एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो, मैड्रिड और रोम, जीत लिए हैं, और इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें टेनिस की दुनिया के कुछ बेहद खास खिलाड़ियों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है। रोम में मिली उनकी हालिया जीत ने उन्हें नोवाक जोकोविच के बाद 'करियर गोल्डन मास्टर्स' पूरा करने वाला दूसरा खिलाड़ी बना दिया है, और ऐसा करने वाले वह अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए हैं।

पहले ही चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन, सिनर अब अपने कलेक्शन में बची आखिरी चीज, फ्रेंच ओपन का खिताब, पाने की दौड़ में हैं। यह खिताब उन्हें 'करियर ग्रैंड स्लैम' पूरा करने में मदद करेगा, जो हर खिलाड़ी का सपना होता है। अगर वह इस पखवाड़े 'कूप डेस मस्केटियर्स' जीत लेते हैं, तो वह ओपन एरा में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ़ सातवें पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। सिनर की अगली चुनौती अर्जेंटीना के बाएं हाथ के खिलाड़ी जुआन मैनुअल सेरुंडोलो के खिलाफ होगी। सेरुंडोलो ने आज ही दिन में जैकब फर्नली को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में जगह बनाई है। अगर उनके शुरुआती प्रदर्शन को देखें, तो ऐसा लगता है कि सिनर पेरिस में पिछले साल की हार का बोझ लेकर नहीं, बल्कि इस बार काम को पूरी तरह से अंजाम तक पहुंचाने की जबरदस्त भूख लेकर आए हैं।

तमिलनाडु के खेल मंत्री आधव अर्जुन ने शतरंज खिलाड़ी वैशाली को दी 10 लाख की आर्थिक मदद

चेन्नई। तमिलनाडु के खेल मंत्री आधव अर्जुन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए शतरंज खिलाड़ी वैशाली को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। लोक निर्माण एवं खेल मंत्री आधव अर्जुन ने बुधवार को नेहरू इंडोर स्टेडियम में तमिलनाडु की शतरंज खिलाड़ी वैशाली को अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता के तौर पर 10 लाख रुपए का चेक सौंपा। इस अवसर पर खेल मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में मदद करने के लिए विभिन्न पहल की जा रही है।

विशेष रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा रही है और उनकी खेल संबंधी जरूरतों के लिए आवश्यकता आधारित सहायता प्रदान की जा रही है। चैंपियंस डेवलपमेंट स्कीम (सीडीएस) के तहत 20 साल से कम उम्र के राष्ट्रीय स्तर के स्वर्ण पदक विजेताओं का चयन किया जाता है और उन्हें प्रति वर्ष 4 लाख रुपए तक की आवश्यकता-आधारित सहायता प्रदान की जाती है।

इस सहायता में स्पोर्टस ड्रेस, खेल उपकरण, विदेशों में प्रशिक्षण और विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने जैसे खर्च शामिल हैं।

हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम घोषित, यूरोपीय दौरे पर पाकिस्तान-इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

हॉकी इंडिया ने 24 सदस्यीय मजबूत टीम का किया ऐलान, विश्व कप तैयारियों पर फोकस

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। स्टार डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह व्यक्तिगत कारणों से फरवरी में होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करते हुए एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। भारतीय टीम इस दौरे के दौरान नीदरलैंड, जर्मनी, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों से भिड़ेगी। यह दौरा आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बेल्जियम में तैयारी, फिर नीदरलैंड और इंग्लैंड में मुकाबले : भारतीय टीम 7 से 9 जून तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स में तैयारी शिविर और अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 10 जून से नीदरलैंड के रॉटरडैम में रहेगी, जहां प्रो लीग मुकाबले खेले जाएंगे।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण : टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण रखा गया है। चयनकर्ताओं ने आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए कोर टीम को मजबूत बनाने पर जोर दिया है।

रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह और युवा खिलाड़ी अमनदीप लकड़ा शामिल हैं। मिडफील्ड की जिम्मेदारी हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर होगी। आक्रमण में मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी जैसे तेजतर्रार फॉरवर्ड टीम की ताकत होंगे।

पांच स्टैंडबाय खिलाड़ी भी घोषित : हॉकी इंडिया ने पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की भी घोषणा की है। इनमें गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, फॉरवर्ड अराइजीत सिंह हुंडाल और मनिंदर सिंह, डिफेंडर पूवन्ना चंदूरा बॉबी तथा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह शामिल हैं।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'टीम का प्रशिक्षण शानदार चल रहा है और खिलाड़ी बेहतरीन लय में हैं। जून में नीदरलैंड और इंग्लैंड में होने वाले प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ ये मुकाबले बताएंगे कि विश्व कप की तैयारियों में हम कहां खड़े हैं।'

भारतीय टीम... गोलकीपर: मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर: हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी।

रायपुर के छात्रों ने एसओएफ इंटरनेशनल ओलंपियाड 2025-26 में किया शानदार प्रदर्शन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित एसओएफ ओलंपियाड परीक्षा 2025-26 में रायपुर के छात्रों ने शानदार सफलता हासिल की है। सीनियर दिल्ली स्कूल के कक्षा 2 के छात्र रेयान शर्मा ने इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड (आईजीकेओ) में, भवन्स आर.के. सरदा विद्या मंदिर के कक्षा 2 के छात्र विहान राम कोंडलापुर ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड (आईईओ) में तथा द रेडिएंट वे स्कूल के कक्षा 2 के छात्र शिवांश गौतम ने नेशनल साइंस ओलंपियाड (एनएसओ) में इंटरनेशनल रैंक 1 प्राप्त कर शहर का नाम रोशन किया। सभी छात्रों को गोल्ड मेडल, प्रमाण पत्र और सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन दिए जाएंगे। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में रायपुर के 54 हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इन छात्रों की सफलता ने न केवल उनके विद्यालयों को गौरवान्वित किया है, बल्कि शहर के अन्य छात्रों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, 'एसओएफ ओलंपियाड 2025-26 विद्यार्थियों को उत्कृष्टता हासिल करने और तार्किक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। छात्रों का विभिन्न ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन उनकी मेहनत, लगन और स्कूलों द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव को दर्शाता है। हम छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देते हैं।' साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) एक शैक्षणिक संस्था है, जो स्कूल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने और अकादमिक प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने का कार्य करती है। एसओएफ द्वारा इंटरनेशनल कंप्यूटर सइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड और इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड जैसी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। ये परीक्षाएं छात्रों को अपनी अवधारणात्मक समझ, विश्लेषण क्षमता और समस्या समाधान कौशल को वैश्विक स्तर पर परखने का अवसर प्रदान करती हैं।

पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का निधन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का बुधवार सुबह नई दिल्ली में 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर निशानेबाजी समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित रणधीर सिंह भारतीय और एशियाई खेल प्रशासन में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। वह 1987 से 2012 तक भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव रहे। इसके अलावा 2001 से 2014 तक अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य भी रहे और बाद में उन्हें मानद सदस्य बनाया गया। सितंबर 2024 में रणधीर सिंह ने इतिहास रचते हुए एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया था। नई दिल्ली में आयोजित 44वीं महासभा में उन्हें 2028 तक चार वर्ष के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया था। हालांकि खराब स्वास्थ्य के कारण उनका कार्यकाल इस वर्ष समय से पहले समाप्त हो गया। पंजाब के पटियाला से ताल्लुक रखने वाले रणधीर सिंह खेल परिवार से आते थे। वह पांच बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले निशानेबाज रहे। उन्होंने 1978 बैंकॉक एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में पहला एशियाई खेल स्वर्ण दिलाया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने बयान जारी कर कहा, 'गहरे दुख के साथ हम यह सूचना साझा कर रहे हैं कि राजा रणधीर सिंह का 27 मई 2026 को निधन हो गया। वह महान ओलंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता और भारत, एशिया तथा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक आंदोलन के सबसे सम्मानित खेल प्रशासकों में से एक थे।' उन्होंने आगे कहा, 'निशानेबाजी खेल और ओलंपिक आंदोलन के विकास में उनका योगदान अमूल्य रहा है। एनआरएआई और पूरा निशानेबाजी परिवार इस अपूरणीय क्षति पर शोक व्यक्त करता है और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करता है।

रेलवे समाचार

यात्रियों से वन-वे ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) स्पेशल ट्रेनों का लाभ उठाने की अपील

% Occupancy of One way TOD Special trains SECR JCO 28.05.26 & 30.05.26
(PRIMES report generated at 14.30 hrs on 27.05.2026)

SL NO.	TRAIN NUMBER	TRAIN NAME	SOURCE STATION	DESTINATION STATION	JOURNEY DATE	CLS	E2E BERTHS	NET PSGN	NET EARNING	E2E OCCUPANCY	E2E BERTH POTENTIAL EARNING	E2E EARNING %	Vacant Berths	Composition
1	08201	BSP PTJ TOD SPL	BSP	PTJ	5/28/2026	SL	1152	307	172950	26.64	887040	19.49	845	SLRD-02, GS-02, GSCN-16= 20 ICF Coaches
2	08707	DURG ERS TOD SPL	DURG	ERS	5/30/2026	SL	1296	40	20360	3.08	1017360	2	1256	SLRD-02, GSCN-18= 20 ICF Coaches
3	08811	G AGC TOD SPL	G	AGC	5/28/2026	2A	46	6	9399	13.04	85330	11.01	40	SLRD-02, GS-08, GSCN-06, ACCN-01, ACCW-01 = 18 ICF Coaches
						3A	64	20	25461	31.25	83520	30.48	44	
						SL	432	18	7150	4.16	216000	3.31	414	
						TTL	542	44	42010	8.11	384850	10.91	498	

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ग्रीष्मकालीन यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न वन-वे ट्रेन ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में इन ट्रेनों में पर्याप्त संख्या में सीटें एवं बर्थ उपलब्ध हैं, जिससे यात्रियों को कन्फर्म यात्रा का बेहतर अवसर मिल सकता है। 27.05.2026 को जारी नवीनतम ऑक्यूपेंसी रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित स्पेशल ट्रेनों में अभी पर्याप्त सीटें उपलब्ध रिक्त बर्थ की स्थिति:

(1) गाड़ी संख्या 08201 बिलासपुर-पोत्तनूर TOD स्पेशल

(2) गाड़ी संख्या 08707 दुर्ग-एर्नाकुलम TOD स्पेशल

(3) गाड़ी संख्या 08811 गोंदिया-आगरा कैंट TOD स्पेशल

गाड़ी संख्या	ट्रेन का नाम	यात्रा तिथि	श्रेणी	कुल बर्थ	रिक्त बर्थ
08201	BSP-PTJ TOD स्पेशल	28.05.2026	SL	1152	845
08707	DURG-ERS TOD स्पेशल	30.05.2026	SL	1296	1256
08811	G-AGC TOD स्पेशल	28.05.2026	2A	46	40
			3A	64	44
			SL	432	414

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे इन स्पेशल ट्रेनों में उपलब्ध बर्थों का लाभ उठाकर अपनी यात्रा को सुविधाजनक एवं आरामदायक बनाएं। टिकटों की बुकिंग IRCTC वेबसाइट, मोबाइल ऐप रेल वन तथा सभी आरक्षण काउंटरों पर उपलब्ध है। रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं उपलब्ध बुकिंग के आधार पर विशेष ट्रेनों के संचालन की लगातार समीक्षा की जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं आरामदायक रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सैमसंग ने भारत में 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप पेश किया, माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, द फ्रेम, मिनी एलईडी और यूएचडी टीवी में 72 मॉडल लॉन्च

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया ने अपने पूरे 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप के लॉन्च की घोषणा की, जिसमें माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, द फ्रेम, मिनी एलईडी और यूएचडी टीवी शामिल हैं। इस लॉन्च के साथ सैमसंग अपने सभी मॉडलों में एआई-पावर्ड फीचर्स का विस्तार कर रहा है, जिससे भारत में ज्यादा उपभोक्ताओं को बेहतर तस्वीर, बेहतर साउंड और ज्यादा पर्सनलाइज्ड देखने का अनुभव मिलेगा। सैमसंग लगातार 20 वर्षों से दुनिया का नंबर 1 टीवी ब्रांड बना हुआ है। सैमसंग के 4के और उससे ऊपर के टीवी लाइनअप में विजन एआई कंपेनियन (वीएसी) फीचर्स का यह विस्तार इस बात को दिखाता है कि कंपनी टीवी अनुभव में एआई को केंद्र में रखने पर जोर दे रही है। इसके जरिए एआई-पावर्ड देखने का अनुभव अब ज्यादा कैटेगरी, अलग-अलग स्क्रीन साइज और उपभोक्ताओं की जरूरतों तक पहुंच रहा है। सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट विप्लेश डांग ने कहा, 'हमारे नए विजन एआई टीवी स्थानीय कंटेंट प्लेटफॉर्म्स के साथ बिना किसी रुकावट के इंटीग्रेशन देते हैं, मल्टीलिंगुअल सपोर्ट को और बेहतर बनाते हैं और भारत के अलग-अलग घरों के माहौल के हिसाब से ऊर्जा-कुशल समाधान पेश करते हैं।' भारत में माइक्रो आरजीबी की शुरुआत के साथ सैमसंग अपने प्रीमियम टीवी अनुभव को ज्यादा स्क्रीन साइज तक पहुंचा रहा है, जिससे ज्यादा उपभोक्ताओं को बेहद सटीक रंग, बेहतर ब्राइटनेस और एआई-पावर्ड इमर्सिव देखने का अनुभव मिलता है।

गारंटीड इनकम लाइफ इंश्योरेंस प्लान आपकी वित्तीय योजना में एक आदर्श विकल्प : एम आनंद

नई दिल्ली। नए ज़माने की पीढ़ी युवा व महत्वाकांक्षी है और वित्तीय दुनिया में कदम रखकर स्वतंत्र होने के लिए उत्सुक है। हालाँकि, कई लोगों के लिए, पहली बार इस क्षेत्र में प्रवेश करना साइकिल चलाना सीखने जैसा लग सकता है- रोमांचक लेकिन भारी, जिसमें अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की इच्छा को संतुलित करना, अपने प्रियजनों को वित्तीय रूप से सुरक्षित करना और वित्तीय गलतियों से बचना शामिल हो सकता है। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, सही शुरुआती बिंदु खोजना आवश्यक है। जबकि कई वित्तीय साधन हैं, सबसे महत्वपूर्ण है पर्याप्त जीवन बीमा कवरेज होना, जो एक स्थिर लॉन्चपैड के रूप में कार्य करता है, बिल्कुल साइकिल में प्रशिक्षण पहियों की तरह। शुरू

करने के लिए, एक गारंटीड इनकम लाइफ इंश्योरेंस प्लान आपकी वित्तीय योजना में एक आदर्श विकल्प हो सकता है। यह जीवन बीमा और बचत दोनों प्रदान करता है, जो चुनी हुई अवधि के लिए विश्वसनीय आय की गारंटी देता है और स्थिरता के लिए एक ठोस आधार तैयार करता है। इससे आपको आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने की स्वतंत्रता मिलती है। इन योजनाओं के तहत कोई व्यक्ति प्रीमियम राशि और आवृत्ति, प्रीमियम भुगतान अवधि, पॉलिसी अवधि, भुगतान अवधि और आय आवृत्ति तथा गारंटीकृत आय विकल्प चुन सकता है। इस लचीलेपन के माध्यम से, उन्हें पॉलिसी अवधि के दौरान जीवन बीमा कवरेज के साथ-साथ अपने परिवार के लिए गारंटीकृत लाभ भी मिलते हैं।

मुख्य लाभ

आई-इनकम: गारंटीड आय बीमा योजनाएँ विश्वसनीय आय प्रदान करती हैं, जो बाजार के उतार-चढ़ाव या अपनी बचत से अधिक समय तक जीवित रहने के बारे में चिंतित लोगों के लिए आदर्श हैं। ये उत्पाद दो विकल्प प्रदान करते हैं: लेवल गारंटीड आय, जो निश्चित भुगतान प्रदान करती है और बढ़ती गारंटीड आय, जो एक निश्चित प्रतिशत से बढ़ती है, जैसे कि सालाना 5% साधारण ब्याज। यह व्यक्तियों को यह विश्वास दिलाता है कि उनकी आय हर साल बढ़ सकती है और मुद्रास्फीति की बढ़ती लागत का मुकाबला कर सकती है।

एन- नीड बेस्ड (जरूरत आधारित): जीवन निरंतर रूप से बदलता रहता है और इसलिए ऐसी योजना की आवश्यकता होती है, जो उन परिवर्तनों के अनुकूल हो। ऐसी योजनाओं के माध्यम से, कोई व्यक्ति भुगतान अवधि और आय आवृत्ति चुन सकता है और स्थिति बदलने पर इसे बदल सकता है। उन्हें अपनी भविष्य की जरूरतों के आधार पर लंबी अवधि (जैसे 15, 20, 25 या 30 साल) के लिए भुगतान अवधि चुनने का भी मौका मिलता है। गारंटीकृत आय वार्षिक, अर्ध-वार्षिक, त्रैमासिक या मासिक हो सकती है।

सी- क्लीयर टैक्स एडवांटेज: आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत प्रचलित मानदंडों के अनुसार, जो समय-समय पर परिवर्तन के अधीन हैं।

ओ-ऑफिशियल सेफ: बीमाकर्ताओं को बीमा प्राधिकरण द्वारा विनियमित किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके पास अपने वादों को पूरा करने के लिए आरक्षित निधियाँ हैं।

एम-मैच्योरिटी बेनिफिट: भुगतान अवधि के दौरान, व्यक्ति को आंशिक भुगतान के रूप में आय प्राप्त करने का अधिकार होता है, साथ ही भुगतान किए गए प्रीमियम पर रिटर्न भी मिलता है, जिससे उन्हें यह मानसिक शांति मिलती है कि उनका भविष्य सुरक्षित है। कुछ योजनाएँ भुगतान अवधि के अंत में भुगतान किए गए प्रीमियम का 110% तक रिटर्न प्रदान करती हैं।

ई-एनश्योरिंग योर लव्ड वन्स फ्यूचर (अपने प्रियजनों का भविष्य सुनिश्चित करना): यह एक जीवन बीमा योजना है, जो प्रियजनों के वित्तीय भविष्य की रक्षा करने में मदद करती है और किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण जीवन घटना के मामले में सुरक्षा जाल प्रदान करती है। कुछ योजनाएँ अतिरिक्त लाभों के साथ आती हैं, जैसे दुर्घटना लाभ राइडर, जो एक वैकल्पिक सुविधा है, जो दुर्घटना के कारण मृत्यु या विकलांगता के मामले में अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

ITM यूनिवर्सिटी रायपुर ने भारत के बढ़ते BFSI टैलेंट गैप को भरने के लिए बैंकिंग और फाइनेंस में BBA कोर्स शुरू किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर ने अपने 'बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज़' में बीबीए प्रोग्राम को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस प्रोग्राम को भारत के तेज़ी से बढ़ते BFSI सेक्टर के लिए इंडस्ट्री-रेडी प्रोफेशनल्स तैयार करने के मकसद से डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च ऐसे समय में हुआ है, जब भारत का बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर टियर 2, टियर 3 और उभरते बाज़ारों में ज़बरदस्त ग्रोथ देख रहा है। BFSI इंडस्ट्री के साथ सालों के सीधे जुड़ाव के ज़रिए, आईटीएम ने ट्रेंड प्रोफेशनल्स की बढ़ती मांग को पहचाना है। ये प्रोफेशनल्स फाइनेंशियल इंक्लूज़न, डिजिटल बैंकिंग के विस्तार और फिनटेक-आधारित सर्विसेज़ को अपनाने में मदद करने में सक्षम होंगे। इस प्रोग्राम का मकसद सेमी-अर्बन और उभरते बैंकिंग बाज़ारों में कुशल और नौकरी के लिए तैयार टैलेंट की बढ़ती कमी को दूर करना है।

इस प्रोग्राम को आईटीएम ग्रुप और आईटीएम स्किल्स एकेडमी की मज़बूत विरासत का साथ मिला है। आईटीएम स्किल्स एकेडमी ने पिछले 13 सालों में बैंकिंग इंडस्ट्री के लिए कुशल मैनपावर तैयार करने पर काम किया है। इस दौरान, आईटीएम ने इंडस्ट्री-केंद्रित प्रोग्राम और वर्कफोर्स ट्रेनिंग पहलों के ज़रिए 1,35,000 से ज़्यादा बैंकिंग प्रोफेशनल्स को ट्रेंड किया है। इस संस्थान ने ICICI बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, Axis बैंक, Equitas स्मॉल फाइनेंस बैंक, AU स्मॉल फाइनेंस बैंक और IDFC FIRST बैंक जैसे बड़े फाइनेंशियल संगठनों के साथ भी मिलकर काम किया है। इस कोर्स का सिलेबस बैंकिंग और फाइनेंस इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स के सुझावों के आधार पर डिज़ाइन किया गया है, ताकि यह पक्का हो सके कि स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल जानकारी और नौकरी के लिए ज़रूरी स्किल्स मिलें। पहले साल में, स्टूडेंट्स बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन, इकोनॉमिक्स, अकाउंटिंग, कम्युनिकेशन और मैनेजमेंट की बुनियादी बातें सीखेंगे। दूसरा साल बैंकिंग और फाइनेंशियल स्पेशलाइज़ेशन पर केंद्रित होगा, जिसमें बैंकिंग ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल सर्विसेज़, इंश्योरेंस और रिस्क मैनेजमेंट, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, इन्वेस्टमेंट और वेल्थ मैनेजमेंट, फाइनेंशियल मॉडलिंग, क्रेडिट और लोन प्रोसेसिंग, और कंप्लायंस प्रैक्टिसेज़ जैसे विषय शामिल होंगे। इस प्रोग्राम की एक खास बात यह है कि आखिरी साल में स्टूडेंट्स को बड़े बैंकों और BFSI संगठनों के साथ एक साल की पेड इंडस्ट्री इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा।

नवा रायपुर का दूसरा SEZ छत्तीसगढ़ को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में दिलाएगा नई पहचान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। नवा रायपुर ने अपने औद्योगिक विकास की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को नवा रायपुर में 10.13 हेक्टेयर क्षेत्र में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण हेतु समर्पित इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंजीनियरिंग विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने की मंजूरी प्राप्त हुई है। यह परियोजना इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि पॉलीमेटेक छत्तीसगढ़ का पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है, जिससे राज्य दुनिया के सबसे रणनीतिक और उच्च-मूल्य वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में प्रवेश करेगा। नवा रायपुर में

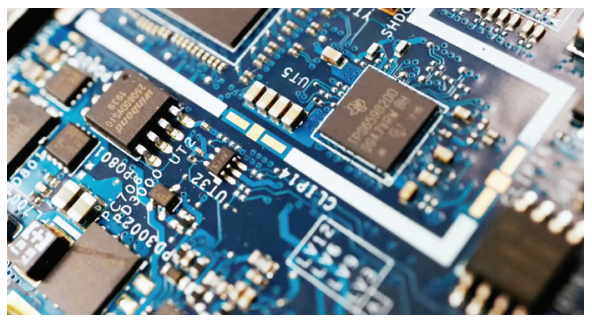

सेमीकंडक्टर-केंद्रित SEZ का विकास छत्तीसगढ़ के निर्यात तंत्र को और मजबूत करेगा, उन्नत प्रौद्योगिकी निवेश आकर्षित करेगा, राज्य को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन से जोड़ेगा तथा औद्योगिक विकास को गति देगा। अनुमान है कि यह परियोजना अगले पाँच वर्षों में 1,300 से अधिक रोजगार अवसर उत्पन्न करेगी और राज्य में हाई-टेक विनिर्माण एवं कुशल मानव संसाधन विकास के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगी। यह मंजूरी भविष्य-उन्मुख उद्योगों एवं निर्यात-केंद्रित निवेशों के लिए छत्तीसगढ़ की उभरती पहचान को और सुदृढ़ करती है। राज्य को भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी LEADS 2025 रैंकिंग में भू-आवेष्ठित राज्यों की श्रेणी में 'हाई परफॉर्मर' के रूप में भी मान्यता प्राप्त हुई है, जो लॉजिस्टिक्स दक्षता, औद्योगिक संपर्कता और निर्यात तैयारी में राज्य की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। इस SEZ की स्थापना से छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर निर्माण के एक नए युग की शुरुआत होने की उम्मीद है, जिससे नवा रायपुर भारत के तेजी से उभरते औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी केंद्रों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा।

बॉलीवुड समाचार

आईएमडीबी की 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्म बन रही है दर्शकों की सबसे बड़ी पैन-इंडिया पसंद

'मार्को' की जबरदस्त सफलता और उसकी बड़ी फैन फॉलोइंग के बाद अब सभी की नजरें इस बात पर थीं कि क्यूब्स एंटरटेनमेंट्स अगली कौन-सी बड़ी फिल्म लेकर आएगा। अब उनकी आने वाली पैन इंडिया हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर 'काट्टालन' रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। 28 मई, 2026 को दुनियाभर में रिलीज़ होने से पहले ही 'काट्टालन' ने आईएमडीबी की 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में पहला स्थान हासिल कर लिया है। फिल्म में एंटनी वर्गीज़ एक दमदार और अलग अंदाज़ में नजर आने वाले हैं। ट्रेलर की शुरुआती झलकियों ने ही अपने बड़े स्केल, शानदार विजुअल्स और जबरदस्त एक्शन से लोगों का ध्यान खींच लिया है। लेकिन, फिल्म को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह एक और वजह से बढ़ रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या मार्को और काट्टालन की कहानियाँ आपस में जुड़ी हुई हैं। खासकर सिद्दीकी के किरदार का पोस्टर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की थ्योरीज़ देखने को मिलीं। हालाँकि, मेकर्स ने अभी तक इस बारे में कुछ स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन एक बड़े सिनेमैटिक यूनिवर्स की संभावना ने दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। एंटनी वर्गीज़ एक दमदार नए किरदार में नजर आएँगे और यह फिल्म एक ज्यादा गहरे और तीव्र संसार का वादा करती है। ट्रेलर की शुरुआती झलकियों ने अपने भव्य पैमाने, दृश्य प्रभावों और एक्शन से भरपूर कहानी के कारण

पहले ही ध्यान आकर्षित कर लिया है। लेकिन, जो चीज़ इस उत्साह को और बढ़ा रही है, वह कुछ और ही है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही प्रशंसक इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या 'मार्को' और 'काट्टालन' आपस में जुड़े हुए हैं। खासकर सिद्दीकी के किरदार के पोस्टर के सामने आने के बाद, सोशल मीडिया पर कई तरह की थ्योरीज़ देखने को मिली हैं। हालाँकि, निर्माताओं ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन एक बड़े सिनेमाई ब्रह्मांड की संभावना ने दर्शकों की जिज्ञासा को और बढ़ा दिया है। निर्माता शरीफ मुहम्मद ने कहा, 'काट्टालन के जरिए हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते थे, जो पहले से कहीं बड़ी, ज्यादा रहस्यमयी और भावनात्मक रूप से दर्शकों को जोड़ने वाली हो। साथ ही, हमने मार्को की वही रॉ और दमदार ऊर्जा भी बनाए रखने की कोशिश की, जिससे दर्शक जुड़े थे। हमने एक्शन सीक्वेंस और विजुअल्स को ऐसे बड़े स्तर पर तैयार किया है, जैसा लोग आमतौर पर इंटरनेशनल एक्शन फिल्मों में देखते हैं। इस फिल्म में एक्शन, सस्पेंस, इमोशन्स और मिस्ट्री सब कुछ है। हमें लगता है कि दर्शकों को धीरे-धीरे समझ आएगा कि इस फिल्म में अभी तक दिखाए गए से कहीं ज्यादा खास बातें छिपी हुई हैं।' फिल्म का बड़ा स्केल इसकी मेकिंग में भी स्पष्ट नजर आता है। खास तौर पर इसके एक्शन सीन्स को लेकर काफी उम्मीदें हैं। फिल्म के एक्शन सीन्स थाईलैंड में इंटरनेशनल स्टंट कोरियोग्राफर केचा खामफकदी ने डिजाइन किए हैं, जो 'ओंग-बाक' फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एंटनी वर्गीज़ के लिए 'काट्टालन' अब तक के सबसे खास प्रोजेक्ट्स में से एक माना जा रहा है। उन्होंने कहा, 'काट्टालन ने मुझे कई तरह से चुनौती दी। मेरा किरदार कई लेयर्स वाला है और फिल्म की दुनिया काफी रहस्यमयी और अनप्रिडिक्टेबल लगती है। रिलीज़ से पहले ही फैंस को थ्योरीज़ बनाते और मार्को से इसके कनेक्शन पर चर्चा करते देखना बेहद रोमांचक है। ऐसा लग रहा है कि दर्शक पहले से ही हमारी बनाई इस दुनिया का हिस्सा बन चुके हैं, और यही इस सफर को बहुत खास बनाता है।' फिल्म का निर्देशन नए निर्देशक पॉल जॉर्ज ने किया है। काट्टालन में एंटनी वर्गीज़ के साथ दमदार स्टारकास्ट देखने को मिलेगी। फिल्म में दुशारा विजयन फीमेल लीड के रोल में हैं, जबकि 'पुष्पा' और 'जेलर' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाले सुनील भी एक अहम् किरदार निभा रहे हैं। मार्को के बाद मलयालम दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए कबीर दुहन सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का म्यूज़िक भी इसकी बड़ी खासियत माना जा रहा है। 'के.जी.एफ' और 'सलार' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर रवि बसरूर ने फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त गाने बी. अजनीश लोकनाथ ने दिए हैं।= शेमारू एंटरटेनमेंट इस फिल्म का डिजिटल और सैटेलाइट डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर है, जिससे थिएटर रिलीज़ के बाद फिल्म और ज्यादा दर्शकों तक पहुँच पाएगी।'काट्टालन' ऐसे समय पर आ रही है, जब मलयालम सिनेमा अलग-अलग भाषाओं के दर्शकों तक तेजी से पहुँच बना रहा है। बड़े स्तर का एक्शन, सोशल मीडिया पर चल रही फैन थ्योरीज़ और इसकी पैन-इंडिया अपील को देखते हुए, काट्टालन 2026 की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक बनती नजर आ रही है।

'रफ्तार' अब दशहरा वीकेंड पर रिलीज होगी सिनेमाघरों में

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म रफ्तार को लेकर अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, परंतु कतिपय कारणों से इसे टालना पड गया है। अब इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। अब यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिससे इसके बड़े बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर दोनों ने बेहद भावुक अंदाज में इसकी जानकारी साझा की, जिसने फैंस का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संयुक्त पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि 'रफ्तार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बेहद खास सपना है।

पोस्ट में फिल्म का नाम बड़े अक्षरों में लिखा गया था और उसके साथ दोनों ने एक लंबा भावनात्मक संदेश भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि सपनों को पूरा होने में समय लगता है और उन्हें सही तरीके से दर्शकों के सामने लाने के लिए धैर्य और मेहनत दोनों जरूरी होते हैं। पोस्ट

में उन्होंने कहा कि 'रफ्तार' उनके संघर्ष, विश्वास और वर्षों की मेहनत का परिणाम है। इसी वजह से उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला लिया ताकि इसे बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। दोनों कलाकारों ने यह भी कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि फिल्म महत्वाकांक्षा, डर, उम्मीद और जिंदगी में आगे बढ़ने की जिद जैसे भावनात्मक पहलुओं को ईमानदारी से दिखाएगी। राजकुमार और पत्रलेखा को उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को प्रेरित करेगी और उनके दिलों को छूने में कामयाब होगी। अपने पोस्ट में दोनों ने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों का भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और अब वे अपनी इस खास फिल्म को दशहरे के शुभ अवसर पर सिनेमाघरों में लाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा कि 'हमारे सपनों की रफ्तार अब पूरी तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देख पाएंगे।' फिल्म 'रफ्तार' में राजकुमार राव के साथ कीर्ति सुरेश, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण पत्रलेखा ने अपने बैनर काम्पा फिल्म के तहत किया है।

'शीशा' पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आई शहनाज

एक बार फिर पंजाबी फिल्म अभिनेत्री शहनाज गिल अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। शहनाज अक्सर अपने फैंस के साथ जिंदगी के खास पलों की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ट्रेंडिंग सॉन्ग 'शीशा' पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में शहनाज अपनी टीम के साथ गाने की धुन पर झूमती और थिरकती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने के बोल और बीट्स के साथ शानदार तालमेल बैठाया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'मेरा दिल मेरा ही है। शहनाज गिल।' उनके इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी ऊर्जा व अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे गाने 'शीशा' को मित्ता रोर और स्वरा वर्मा ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल भी मित्ता रोर ने ही लिखे हैं। यह रोमांटिक ट्रैक युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो चुका है और सोशल मीडिया रील्स पर लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। शुरुआत में इस गाने का केवल ऑडियो वर्जन रिलीज किया गया था, लेकिन बाद में इसे एमटीवी के चर्चित रियलिटी शो

स्प्लिट्सविला 16 के चर्चित प्रतियोगियों सौरव बेदी और निहारिका तिवारी पर फिल्माया गया। वीडियो रिलीज होने के बाद दोनों की जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया। दरअसल, पुणे में आयोजित एक इवेंट के दौरान सौरव बेदी ने इस गाने को खास अंदाज में प्रस्तुत किया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों को लगा कि गाना उन्होंने ही गाया है। हालांकि बाद में सौरव ने इंस्टाग्राम लाइव के जरिए मित्ता रोर के साथ सामने आकर इस भ्रम को दूर किया और फैंस को सच्चाई बताई। इस गाने का एक राजस्थानी संस्करण भी रिलीज किया गया था, जिसे सोनू कंवर ने अपनी आवाज दी थी। दर्शकों ने उस वर्जन को भी काफी पसंद किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल हाल ही में फिल्म इक्क कुड़ी में नजर आई थीं।

'माशूका' गाना सोशल मीडिया पर तेजी से कर रहा ट्रेंड

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 का नया गाना माशूका रिलीज होते ही लोकप्रिय हो गया है। यह गाना सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। गाने की सबसे बड़ी खासियत बॉलीवुड और इटालियन संगीत का बेहद खूबसूरत मेल है। रोमांस, मस्ती और शानदार म्यूजिक से भरपूर यह गाना लोगों को खूब पसंद आ रहा है। 'माशूका' के जरिए पहली बार मशहूर संगीतकार प्रीतम ने इटालियन कलाकार महमूद के साथ काम किया है। इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने गाने को नई ऊंचाई दी है। गाने में भारतीय संगीत की धुनों के साथ इटालियन म्यूजिक का स्पर्श इसे बेहद खास बनाता है। इसकी मधुर धुनें और खूबसूरत लोकेशन्स दर्शकों को किसी रोमांटिक यूरोपीय सफर का एहसास कराती हैं। गाने में अपनी आवाज राघव चैतन्य ने दी है, जबकि महमूद ने इटालियन हिस्सों को न सिर्फ गाया, बल्कि उसके लेखन और

संगीत निर्माण में भी अहम भूमिका निभाई है। इस फ्यूजन ने गाने को ग्लोबल अपील दी है और यही वजह है कि यह अलग-अलग देशों के दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय हो रहा है। प्रीतम ने इस सहयोग को खास बताते हुए कहा कि सही कलाकार किसी भी गाने के एहसास को पूरी तरह बदल सकता है। उनके मुताबिक, गाने की शूटिंग इटली के सिसिली इलाके में हुई है और ऐसे में किसी इटालियन कलाकार का जुड़ना बेहद जरूरी था, ताकि वहां की संस्कृति और माहौल को संगीत में उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि महमूद की आवाज और गाने का अंदाज इस ट्रैक को नई पहचान देता है। वहीं महमूद ने भी बॉलीवुड के साथ अपने पहले अनुभव को बेहद यादगार बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से बॉलीवुड फिल्मों और यहां के संगीत से लगाव रहा है। उनके अनुसार बॉलीवुड में संगीत, भावनाएं और कहानी मिलकर एक अलग ही जादुई दुनिया तैयार करते हैं। उन्होंने प्रीतम के साथ काम करने को सपने जैसा अनुभव बताया। गाने के वीडियो में शाहिद कपूर और कृति सेनन की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों बेहद स्टाइलिश और रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं रश्मिका मंदाना भी फिल्म में अहम भूमिका निभाती दिखाई देंगी। इटली के खूबसूरत लोकेशन्स और भव्य सेट्स ने वीडियो को और ज्यादा आकर्षक बना दिया है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान तेज

नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन ने व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किया है। स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी और जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के तहत अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों और आम नागरिकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व और नियमों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशासन का लक्ष्य लोगों को कचरा पृथक्करण और स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाकर जिले को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना है।

इसी क्रम में जनपद पंचायत शंकरगढ़ के सभाकक्ष में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर बैठक और प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी प्रज्ञा नायक ने कहा कि बढ़ता हुआ कचरा पर्यावरण और जनस्वास्थ्य दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते वैज्ञानिक तरीके से कचरे का प्रबंधन नहीं किया गया, तो इसके दुष्परिणाम और अधिक गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन की जिला समन्वयक मानमति ने नियम 2026 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों के तहत विशेष अधिसूचित क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटल, अस्पताल, स्टेडियम और पर्यटन स्थलों में कचरा पृथक्करण अनिवार्य कर दिया गया है। अब वेट वेस्ट, ड्राई वेस्ट, सेनेटरी वेस्ट और स्पेशल केयर वेस्ट को अलग–अलग श्रेणियों में विभाजित करना जरूरी होगा।

इस दौरान जनपद पंचायत शंकरगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मौके पर जुर्माना लगाने के साथ आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं विकासखंड रामचंद्रपुर और नगर पंचायत कुसमी में भी सरपंचों, सचिवों, सफाई कर्मचारियों और स्वच्छता दीदियों को प्रशिक्षण देकर लोगों को चार डिब्बों के माध्यम से कचरा पृथक्करण की जानकारी दी गई।

बागतराई रोड ट्रेंचिंग ग्राउंड का आयुक्त और सभापति ने किया निरीक्षण

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

नगर पालिक निगम क्षेत्र के सोरिद वार्ड स्थित बागतराई रोड ट्रेंचिंग ग्राउंड में सोमवार को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। चारों ओर आग ही आग फैलने से धुआं चारों फैल गया। नगर निगम आयुक्त प्रिया गोयल और निगम सभापति कौशल्या देवांगन मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से आग पर काबू पाने के निर्देश दिए। फायर ब्रिगेड की टीम लगातार आग बुझाने में जुटी रही। मौके पर पानी के टैंकरों और आवश्यक संसाधनों की मदद से आग को फैलने से रोकने के प्रयास किए गए। अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है ताकि किसी प्रकार की जनहानि या अन्य नुकसान न हो।

आयुक्त प्रिया गोयल ने स्पष्ट कहा कि मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यक सभी कदम तत्काल उठाए जाएं। वहीं सभापति कौशल्या देवांगन ने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए आग से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए हर संभव उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना के दौरान नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और फायर ब्रिगेड की टीम देर तक मौके पर डटी रही और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी रहे। बागतराई–सोरिद स्थित नगर निगम के ट्रेंचिंग ग्राउंड में सोमवार सुबह लगी भीषण आग पर मंगलवार देर शाम तक भी पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। बुधवार को भी चारों ओर धुआं उड़ ही रहा है। इससे वार्ड के लोग परेशान हैं। मालूम हो कि पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली आग ने पूरे इलाके को धुएं की चादर में ढक दिया। कचरे के भीतर लगातार सुलगन बनी रहने से निगम, फायर ब्रिगेड और प्रशासन की टीमें लगातार राहत कार्य में जुटी रहीं। आग बुझाने के लिए अब तक दो लाख लीटर से अधिक पानी का इस्तेमाल किया जा चुका है, जबकि जेसीबी मशीनों की मदद से कचरे को हटाकर भीतर तक पहुंचने की कोशिश जारी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह ट्रेचिंग ग्राउंड से लगे खेतों में पराली जलाना माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि खेत से उड़ी चिंगारी या जलता तिनका कचरे के ढेर तक पहुंचा, जिससे आग भड़क गई।

धमतरी शहर में चार महीने में 25 मोटर पंप खराबे

धमतरी। भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर ने धमतरी शहर की जलापूर्ति व्यवस्था की पोल खोल दी है। शहर में हालात ऐसे हैं कि पिछले चार महीनों में 25 मोटर पंप खराब हो चुके हैं और 40 से अधिक बोर सूख गए हैं। कई वार्डों में पानी का संकट इतना गहरा गया है कि लोग टैंकरों के भरोसे जीवन जीने को मजबूर हैं। वहीं गोकुलपुर सहित अन्य वार्डों में नगर निगम की कोशिशों के बावजूद बोर में 30 से 40 फीट अतिरिक्त पाइप बढ़ाने के बाद भी पानी नहीं निकल पा रहा है जिससे जल संकट और गंभीर होता जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक 15/न.पा.नि./जोन क्रमांक–06/2026–27 रायपुर, दिनांक 26/05/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई–रजिस्ट्रेशन 'डी' एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था / एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा 'अ' में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं 'ब' में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक–पृथक आमंत्रित की जाती है।

संबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 09/06/2026 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनाँक 16/06/2026 तक पंजीकृत डॉक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनांक 17/06/2026 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली–जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समया अवधि
1	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाड क्र. 61 अंतर्गत भाठागांव अवधपुरी क्षेत्र में मनोरमा दुबे के मकान से दिनेश दुबे के मकान तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	प्रथम	विकास शुल्क	8.20	6200.00	750.00	PWD ROAD SOR 01.01.2015	2 माह
2	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाड क्र. 61 अंतर्गत भाठागांव बंजारी नगर विभिन्न गलियों में सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	प्रथम	विकास शुल्क	9.81	7400.00	750.00	PWD Building/ Road SOR 01.01.2015	2 माह
3	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाद्व क्र. 61 अंतर्गत भाठागांव आनंद विहार में जानकी शंकर सदन गली में सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	प्रथम	विकास शुल्क	9.50	7200.00	750.00	PWD ROAD SOR 01.01.2015	2 माह

– कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:–

लिफाफा 'अ' में :– (1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर . (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति। (2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति (4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षो का ITR एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का GSTR की प्रति।

लिफाफा 'ब' में :– (1) निविदा प्रपत्र

शर्ते :– (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Tax Clearance Certificate) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

(निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस में आकर प्राप्त की जा सकती है)

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक–06
नगर पालिक निगम, रायपुर

दैनिक प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :–
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// सूचना–प्रकाशन //

क्रमांक/क/वाचक/अति. तहसीलदार/2026
रायपुर, दिनांक 20/05/2026

प्रति,

1. कविता संहकारी गृह निर्माण समिति द्वारा प्रबंधक कृष्ण कुमार गहरे पिता मंतराम गहरे निवासी–संतोषी नगर मठपुरैना रायपुर छ.ग.
2. सुखराम पिता पुनऊ निवासी–भूमिस्वामी कृषि भूमि

विषय :– राजस्व मामला क्रमांक /.../अ–6/वर्ष 2025–2026 पक्षकार श्री हेमलाल वर्मा विरूद्ध छ.ग. शासन्, ग्राम–तेलीबांधा, प.ह.नं. 64, तहसील व जिला रायपुर में पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित होने बाबत्।

–00–

विषयांकित संबंध में आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हेमलाल वर्मा पिता श्री प्रभुलाल वर्मा निवासी ग्राम व पोस्ट नरदहा रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में छत्तीसगढ़ भू–राजस्व संहिता 1959 की धारा 110, के अंतर्गत् आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम–तेलीबांधा, प.ह.नं. 64, रा.नि.नं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 323 का भाग, रकबा 1500 वर्गफुट भूमि को आवेदक ने विक्रेता कविता सहकारी गृह निर्माण समिति द्वारा प्रबंधक कृष्ण कुमार गहरे पिता मंतराम गहरे निवासी संतोषी नगर मठपुरैना रायपुर छ.ग. से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 28/04/1993 के माध्यम से कय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को विक्रेता कविता सहकारी गृह निर्माण समिति के द्वारा प्रबंधक कृष्ण कुमार गहरे पिता मंतराम गहरे ने पूर्व विक्रेता पुनऊराम पिता लक्ष्मण निवासी तेलीबांधा रायपुर से खसरा नंबर 323 रकबा 2.666हे. भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25/11/1982 को कय किया गया है। क्रय पश्चात् उपरोक्त भूमि का नामांतरण अज्ञानतावश नहीं कराया गया। अवलोकन पश्चात् ज्ञात हुआ कि उक्त आवेदित भूमि पूर्व विक्रेता पुनऊराम पिता लक्ष्मण के पुत्र सुखराम द्वारा अपने नाम पर नामांतरण करवा लिया गया है। इस प्रकार उपरोक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत बैनामा के आधार पर राजस्व अभिलेख में आवेदक अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

उक्त प्रकरण में आवेदित भूमि के आप विकेता/भूमिस्वामी हैं, इसलिए आपको सूचित किया जाता है कि आप प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 28/05/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला– रायपुर (छ.ग.)

–: ईश्तहार :–

क्रमांक..... /वाचक/तह./2026
मंदिर हसौद, दिनांक 26.05.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक पुष्पा देवी पति आर.एस. पुरोहित, निवासी–11/1, सिंधी ओलोंय मार्ग, जरहाभाटा, बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम सेमरिया, प.ह.नं.–01, रा.नि.मं.–चंदखुरी, तहसील–मंदिर हसौद, जिला–रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 767 का भाग, 768 का भाग, 769 का भाग, 770 का भाग रकबा क्रमशः 10, 885, 1254, 158 वर्गफुट कुल खसरा नंबर 3 कुल रकबा 2307 वर्गफुट भूमि को आवेदक के द्वारा क्रय किया गया है जो ना.क्र. 123 आदेश दिनांक 14.10.2017 के अनुसार आवेदक के नाम पर दर्ज है है परंतु ऑनलाईन रिकार्ड मे विक्रेता के नाम पर दर्ज है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के वर्तमान राजस्व अभिलेख से विक्रेता का नाम विलोपित कर आवेदक अपना नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 10.06.2026 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 26.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
मंदिर हसौद, (छत्तीसगढ़)

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता रमेश कुमार जंघेल पिता चमरू राम जंघेल, निवासी– 303/13, मुर्रा भट्टी, पार्वती नगर, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं:–

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरी पुत्री– तृषा जंघेल का जन्म दिनांक 12/10/2018 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या– 2018–01–027053 एवं पंजीकरण दिनांक 23/12/2018 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र के पिता अर्थात् मेरा नाम– रमेश जंघेल दर्ज है, जो कि मेरा अधूरा नाम है।

4. यह कि, मेरा पूरा सही नाम– रमेश कुमार जंघेल (RAMESH KUMAR JANGHEL) है, जो कि मेरा पूरा सही नाम है।

5. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरा अधूरा नाम रमेश जंघेल को सुधार कर पूरा सही नाम– रमेश कुमार जंघेल (RAMESH KUMAR JANGHEL) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन:–

मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 5 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

शपथकर्ता
रमेश कुमार जंघेल

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार//

क्रमांक / / अ–6/2025–26
रायपुर, दिनांक 21/05/2026

ग्राम रायपुरा प.ह.नं. 57,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक हेमराज साहू पिता नंदकुमार साहू निवासी – हाउस नं. 170, मैना रेस्टोरेंट होटल चंगोराभाठा, डॉ खूबचंद बघेल वार्ड नं. 67 चंगोराठाभा सुन्दर नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम रायपुरा प.ह.नं. 57 रा.नि.म. रायपुर 01 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि भूखण्ड क्रमांक 93 रकबा 143.50 वर्गमीटर खसरा नंबर 87 के भाग को आवेदक द्वारा विक्रेता अर्चना अग्रवाल पति सतीश अग्रवाल से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 07/11/2025 के माध्यम से क्रय किया गया। अतः उक्त आवेदित भूमि में विक्रेता का नाम विलोपित कर पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 08/06/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता जीनस कुमार सिंह पिता स्व. श्री चन्द्रभानु सिंह निवासी ईस्ट टेलीफोन एक्स चेज के पास पंचशील नगर चरोदा भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग) जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करता/करती हूँ कि:–

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2. यह कि मेरे पुत्र– जोएल कुमार सिंह का जन्म दिनांक 23/11/2019 पंजीकरण संख्या 2019–01–033456 रजि. दिनांक 25–12–2019 है। जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र पिता का नाम– जीनस सिंह (JEENAS SINGH) माता का नाम – श्रीमति यूनीषा सिंह (SMT. UNISHA SINGH) लिखा व दर्ज है। जो कि पिता का नाम त्रुटिपूर्ण गलत है।

3. यह कि उक्त जन्म पत्र में पुत्र – जोएल कुमार सिंह (JOEL KUMAR SINGH) का पिता का नाम– जीनस कुमार सिंह (JEENAS KUMAR SINGH) माता का नाम– श्रीमति यूनीषा सिंह (SMT. UNISHASINGH) लिखा व दर्ज कर / सुधार कर डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावें। जिस हेतु माता पिता का आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न प्रस्तुत है। तत् संबंध में यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पत्र के माध्यम से यह सत्यापित करता/करती हूं कि ऊपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
जीनस कुमार सिंह

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता रविन्द्र कुमार साहू पिता श्री प्रेमचंद साहू निवासी– एम.आई.जी 505 ब्लॉक नं. 03 जी–10 बिल्डिंग हिमालयन हाईट्स छ.ग. हाउसिंग बोर्ड डुमरतराई रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग) जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ कि:–

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2 यह कि मेरे पुत्र– अमय साहू का जन्म दिनांक 01–05–2024 पंजीकरण संख्या बी 20242290434000 5190 रजि. दिनांक 31–05–2024 है। जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम–प्रणीत साहू (PRANEET SAHU) पिता श्री रविन्द्र कुमार साहू (RAVINDRA KUMAR SAHU), माता का नाम श्रीमति किरण साहू (SMT. KIRAN SAHU) लिखा व दर्ज है। जो कि त्रुटिपूर्णगलत है।

3. यह कि उक्त जन्म पत्र में पुत्र का सही नाम– अमय साहू (AMAY SAHU) पिता श्री रविन्द्र कुमार साहू (RAVINDRA KUMAR SAHU), माता का नाम– श्रीमति किरण साहू (SME KIRAN SAHU) लिखा व दर्ज कर / सुधार कर डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र किया जावें। जिस हेतु यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पत्र के माध्यम से यह सत्यापित करता हूं कि ऊपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
रविन्द्र कुमार साहू

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता संतराम लहरे पिता विजय शंकर लहरे निवासी– मकान नं. 281, मुकुनद नगर, वार्ड नं. 22, भिलाई, दुर्ग (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :–

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरे पुत्र का जन्म दिनांक – 17/06/2024 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या – बी20242290202000 4281 एवं पंजीकरण दिनांक 16/08/2024 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम– शिवम कुमार लहरे (SHIVAM KUMAR LAHRE) दर्ज है, जिसे मेरे द्वारा परिवर्तित कर नया नाम– राघव लहरे (RAGHAV LAHARE) रख दिया गया है, जिसे मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाना चाहता हूं।

4. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरे पुत्र का पूर्व नाम– शिवम कुमार लहरे (SHIVAM KUMAR LAHRE) को विलोपित कर नया परिवर्तित नाम– राघव लहरे (RAGHAV LAHARE) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन:–

मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 4 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

शपथकर्ता
संतराम लहरे

आम सूचना

(खसरा नं. 411/105, रकबा 0.523 हेक्टर जो कि मौजा मुरू, पं.ह.नं. 35, रा.म.नि. अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित व्यावसायिक संपत्ति के सबंध मे)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार, यश बैंक लिमिटेड के समक्ष श्री सुदीप चौरसिया पिता श्री शंकर प्रसाद चौरसिया ने अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यावसायिक संपत्ति को बंधक में रखकर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है। उपरोक्त संपत्ति का पूर्व विक्रय विलेख को क्रेता श्री पोखराज गोस्वामी ने विक्रेता श्रीमती भुखया पाल पति श्री मानाराम पाल से दिनांक 28/10/2020 का ग्रंथ क्रमांक 2274, दस्तावेज क्रमांक 1737 देकर उपपंजीयक कार्यालय, तखतपुर जिला बिलासपुर में पंजीकृत किया गया था जो की कहीं गुम हो गया हैं। उक्त गुमा पूर्व विक्रय विलेख के संबंध में दिनांक 26/05/2026 को हिर्री थाना, जिला बिलासपुर को सुचना दी जा चुकी है।

अतः उपरोक्त वर्णित सव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, फर्म, संस्था, बैंक, महाजन, शासकोय एवं अर्धशासकीय निकाय इत्यादि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर मय दस्तावेज के साथ मेरे कार्यालय में प्रत्यक्ष रुप से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावे। समयावधि बीतने के पश्चात् की गई आपत्ति अवैध एवं शून्य समझी जावेगी। तथा मेरे पक्षकार पर लागू एवं बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जानें।

दिनांक 27/05/2026
स्थान रायपुर

आशुतोष मिश्रा (अधिवक्ता)
आफिस–एफ–3, मॉर्डन कॉमप्लेक्स, लालगंगा सिटी मार्ट के बाजू, रायपुर छ.ग.
मो. 94255–48998
आफिस फोन नं. 0771–2222042

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. A–86 का आधा हिस्सा 734.37 वर्गफीट श्री राजकुमार ओचवानी पिता स्व. माधवदास ओचवानी, के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 5664 दिनांक 27.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 11.12.2012 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत दिनांक 05.08.2021 को हस्तांतरण विलेख (फ्री–होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त दुकान का आधा हिस्सा 734.37 वर्गफीट को क्रेता श्री मोहन लाल माधवानी पिता स्व. श्री चोईथ राम माधवानी, निवासी–सी–2, 29/7, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 19.03.2025 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्री मोहन लाल माधवानी पिता स्व. श्री चोईथ राम माधवानी, द्वारा उक्त दुकान के आधे हिस्से 734.37 वर्गफीट को विक्रय विलेख पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त दुकान के आधे हिस्से 734.37 वर्गफीट को नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में 'द' दुकान (भूतल +1) दुकान क्रमांक–02, श्री परमानंद सजनानी पिता श्री ईश्वर दास सजनानी, निवासी:–सी–64/65, प्रमिला गृह निर्माण समिति, अशोका रतन के सामने, खम्हारडीह, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्र.–B-134, श्री संदीप अग्रवाल पिता स्व. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, निवासी:–म. नं.–डी–100, सेक्टर–04, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित 'अ' (सुविधा) कार्नर दुकान क्र.–24, श्री सुनील लालवानी पिता श्री अशोक कुमार लालवानी के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 8328 दिनांक 13.07.2015 द्वारा ऑफर आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 28.03.2017 को सेलडीड पंजीकृत उपरांत दिनांक 10.03.2022 को हस्तांतरण विलेख (फ्री–होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त दुकान को क्रेता श्रीमती बबिता केवलानी पति श्री दिलीप कुमार केवलानी, निवासी–हाउस नं. बी–6, गोल्डन ईस्टेट, गोमती विहार, अमलीडीह, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 08.05.2026 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्रीमती बबिता केवलानी पति श्री दिलीप कुमार केवलानी द्वारा उक्त दुकान को अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त दुकान को फ्री–होल्ड उपरांत नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, रायपुर (छ.ग.)

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

जिला अस्पताल पहुंचीं कलेक्टर, मरीजों से संवाद कर परखी व्यवस्थाएं

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने विगत दिवस देर शाम जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं अस्पताल प्रबंधन व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न वार्डों, आपातकालीन ओपीडी, उपचार कक्षों एवं आवश्यक सेवाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उपचार, दवाइयों की उपलब्धता, अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं पर फीडबैक भी लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर उपचार एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जनरल वार्ड, महिला वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रसूता महिलाओं से चर्चा कर महिलाओं को डिलीवरी के बाद शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं तथा पोषण संबंधी लाभों की जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एसएनसीयू कक्ष पहुंचीं जहां उन्होंने नवजात शिशुओं को उपलब्ध कराई जा रही उपचार एवं देखभाल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मौजूद चिकित्सकों एवं स्टाफ से भर्ती शिशुओं के स्वास्थ्य एवं उपचार सुविधाओं की जानकारी ली तथा नवजात शिशुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल की रसोई कक्ष में पहुंच मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं भोजन वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों को निर्धारित मेनू अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन समय पर उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों को साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने डायलिसिस रूम पहुंचकर वहां उपलब्ध मशीनों, उपचार व्यवस्था एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने नियमित रूप से मशीनों के रख–रखाव एवं मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एक्स–रे रूम का निरीक्षण कर उपकरणों की स्थिति एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होने तकनीकी स्टाफ की उपस्थिति और प्रतिदिन लाभान्वित होने वाले मरीजों की संख्या के बारे जानकारी ली।

अस्पताल से निकलने वाले जैव–चिकित्सीय अपशिष्ट के सुरक्षित निष्पादन एवं रख–रखाव बारीकी से अवलोकन करते हुए कलेक्टर ने संबंधित के अनुसार अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के को कहा। उन्होंने पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा के दृष्टिगत कचरे के सही वर्गीकरण और निष्पादन के निर्देश दिए।

अवैध रूप से भंडारित पेट्रोल-डीजल व पीडीएस चावल जब्त

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में आवश्यक वस्तुओं के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर चेतन साहू के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम द्वारा ग्राम राधाकृष्णनगर में कार्रवाई करते हुए एमएस महामाया किराना एंड जनरल स्टोर में अवैध रूप से भंडारित डीजल, पेट्रोल एवं पीडीएस चावल जब्त किया गया।

जांच के दौरान दुकान संचालक अशोक डे की दुकान में 2 ड्रम में लगभग 400 लीटर डीजल, 4 गैलन में लगभग 70 लीटर पेट्रोल तथा लगभग 32 बोरी पीडीएस चावल अवैध रूप से भंडारित पाया गया। प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त सामग्री को जब्त कर चौकी गणेश मोड को सुपुर्द किया गया। साथ ही प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

गौरतलब है कि कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अवैध भंडारण, कालाबाजारी एवं आवश्यक वस्तुओं के अनियमित भंडारण के विरुद्ध सतत निगरानी एवं कार्रवाई जारी है। अपर कलेक्टर ने कहा है कि आवश्यक वस्तुओं के अवैध भंडारण, कालाबाजारी एवं अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नायब तहसीदार रवि भोजवानी सहित संयुक्त टीम मौजूद रहे।

राजपुर में ऊंची नाली से राहत सांसद चिंतामणि महाराज की पहल पर होगा सुधार कार्य

राजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पंचायत राजपुर में मुख्य मार्ग और आवासीय क्षेत्रों में निर्माणाधीन नाली की अत्यधिक ऊंचाई से परेशान स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। क्षेत्रवासियों की शिकायत पर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर नाली की ऊंचाई कम कराने के निर्देश दिए हैं।

बताया जा रहा है कि नाली की ऊंचाई अधिक होने के कारण दुकानदारों, राहगीरों और मकान मालिकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों द्वारा समस्या से अवगत कराए जाने के बाद सांसद चिंतामणि महाराज ने अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्था सुधारने की पहल की। सांसद ने दिल्ली में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर राजपुर की वास्तविक स्थिति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बारिश से पहले नगर की खराब सड़कों पर पैच रिपेयरिंग का कार्य कराया जाएगा तथा जिन स्थानों पर मिट्टी का कार्य पूर्ण हो चुका है वहां जेएसबी बिछाने का काम किया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान आवागमन सुचारु बना रहे। सांसद की पहल के बाद क्षेत्र के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय रेस्ट हाउस में उनसे मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान नागरिकों ने कहा कि नाली की ऊंचाई कम होने से अब लोगों को घरों और दुकानों तक पहुंचने में होने वाली दिक्कतों से राहत मिलेगी।

क्षेत्रवासियों ने सांसद की जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए कहा कि वे हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील रहते हैं।

हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग का आरोप, मां-बेटी गिरफ्तार

सूरजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सूरजपुर जिले के भटगांव थाना क्षेत्र में हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग के आरोप में पुलिस ने मां बेटी को गिरफ्तार किया है, है। आरोपी महिलाओं पर शादी का झांसा देकर युवक को फंसाने, मानसिक प्रताड़ना देने और पैसे की मांग करने का आरोप है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना भटगांव में अपराध बीएनएस की धारा 308(2), 308(6), 351(3), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्रार्थी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि महिला ने पहले मोबाइल पर संपर्क कर उसे अपने किराये के मकान सूरजपुर बुलाया। वहां शराब पिलाकर कुछ आपत्तिजनक वीडियो बना लिए और बाद में शादी का दबाव बनाते हुए लगातार पैसों की मांग करने लगी।

शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपी महिला पूर्व में भी कई लोगों को इसी तरह हनी ट्रैप में फंसा चुकी है। प्रार्थी ने लोकलाज और पारिवारिक कारणों से शुरुआत में शिकायत नहीं की, लेकिन लगातार मानसिक प्रताड़ना और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पुलिस से मदद मांगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत ठाकुर के निर्देशन में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य और कॉल डिटेल के आधार पर 23 मई को आरोपी मां–बेटी निवासी दोनों श्यामनगर भटगांव को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त मोबाइल भी जब्त किया गया है।

पुलिस ने मां–बेटी को गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

कलेक्टर ने किया संयुक्त जिला कार्यालय का निरीक्षण

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने संयुक्त जिला कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यालयों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व, शिक्षा, भू–अभिलेख, आबकारी, श्रम, जिला सांख्यिकी, रीडर कक्ष, निर्वाचन शाखा सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों से कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी–कर्मचारियों की जानकारी ली तथा कार्यालय की साफ–सफाई, दस्तावेजों का संधारण, नियमित रूप से करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने बिना सूचना के अनुपस्थित अधिकारी–कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने विभाग प्रमुखों से अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति का नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, आर. एन. पाण्डेय एवं जिला कार्यालय प्रमुख सहित अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित थे।

डीएमएफ से बदलेगी खनन प्रभावित क्षेत्रों की तस्वीर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, सिंचाई एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए संचालित विकास कार्यों की कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने गहन समीक्षा की। उन्होंने जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को सभी कार्य गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ समय–सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 की वार्षिक कार्ययोजना पर भी व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान लगभग 1250 से अधिक विकास कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने कहा कि डीएमएफ मद की राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विकास और जनजीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है, इसलिए कार्यों का चयन स्थानीय आवश्यकताओं और जनहित को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करने तथा कार्यों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले उपलब्ध समय का उपयोग करते हुए प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि अधिक से अधिक कार्य पूर्ण किए जा सकें। उन्होंने नए स्वीकृत कार्यों के वर्क ऑर्डर तक की प्रक्रिया सितंबर माह तक पूरा करने के निर्देश दिए, जिससे आगामी वर्ष बारिश पूर्व विकास कार्यों को धरातल पर उतारा जा सके।

एनएचएम भर्ती प्रक्रिया में लापरवाही पर सीएमएचओ और डीपीएम को कारण बताओ नोटिस

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संविदा भर्ती प्रक्रिया में हुई देरी और प्रशासनिक लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा स्वीकृत में अनुमति प्राप्त होने के बावजूद निर्धारित समयावधि में पदपूर्ति नहीं की जा सकी। जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं है। नोटिस का जवाब 03 दिनों के भीतर प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार कार्यवाही की एवं संचारी रोग कार्यक्रम के अंतर्गत मरीजों की लिए भूमि आबंटन तथा भवन निर्माण, झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध कार्रवाई, टीकाकरण एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी शिथिलता पर नाराजगी व्यक्त की गई है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में जारी है नियमित खाद्यान्न वितरण व्यवस्था

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में वर्तमान में कुल 666 शासकीय उचित मूल्य दुकानें संचालित हैं, जिनमें 571 दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी दुकानों को प्रत्येक कार्य दिवस पर खोलकर हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विभागीय जानकारी के अनुसार शासन के निर्देशानुसार अप्रैल 2026 से जून 2026 तक तीन माह का एकमुश्त चावल वितरण किया जा रहा है। जिले में लगभग 101 प्रतिशत राशनकार्डधारी हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके साथ ही 'वन नेशन वन राशन कार्ड' एवं पोर्टेबिलिटी व्यवस्था के माध्यम से अन्य राज्यों एवं जिलों से आने वाले हितग्राहियों को भी खाद्यान्न वितरण की सुविधा दी जा रही है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से संचालित होती है। हितग्राही को खाद्यान्न जारी होने की स्थिति में ही ई–पॉस मशीन से स्टॉक कम होता है, जिससे वितरण व्यवस्था पारदर्शी बनी रहती है। विभागीय जानकारी के अनुसार अप्रैल माह में नागरिक आपूर्ति निगम के प्रदाय केंद्रों में चना एवं शक्कर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं होने के कारण कुछ दुकानों में इन सप्ताह में किया गया। शासन द्वारा शक्कर, नमक एवं चना वितरण की अवधि 15 मई तक निर्धारित किए जाने के कारण ग्राम पंचायतों में मुनादी कराकर हितग्राहियों तक सामग्री वितरण कराया गया। इस संबंध में जिले के सभी सहायक खाद्य अधिकारियों एवं खाद्य निरीक्षकों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए गए थे।

कृषि विभाग की योजना बनी सहारा, हिरादेवी साहू ने शुरू किया स्वरोजगार

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

धमतरी जिले के ग्राम भोंठाडीह की निवासी श्रीमती हिरादेवी साहू आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। कृषि को जीवन का आधार मानने वाली हिरादेवी साहू वर्षों से पारंपरिक खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती रही हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच के बल परिवर्तन लाया है। कृषि विभाग मिनी राइस मिल ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि पूरे गांव के किसानों के लिए भी नई सुविधा और अवसरों के द्वार खोले हैं।

आबादी भूमि पर बने मकान को तोड़ने और जमीन पर कब्जे का आरोप

बलौदाबाजार, (प्रतिदिन राजधानी)

बलौदाबाजार–भाटापारा जिले के पलारी तहसील के अंतर्गत ग्राम गिर्रा में आबादी भूमि पर बने एक पुराने मकान को ढहाने और उसके बाद उस जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित बुजुर्ग ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) पलारी को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

ग्राम गिर्रा निवासी आशाराम वर्मा (पिता मोती राम वर्मा) द्वारा 7 मई 2026 को पलारी एसडीएम कार्यालय में सौंपे गए आवेदन (आवक क्रमांक 6751/26) के अनुसार, वे ग्राम गिर्रा के खसरा नंबर 49/4 (रकबा 0.057 हेक्टेयर) स्थित आबादी भूमि पर पिछले लगभग 45 वर्षों से कोठार बनाकर निवास कर रहे थे।

शिकायतकर्ता आशाराम वर्मा का आरोप है कि 14 दिसंबर 2025 को बस्ती पंचायत द्वारा उनके मकान को अतिक्रमण बताते हुए गिरा दिया गया। पीड़ित का कहना है कि वर्ष 2007–08 में गांव के लोगों को आबादी भूमि का वितरण किया गया था, लेकिन इसके 18 साल बाद अचानक बिना किसी पूर्व सूचना या पंचायत से कोई ठोस प्रस्ताव पारित किए उनका मकान तोड़ दिया गया। पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने इस संबंध में सरपंच से चर्चा की तो उन्हें बताया गया कि जमीन पर तोड़फोड़ नहीं करने का प्रस्ताव तहसील कार्यालय भेजा गया था, इसके बावजूद यह कार्रवाई की गई।

बुजुर्ग ने शिकायत में यह भी बताया कि मकान टूटने के बाद उन्होंने अपने मवेशियों के चारे और लकड़ियों की सुरक्षा के लिए उक्त स्थान पर एक घेरा बना लिया था। आरोप है कि 3 मई 2026 को गांव के ही राजाराम यादव, पुरुषोत्तम यादव और रमेश फेकर नामक व्यक्तियों ने जेसीबी मशीन लाकर उनके सामान और घेरे को हटा दिया तथा वहां तार फेंसिंग कर जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया।

पीड़ित आशाराम वर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि उक्त आबादी भूमि पर किए गए अवैध तार घेराव को तत्काल हटाया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कर उनके साथ अन्याय करने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए।शिकायतकर्ता आशाराम वर्मा का आरोप है कि 14 दिसंबर 2025 को बस्ती पंचायत द्वारा उनके मकान को अतिक्रमण बताते हुए गिरा दिया गया। पीड़ित का कहना है कि वर्ष 2007–08 में गांव के लोगों को आबादी भूमि का वितरण किया गया था, लेकिन इसके 18 साल बाद अचानक बिना किसी पूर्व सूचना या पंचायत से कोई ठोस प्रस्ताव पारित किए उनका मकान तोड़ दिया गया। पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने इस संबंध में सरपंच से चर्चा की तो उन्हें बताया गया कि जमीन पर तोड़फोड़ नहीं करने का प्रस्ताव तहसील कार्यालय भेजा गया था, इसके बावजूद यह कार्रवाई की गई। बुजुर्ग ने शिकायत में यह भी बताया कि मकान टूटने के बाद उन्होंने अपने मवेशियों के चारे और लकड़ियों की सुरक्षा के लिए उक्त स्थान पर एक घेरा बना लिया था। आरोप है कि 3 मई 2026 को गांव के ही राजाराम यादव, पुरुषोत्तम यादव और रमेश फेकर नामक व्यक्तियों ने जेसीबी मशीन लाकर उनके सामान और घेरे को हटा दिया तथा वहां तार फेंसिंग कर जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया।

पीड़ित आशाराम वर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि उक्त आबादी भूमि पर किए गए अवैध तार घेराव को तत्काल हटाया जाए ।

बिना मुआवजे निजी जमीन पर बना दी सड़क हाईकोर्ट ने आरडीए को लगाई फटकार

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

निजी जमीन पर सड़क निर्माण कर मुआवजा नहीं देने के मामले में हाईकोर्ट ने रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा है कि यदि जांच में सड़क निर्माण की पुष्टि होती है, तो संबंधित जमीन का विधिवत अधिग्रहण कर मालिक को उचित मुआवजा दिया जाए।

मामला रायपुर के रायपुरा गांव की जमीन से जुड़ा है। याचिकाकर्ता हनुमान प्रसाद ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में बताया कि आरडीए ने अपनी आवासीय योजना के निर्माण के दौरान उनकी निजी भूमि पर सड़क बना दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तब स्थानीय प्रशासन और आरडीए ने मौके पर पहुंचकर सीमांकन और जांच कराई।जांच में यह बात सामने आई कि संबंधित जमीन पर वास्तव में सड़क का निर्माण किया गया है, लेकिन जमीन मालिक को किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया गया। इससे नाराज होकर हनुमान प्रसाद ने हाईकोर्ट की शरण ली।

मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आरडीए और स्थानीय प्रशासन को नए सिरे से सीमांकन करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि पुनः जांच में सड़क निर्माण की पुष्टि होती है, तो संबंधित भूमि के अधिग्रहण की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाए और जमीन मालिक को नियमानुसार मुआवजा दिया जाए।

जांच में यह बात सामने आई कि संबंधित जमीन पर वास्तव में सड़क का निर्माण किया गया है, लेकिन जमीन मालिक को किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया गया। इससे नाराज होकर हनुमान प्रसाद ने हाईकोर्ट की शरण ली।

मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आरडीए और स्थानीय प्रशासन को नए सिरे से सीमांकन करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि पुनः जांच में सड़क निर्माण की पुष्टि होती है, तो संबंधित भूमि के अधिग्रहण की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाए और जमीन मालिक को नियमानुसार मुआवजा दिया जाए।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार 28 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

ट्रंप के दबाव के बावजूद 'अब्राहम समझौते' में शामिल होने से पाकिस्तान का इनकार

पासपोर्ट बदलना है बड़ी वजह

इस्लामाबाद/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'अब्राहम समझौते' में शामिल होने के दबाव को पाकिस्तान ने सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया है कि इस्राइल को लेकर उसकी दीर्घकालिक नीति में कोई बदलाव नहीं होगा और वह ऐसी किसी मांग को मानने के लिए बाध्य नहीं है। दरअसल, यदि पाकिस्तान इस समझौते को स्वीकार करता है, तो उसे घरेलू स्तर पर लोगों की भारी नाराजगी झेलनी पड़ेगी। साथ ही, उसे अपने पासपोर्ट में भी बड़े और अहम बदलाव करने होंगे।

पासपोर्ट में क्यों करना पड़ेगा बदलाव?

यदि पाकिस्तान अब्राहम समझौते का हिस्सा बनता है, तो उसे तत्काल अपना नया पासपोर्ट जारी करना होगा। वर्तमान में पाकिस्तानी नागरिकों को इस्राइल की यात्रा करने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है। पाकिस्तानी पासपोर्ट पर स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि 'यह पासपोर्ट इस्राइल को छोड़कर दुनिया के सभी देशों की यात्रा के लिए मान्य है।'

यदि पाकिस्तान अमेरिकी दबाव में इस समझौते को अपनाता है, तो उसे पासपोर्ट से इस्राइल पर प्रतिबंध वाले खंड को हटाना होगा। यह बदलाव सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं होगा; इसके साथ वीजा, आव्रजन (इमिग्रेशन) नियम और कांसुलर पहुंच जैसी कई अहम चीजों में भी बदलाव करना पड़ेगा, जो पाकिस्तान की विदेश नीति में एक बहुत बड़ा उलटफेर होगा।

अब क्यों चर्चा में है यह समझौता?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट के बाद यह मुद्दा फिर गरमा गया है। ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिका चाहता है कि मुस्लिम बहुल देश इस्राइल के साथ अपने संबंधों को सामान्य करें। ट्रंप का प्लान है कि जैसे ही ईरान के साथ कोई डील फाइनल होती है, उसके तुरंत बाद सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन जैसे देश भी अब्राहम समझौते का हिस्सा बन जाएं। ट्रंप का दावा है कि इस समझौते में शामिल होने वाले देशों में भारी आर्थिक और सामाजिक प्रगति देखने को मिली है।

क्या है अब्राहम समझौता?

यह समझौता वर्ष 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से लाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य इस्राइल और अरब देशों के बीच कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को सामान्य बनाना है। इससे पहले अरब देशों की शर्त हुआ करती थी कि जब तक फलस्तीन के मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता, वे इस्राइल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देंगे।

हालांकि, इस समझौते ने पुरानी परंपरा को तोड़ दिया और व्यापार, निवेश व रक्षा सहयोग को सर्वोपरि रखा। वर्तमान में इस समझौते में छह देश शामिल हैं। वर्ष 2020 में इसकी शुरुआत इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन के हस्ताक्षरों के साथ हुई थी। बाद में मोरक्को और सूडान भी इसका हिस्सा बने। वहीं, 2025 में कजाखस्तान ने भी औपचारिक रूप से इस समूह को जॉइन कर लिया है।

उत्तर कोरिया ने किया नई परमाणु क्रूज मिसाइलों का परीक्षण

- किम जोंग उन ने की निगरानी; अमेरिका से वार्ता खारिज, रूस-चीन से बढ़ाई करीबी

सियोल। उत्तर कोरिया ने सैन्य ताकत बढ़ाते हुए परमाणु क्षमता वाली क्रूज मिसाइल, नए वॉरहेड, बैलिस्टिक मिसाइल और रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम का परीक्षण किया है। सरकारी मीडिया के अनुसार, शासक किम जोंग उन ने स्वयं इन परीक्षणों की निगरानी की और हथियारों के प्रदर्शन पर संतोष जताया।

दक्षिण कोरिया सीमा के लिए तैयारी

ये क्रूज मिसाइलें दक्षिण कोरियाई सीमा के पास तैनात लंबी दूरी की आर्टिलरी इकाइयों के लिए तैयार की जा रही हैं। दक्षिण कोरिया की सेना ने भी पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में 80 किलोमीटर तक मार करने वाली कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की है। किम ने सैन्य अधिकारियों को सीमा को अभेद्य किला बनाने और तोपखाना बलों को तेजी से आधुनिक करने के निर्देश दिए हैं।

दक्षिण कोरिया सबसे बड़ा दुश्मन, रूस से दोस्ती

2019 में अमेरिका से वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया हथियार कार्यक्रम तेज कर रहा है। उसने दक्षिण कोरिया को अपना सबसे बड़ा दुश्मन घोषित कर पुराने संबंध खत्म कर दिए हैं। अब प्योंगयांग का झुकाव रूस और मुख्य सहयोगी चीन की तरफ है। यूक्रेन युद्ध के लिए उत्तर कोरिया रूस को सैनिक और हथियार मुहैया करा रहा है।

अमेरिका की शर्त नामंजूर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बातचीत के प्रस्तावों को उत्तर कोरिया ने नजरअंदाज कर दिया है। प्योंगयांग ने स्पष्ट किया है कि जब तक अमेरिका परमाणु निरस्त्रीकरण की शर्त नहीं हटाता, तब तक दोनों देशों के बीच किसी भी बातचीत की संभावना नहीं है।

कनाडा में फिर शर्मनाक हरकत:

खालिस्तानियों ने रोका भारतीय उच्चायुक्त का काफिला, तिरंगे का किया अपमान

- पुलिस बनी रही तमाशबीन, पन्नू के करीबी गोसल ने की ध्वज को रौंदने की कोशिश
- कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे उच्चायुक्त दिनेश पटनायक

जालंधर। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी ताकतों ने शर्मनाक हरकत की है।

वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया। इस पूरी घटना के दौरान कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस महज तमाशबीन बनी

दिखाई दी।

सुरक्षा घेरा तोड़कर गाड़ी के आगे आया कट्टरपंथी गोसल

यह घटना उस वक्त हुई जब भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वहां पहले से जमा खालिस्तानी समर्थकों ने काफिला पहुंचते ही माहौल को उग्र कर दिया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ लगातार भारत विरोधी नारे लगाती रही। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी।

गोसल ने लगाए झूठे आरोप

अपनी इस हरकत को सही ठहराने के लिए गोसल ने भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक जहर उगलते रहे। बता दें कि इंदरजीत सिंह गोसल खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम लगातार सामने आता रहा है।

उच्चायुक्त ने भ्रामक दावों को किया खारिज

घटना के बाद भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कनाडाई संस्थाओं पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत है और उनके नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का कोई आधार नहीं है।

हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और उनके भारत विरोध को वहां राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है।

भारतीय समुदाय में भारी आक्रोश

इस घटना को लेकर भारतीय समुदाय में भारी रोष है। कनाडा के निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है, मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इन ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है।

'गहरे अंधकार की ओर जा रहा बांग्लादेश'

ईद पर पूर्व पीएम शेख हसीना ने जताई चिंता

- महिलाओं व बच्चों के खिलाफ बढ़ती हिंसा, चरमराई अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था के पतन पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई देते हुए वर्तमान हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय में आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाइयों के दौर से गुजर रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश के नागरिकों के दर्द और पीड़ा पर गहरा दुख जताया है।

अवामी लीग के नेताओं पर हो रहे क्रूर हमले

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अवामी लीग द्वारा साझा किए गए एक बयान में शेख हसीना ने कहा कि पिछले 21 महीनों से उनकी पार्टी (अवामी लीग) के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी के कई सदस्य अभी भी जेलों में बंद हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी पर चेतावनी

पिछले सप्ताह भी अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हो रहे हमलों पर गंभीर चिंता जताई थी। पार्टी ने चेतावनी दी है कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक चलने वाली राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। पार्टी के अनुसार, जमीनी हालात यह बताते हैं कि अवामी लीग से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो।

असुरक्षा के साये में महिलाएं और बच्चे

इसी महीने की शुरुआत में अवामी लीग ने देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में हो रही चिंताजनक वृद्धि का मुद्दा उठाया था। पार्टी का कहना है कि देशभर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों से लेकर घरों तक में उनकी सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पूरी तरह तबाह

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल उनका राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि पूरा देश भारी पीड़ा सह रहा है। उन्होंने खसरा बीमारी से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु और महिलाओं व बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसा और बलात्कार की घटनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। शेख हसीना ने कहा कि देश में कानून-व्यवस्था का पूरी तरह पतन हो चुका है और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने बांग्लादेश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है।

बांग्लादेश के अस्पताल में एसी गैस लीक से छह नवजातों की मौत, जांच शुरू

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका के मोघबाजार स्थित अद-दीन अस्पताल में मंगलवार देर रात एक बड़ा हादसा पेश आया। एक वार्ड में एयर कंडीशनिंग सिस्टम से गैस लीक होने के चलते छह नवजातों की मौत हो गई।

सूत्रों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

सूत्रों ने रामना डिवीजन के डिप्टी पुलिस कमिश्नर शेख जाहिदुल इस्लाम के हवाले से इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अस्पताल के एक वार्ड में एसी सिस्टम में खराबी आने के बाद गैस रिसाव हुआ, जिसके बाद वहां भर्ती नवजातों की हालत बिगड़ती चली गई और छह की मौत हो गई।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि वार्ड में कुल 11 महिलाएं और उनके नवजात बच्चे भर्ती थे। शुरुआत में कुछ बच्चों की तबीयत बिगडने पर उन्हें एनआईसीयू में ले जाया गया, लेकिन बाद में उन्हें वापस वार्ड में शिफ्ट किया गया।

मरीजों के परिजनों ने आरोप लगाया कि रात में पर्याप्त डॉक्टर और नर्स मौजूद नहीं थे और समय पर बच्चों को जरूरी चिकित्सा नहीं मिल पाई।

मृतक नवजात की एक परिजन ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि बच्ची आईसीयू में है, लेकिन घंटों इंतजार के बाद पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) आयुक्त ने कहा कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि एसी बंद और फिर दोबारा चालू किए जाने के दौरान स्थिति बिगड़ी, जिसके बाद कई बच्चों की हालत गंभीर हो गई।

फिलहाल क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की टीम मौके पर जांच कर रही है, और घटना के कारणों की विस्तृत पड़ताल जारी है।

बांग्लादेश की चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था की गवाही खसरे का बढ़ता प्रकोप भी दे रहा है। खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। 15 मार्च 2026 से 26 मई (सुबह 8 बजे) तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) इसे लेकर रोज शाम को आंकड़ा जारी करता है। बच्चों की मौत पर यूनिसेफ भी फिक्र जताता रहा है।

विकास और प्रकृति का संरक्षण एक साथ संभव, सिक्किम ने किया साबित: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

- सिक्किम विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति
- राज्य के पूर्ण साक्षर बनने पर दी बधाई, महिलाओं के लिए पिंक बस को दिखाई हरी झंडी

गंगटोक। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि सिक्किम ने यह साबित कर दिया है कि विकास और प्रकृति का संरक्षण एक साथ चल सकते हैं। गंगटोक में सिक्किम विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने सिक्किम के 'पूर्ण साक्षर राज्य' बनने पर खुशी जताई और इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए राज्य सरकार व जनता को बधाई दी।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि सिक्किम अपनी प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और जैव विविधता के लिए खास पहचान रखता है। हिमालय की सबसे ऊंची चोटियों में शुमार कंचनजंगा यहां के लिए प्रकृति का अनमोल उपहार है, जिसे स्थानीय लोग रक्षक देवी के रूप में पूजते हैं। उन्होंने इस बात पर गर्व जताया कि वर्ष 2016 में सिक्किम भारत का पहला पूरी तरह से जैविक राज्य बना। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने, जैविक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण की रक्षा करने जैसी सिक्किम की पहल पूरे देश के लिए प्रेरणा है। अगर हर व्यक्ति स्वच्छता और प्रकृति के प्रति अपनी

जिम्मेदारी निभाए, तो देश तेजी से तरक्की कर सकता है।

पूर्वोत्तर का विकास देश की प्रगति के लिए अनिवार्य

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की समग्र प्रगति के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास बहुत जरूरी है। यहां के युवाओं में अपार प्रतिभा है।

उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे एकजुट होकर राष्ट्रीय विकास में अपना योगदान दें और अपनी योग्यता व समर्पण से समाज के वंचित वर्गों का जीवन बेहतर बनाएं। सिक्किम विश्वविद्यालय की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि एक शिक्षा केंद्र होने के साथ-साथ इस संस्थान पर क्षेत्र की भाषा, संस्कृति और पर्यावरण को सहेजने का भी विशेष दायित्व है।

छात्रों को दिया 2047 का लक्ष्य

शिक्षा को आत्मनिर्भरता का सबसे अहम साधन बताते हुए राष्ट्रपति ने छात्रों से आग्रह किया कि वे शिक्षा के जरिए खुद को सशक्त बनाएं। उन्होंने छात्रों को अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखने, दूसरों के ज्ञान से सीखने, मिलकर काम करने और अपने लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह दी। उन्होंने याद दिलाया कि देश 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी।

महिलाओं के लिए पिंक बस सेवा की शुरुआत

दीक्षांत समारोह से पहले, राष्ट्रपति ने गंगटोक में महिलाओं की सुविधा के लिए विशेष 'आमा दिदी बहिनी बस सेवा' (पिंक बसें) की शुरुआत की। इसके अलावा, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए ठोस कचरा प्रबंधन के लिए एक 'संसाधन पुनर्प्राप्ति वाहन' को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस्राइली हमले में हमास का सैन्य कमांडर मोहम्मद ओदेह ढेर, एक हफ्ते पहले ही संभाली थी कमान

- गाजा सिटी में आईडीएफ और खुफिया एजेंसी का जॉइंट ऑपरेशन
- 7 अक्तूबर के हमले का मास्टरमाइंड था ओदेह। रक्षा मंत्री ने कहा- 'साथियों के पास जहन्नुम भेज दिया।'

तेल अवीव/गाजा। इस्राइल ने गाजा सिटी में एक बड़ा ऑपरेशन करते हुए हमास के नए सैन्य कमांडर मोहम्मद ओदेह को मार गिराया है। ओदेह ने महज एक हफ्ते पहले ही हमास के सैन्य विंग की कमान संभाली थी। इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) और खुफिया एजेंसी शिन बेत के इस संयुक्त अभियान को हमास के सैन्य ढांचे पर एक तगड़ा प्रहार माना जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक, इस्राइली सेना और खुफिया एजेंसियां बीते कई महीनों से ओदेह की हर गतिविधि पर बारीक नजर रख रही थीं। आईडीएफ और शिन बेत के संयुक्त बयान में बताया गया कि गाजा सिटी में उन कई इमारतों पर रातभर बमबारी की गई,

जहां ओदेह और उसके करीबियों के छिपे होने की पुख्ता जानकारी मिली थी। सेना के मुताबिक, इस कार्रवाई में एक अन्य हमास सदस्य के अपार्टमेंट को भी निशाना बनाया गया, जो 7 अक्तूबर के हमलों में शामिल था। वहीं, गाजा से सामने आई स्थानीय रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि इस हमले में ओदेह के साथ-साथ उसकी पत्नी और बेटे की भी जान चली गई है।

खुफिया इकाई का प्रमुख रह चुका था ओदेह

आईडीएफ ने जानकारी दी है कि मोहम्मद ओदेह पहले हमास की खुफिया इकाई का प्रमुख हुआ करता था। इसी महीने हमास कमांडर इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद के मारे जाने के बाद, ओदेह को पिछले सप्ताह ही संगठन का सैन्य प्रमुख नियुक्त किया गया था। इस्राइली सुरक्षा एजेंसियों का सीधा आरोप है कि 7 अक्टूबर को इस्राइल पर हुए भीषण हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम तक पहुंचाने में ओदेह की अहम भूमिका थी। युद्ध के दौरान भी उसने इस्राइली सैनिकों पर हमलों और खुफिया अभियानों का नेतृत्व किया। एजेंसियों का मानना है कि ओदेह की मौत से हमास की सैन्य ताकत को दोबारा खड़ा करने की कोशिशों को भारी झटका लगा है।

रक्षा मंत्री ने की तारीफ, बोले- 'जहन्नुम भेज दिया गया'

इस सफल अभियान के बाद इस्राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने सेना और खुफिया एजेंसियों की बेहतरीन कार्रवाई की जमकर सराहना की।

काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हमास की सैन्य विंग के चौथे कमांडर को खत्म कर दिया गया है और उसे उसके साथियों के पास जहन्नुम भेज दिया गया है।' उन्होंने आगे कहा कि 7 अक्तूबर के नरसंहार का नेतृत्व करने वाले हर एक व्यक्ति को खत्म करने का जो हमने संकल्प लिया है, हम उसे पूरा करके रहेंगे। आतंकवादी जहां भी छिपेंगे, मौत उनका इंतजार कर रही है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने गाजा में हमास के शासन को पूरी तरह खत्म करने की योजना को तेजी से आगे बढ़ाने की बात भी दोहराई।

छत्तीसगढ़ में राईस स्कीम' लागू करने की तैयारी तेज

राईस मिलों के आधुनिकीकरण और गुणवत्ता सुधार पर जोर, छत्तीसगढ़ में लागू होगी 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम'

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में भारत सरकार की नवीन 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' को प्रभावी, व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण तरीके से लागू करने की दिशा में आज न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइंस रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, भारतीय खाद्य निगम (स्न्नष्टद्ब), मार्कफेड तथा प्रदेशभर के राईस मिलर्स ने भाग लिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि भारत सरकार आगामी खरीफ विपणन वर्ष में 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' को प्राथमिकता के साथ लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य के राईस मिलों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तकनीकी रूप से उन्नत (अपग्रेड) करना आवश्यक होगा, ताकि गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि मिलर्स द्वारा कार्यशाला में रखे गए सुझावों एवं व्यवहारिक समस्याओं का परीक्षण कर आवश्यक प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे जाएंगे।

कार्यशाला में खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 से लागू की जाने वाली 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' के विभिन्न प्रावधानों, गुणवत्ता मानकों, भंडारण व्यवस्था, अनुबंध प्रक्रिया, लागत एवं क्रियान्वयन संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 10 प्रतिशत अरवा ब्रोकन चावल एवं 5 प्रतिशत उसना ब्रोकन चावल के निर्धारित गुणवत्ता मानकों की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई, ताकि योजना के अनुरूप मिलिंग प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा सके। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने व्यवहारिक चुनौतियों एवं उद्योग से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा। मिलर्स ने प्रदेश में उन्नत धान किस्मों की खेती को बढ़ावा देने, भारतीय खाद्य निगम में रैक मूवमेंट को तेज करने तथा मिलिंग लागत में वृद्धि जैसे विषयों पर ध्यान आकृष्ट किया। साथ ही स्कीम के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी एवं आधारभूत सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री कान्ति लाल बोथरा, महामंत्री श्री विष्णु बिंदल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रदेशभर से आए राईस मिलर्स उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने योजना लागू करने से पहले इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करने के लिए खाद्य विभाग और खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले का आभार व्यक्त करते हुए 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' के सफल क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर मार्कफेड के एमडी श्री जितेन्द्र शुक्ला, भारतीय खाद्य निगम के जीएम श्री दीपक शर्मा सहित खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं राईस मिलर्स एसोसिएशन के लगभग 60 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

केंद्रीय कैबिनेट के SARTHAK-PDS फेज-2 निर्णय का सीएम साय ने किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

टेक्नोलॉजी आधारित पारदर्शी सार्वजनिक वितरण प्रणाली से गरीबों को मिलेगा अधिक लाभ–मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

द्ध, लक्क्ष और त्तक्र आधारित आधुनिक व्यवस्था से राशन वितरण होगा अधिक पारदर्शी और जवाबदेह गरीब कल्याण को नई मजबूती देगा SARTHAK-PDS फेज–2, राज्यों को मिलेगा आर्थिक सहयोग

रायपुर 27 मई 2026/ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा SARTHAK-PDS फेज–2 के लिए 25,530 करोड़ रुपये की मंजूरी का स्वागत करते हुए इसे गरीब कल्याण, खाद्य सुरक्षा और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को तकनीक आधारित, अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक–केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार गरीबों तक योजनाओं का लाभ शत–प्रतिशत पारदर्शिता के साथ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। SARTHAK-PDS फेज–2 के माध्यम से एआई–इनेबल्ड लाभार्थी रजिस्ट्री, जीपीएस ट्रैकिंग, क्यूआर कोड टैगिंग, रियल–टाइम मॉनिटरिंग और आधुनिक सप्लाई चेन प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं से राशन वितरण प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी।

इससे पात्र हितग्राहियों तक सस्ते अनाज और खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचेगा।

बरसात के पहले सड़कों की मरम्मत के निर्देश

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज रायपुर परिक्षेत्र के दोनों मंडलों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों से दोनों मंडलों में स्वीकृत, निर्माणाधीन और निविदा प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बरसात के पहले सभी सड़कों की मरम्मत कर उन्हें गड्ढामुक्त करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, मुख्य अभियंता पी.एम. कश्यप और टी.आर. कुंजाम भी बैठक में के सचिव ने बैठक में 2026–2025–26 में स्वीकृत कार्यों की प्राथमिकता सूची तैयार कर 10 जून तक भेजने के निर्देश दिए।

हाइवे में हेलमेट अनिवार्य करने हेतु अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के पत्र के संबंध में

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, एवं महामंत्री किशोर आहूजा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि हमारी समिति आपको हेलमेंट अनिवार्य करने के संबंध में कई पत्र लिखे।

जिसके जवाब में अपर परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर ने 27.04.2026 को एक पत्र रायपुर के सभी समाचार पत्रों को जारी किया जिसमें उन्होने कहा कि केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के आदेश के अनुसार मोटर साइकल चालक व पीछे बैठे सवार दोनो के लिए मोटर सायकल चलाते समय हेलमेंट अनिवार्य किया गया है तथा इस संबंध में मोटर यान अधिनियम 1988 में आवश्यक प्रावधान किये गये है उक्त प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए मोटर साइकिल चालान पर उक्त अधिनियम की धारा 194 (घ) के तहत अर्थदंड से दंडित किये जाने का प्रावधान है। उक्त प्रावधानों के पश्चात भी वर्ष 2023 से 2025 के बीच वाहन दुर्घटना के प्रकरणों में मृत लोगों की संख्या कुल तीन वर्षों में बीस हजार से अधिक है ।

श्री डी. रविशंकर ने समाचार पत्रों में कहा है कि मई माह में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की मई माह में बैठक होगी जिसमें निर्णय लेकर अभियान चलाकर कार्यवाही की जायेगी ।

3 साल में बीस हजार लोगों की मृत्यु होने के बाद भी हेलमेट अनिवार्य करने हेतु अभी तक सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित नहीं करने से यह साबित होता है कि अधिकारी इस विषय को गंभीरता से नहीं ले रहे है और हेलमेट नहीं लगाने के कारण एक्सीडेंट से मृत्यु के आंकड़े लगातार बढ़ते जा रहे है। कृपया आप इस पर ध्यान देकर शीघ्र बैठक बुलाने का आदेश दें ।

स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल क्लासरूम और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए तय होगी प्राथमिकता

मुख्य सचिव ने समग्र शिक्षा अभियान 2026 के बजट प्लान की बैठक ली- दिया गुणवत्ता और नवाचार पर विशेष जोर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी में छत्तीसगढ़ समग्र शिक्षा कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वार्षिक कार्य योजना और बजट वर्ष 2026–27 का प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी तरह से समग्र शिक्षा अंतर्गत स्वीकृत नवीन कार्यों का युक्तियुक्तकरण उपरांत स्थल परिवर्तन एवं विविध बिन्दुओं के प्रस्तावों पर चर्चा के उपरांत अनुमोदित किये गये। स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत विविध निर्माण कार्यों को शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

बैठक में मुख्य सचिव विकासशील ने 2026–27 के वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट प्लान को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंनें शिक्षा की गुणवत्ता, पहुंच और समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बजट प्लान में केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि लर्निंग आउटकम सुधारने वाले नवाचारों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए स्कूलों में संसाधन, शिक्षक और तकनीक तीनों मजबूत करने होंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि स्कूलों में छात्रों के ड्राप आउट की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जाये। माध्यमिक–उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम और आईसीटी लैब स्थापित होंगी। सभी स्कूलों में हाई–स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था होगी। ड्रॉपआउट रोकथाम कक्षा 1, 8 और 10 में ड्रॉपआउट दर शून्य करने के लिए विशेष ट्रैकिंग सिस्टम बनेगा। शाला त्यागी बच्चों को मुख्यधारा में लाने हेतु ब्रिज कोर्स चलेंगे।

शिक्षक प्रशिक्षण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसार सभी शिक्षकों का फेज–वाइज प्रशिक्षण दिया जाये। गणित–विज्ञान–अंग्रेजी के लिए विशेष मास्टर ट्रेनर पूल तैयार होगा। बुनियादी सुविधा जरूरत वाले स्कूलों में अतिरिक्त कक्षा–कक्ष, बालिका शौचालय, पेयजल, बिजली और बाउंड्रीवॉल के काम प्राथमिकता से होंगे।

नागरिकों की सुविधा सर्वोपरि, भविष्य की जरुरतों के अनुरूप करें निर्माण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

. लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज सेतु परिक्षेत्र के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेशभर में निर्माणाधीन पुलों, रेलवे ओवरब्रिजेस और फ्लाईओवर्स के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विभागीय मुख्यालय निर्माण भवन में आयोजित बैठक में नागरिकों की सुविधा, बारहमासी संपर्क, तेज और सुव्यवस्थित यातायात के लिए पुलों, रेलवे ओवरब्रिजेस और फ्लाईओवर्स के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने इनके प्रस्ताव और कार्ययोजना तैयार करते समय यातायात के दबाव, दोनों ओर की सड़कों, तथा आसपास स्थित वर्तमान पुलों व फ्लाईओवर्स के साथ ही भविष्य की जरुरतों का भी ध्यान रखने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी और सेतु परिक्षेत्र बैठक में मौजूद थे। सभी सेतु संभागों के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और अनुविभागीय अभियंता भी बैठक में उपस्थित थे। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में स्वीकृत कार्यों के लिए भू–अर्जन की प्रक्रिया मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी स्तर पर वन व्यपवर्तन, भू–अर्जन और इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग के लंबित मामलों से यथासमय शासन को अवगत कराने को कहा, जिससे इनके निराकरण की कार्यवाही उच्च स्तर से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तकनीकी स्वीकृति, भू–अर्जन और निविदा की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से तेजी से पूर्ण कर कार्यारंभ करने के निर्देश दिए।

सीएम साय के कड़े निर्देशों के अनुपालन में अवैध खनन एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कड़े और स्पष्ट निर्देशों तथा राज्य शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज विभाग का मैदानी अमला लगातार सक्रियता के साथ कार्यवाही कर रहा है। शासन स्तर पर की जा रही गहन समीक्षा, सख्त निगरानी और प्रशासनिक चौकसी के परिणामस्वरूप अवैध खनिज गतिविधियों पर लगातार अंकुश लगा है।

खनिज विभाग के सचिव एवं संचालक के निर्देशानुसार केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता तथा जिला स्तरीय टीमों द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण और संयुक्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 27 मई 2026 को केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने जिला रायपुर, महासमुंद एवं गरियाबंद क्षेत्र अंतर्गत सघन निरीक्षण अभियान चलाया।

निरीक्षण के दौरान रायपुर जिले के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिरदा एवं धिवरा में गौण निम्न श्रेणी चूनापत्थर से भरे 01 हाईवा तथा रेत के 03 हाईवा को वैध अभिवहन पास एवं अनुमति के बिना खनिज परिवहन करते पाए जाने पर अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया।

बम्हनीडीह में भाजपा की हुंकार

मंत्री गुरु खुशवंत और विधायक अनुज शर्मा की सभा में उमड़ा जनसैलाब, विकास के लिए मांगा वोट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जांजगीर चांपा जिले के नगर पंचायत बम्हनीडीह के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित विशाल जनसभा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी उत्साह देखने को मिला। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के भाजपा प्रत्याशी रमेश कुमार डडसेना एवं सभी वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और धरसींवा विधायक व प्रख्यात अभिनेता अनुज शर्मा मुख्य रूप से शामिल हुए। दोनों ही दिग्गजों ने जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में भारी मतदान करने की अपील की।

जनता का मिला अभूतपूर्व समर्थन

भारी गर्मी के बीच भी जनसभा में स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। सभा में उपस्थित अपार जनसैलाब को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि बम्हनीडीह की जनता का यह उत्साह और समर्थन स्पष्ट रूप से बता रहा है कि क्षेत्र में भाजपा की लहर है और जनता का पूरा आशीर्वाद भाजपा के साथ है।

यह बम्हनीडीह के स्वर्णिम भविष्य का शंखनाद- अनुज शर्मा

जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनावी सभा नहीं है, यह बम्हनीडीह के स्वर्णिम भविष्य का शंखनाद है! जनता का यह असीम आशीर्वाद बता रहा है कि कमल का फूल यहाँ पूरी शान से खिलने जा रहा है। भाजपा का मतलब ही है %विकास की गारंटी%। केंद्र में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की डबल इंजन की सरकार और राज्य की हमारी विष्णु देव साय जी सरकार मिलकर छत्तीसगढ़ के कोने–कोने को संवार रही है। अब बारी बम्हनीडीह की है! जैसे ही आप रमेश डडसेना जी और भाजपा के पार्षदों को चुनकर लाएंगे, यहाँ विकास की रफ्तार और तेज़ होगी। बुनियादी सुविधाओं से लेकर युवाओं के रोजगार और माताओं–बहनों के सम्मान तक, हर वादा पूरा किया जाएगा। हमारे अध्यक्ष पद के कर्मठ, ईमानदार और आप सबके सुख–दुख के साथी रमेश कुमार डडसेना जी और हमारे सभी वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए आज पूरा बम्हनीडीह एक सुर में खड़ा हो गया है।

छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे का होगा कायाकल्प- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में करोड़ों की नवीन परियोजनाओं को दी हरी झंडी

नवा रायपुर में बनेंगे संयुक्त शासकीय भवन, रायपुर को मिलेगा नया जल शोधन संयंत्र और दौड़ेंगी ई-बसें

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों और शहरी अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंत्रालय (महानदी भवन) में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स और नवीन अधोसंरचना प्रस्तावों का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिससे आने वाले समय में नवा रायपुर और मुख्य शहर की तस्वीर बदलेगी।

नवा रायपुर में 302.67 करोड़ रूपए की लागत से नए कार्यालय और शासकीय भवन बनेंगे

महानदी भवन और इंद्रावती भवन स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के दूसरे और तीसरे तल पर आधुनिक कार्यालयों का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की प्रस्तावित लागत करीब 131 करोड़ 17 लाख रुपये है। नवा रायपुर के सेक्टर–24 में एक विशाल संयुक्त शासकीय भवन का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 171 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत का अनुमान है, जिस पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई।

नवा रायपुर के लिए लागत 223.04 करोड़ रूपए की लागत से 43 आधुनिक ई–बसें

आम नागरिकों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अंतर्गत 43 नई ई–बसें चलाई जाएंगी। इसमें 40 कप्लाएंट बैटरी ऑपरेटेड और 9 मोटर एसी ई–बसें शामिल होंगी। इस पूरे प्रोजेक्ट डिजाइन, सप्लाई, परिचालन और संधारण की लागत 223 करोड़ 4 लाख रुपये होगी। ये बसें नवा रायपुर आने–जाने वाले लोगों के लिए विभिन्न रूटों पर संचालित की जाएंगी।

रायपुर में 186.14 करोड़ रूपए की लागत से नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत रायपुर शहर की पेयजल व्यवस्था को अपग्रेड किया जाएगा। इसके अंतर्गत 150 एमएलडी क्षमता के एक नवीन और आधुनिक जल शोधन संयंत्र का निर्माण किया जाएगा, जिसकी कुल लागत

186 करोड़ 14 लाख रुपये प्रस्तावित की गई है। बैठक में वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, सूचना प्रौद्योगिकी और आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, मुख्यमंत्री के सचिव व लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव सुश्री आर. शंगीता और एनआरडीए (ह्र्रष्ठ) के सीईओ श्री चंदन कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। इनके अलावा वन एवं जलवायु, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (क्क॥श्व) विभाग के आला अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

नीट यूजी में प्रवेश प्राप्त करने हेतु प्रदेश के संगठित क्षेत्र के बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए सुनहरा अवसर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश में संगठित क्षेत्र के बीमित श्रमिकों के बच्चों को स्नातक स्तर पर मेडिकल में पढ़ाई के लिए होने वाले प्रवेश परीक्षा नीट यूजी में सरलता से प्रवेश प्राप्त होने का अवसर दिये जाने के उद्देश्य से भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 20 मेडिकल कॉलेजों में बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए 700 सीट आरक्षित की गई है। बीमित श्रमिकों के बच्चों को नीट यूजी में प्रवेश लेने हेतु होने वाले प्रवेश परीक्षा के आवेदन के लिए अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है। इसके लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के वेबसाईट www.esic.nic.in में आवेदन करना होगा अथवा अधिक जानकारी के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के निकटवर्ती शाखा कार्यालय अथवा राज्य स्तरीय क्षेत्रीय कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। कर्मचारी राज्य बीमा निगम से किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नम्बर 1800112526 में भी संपर्क कर सकते हैं। अतः श्रमिक साथियों से अपील है कि नीट यूजी में प्रवेश हेतु अपने योग्य, इच्छुक बच्चों से अधिक से अधिक आवेदन करवा कर भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की योजना का लाभ लेवें।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444